सूर्योदय : 6:37
सूर्यास्त : 6:02
अधिकतम तापमान : 29.0
न्यूनतम : 15.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्याः
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-245 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, बुधवार, 26 फरवरी 2025
27 शाबान 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

सिख विरोधी दंगा मामला : सज्जन कुमार को उम्रकैद

- राउज एवेन्यू कोर्ट ने सुनाया फैसला
- पीड़ित पक्ष ने मौत की सजा मांगी थी

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उन्हें एक नवंबर 1984 को सरस्वती विहार इलाके में पिता-पुत्र की हत्या से जुड़े मामले में दोषी ठहराया गया था। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को दंगा, गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने और हत्या आदि से संबंधित धाराओं के तहत 12 फरवरी को दोषी ठहराया गया था। जांच के लिए गठित नानावटी आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, दंगों के संबंध में दिल्ली में 587 एफआईआर दर्ज की गई। जिसमें 2,733 लोग मारे गए थे। कुल में से लगभग 240 एफआईआर को पुलिस ने अज्ञात बताकर बंद कर दिया था वहीं दूसरी तरफ 250 मामलों में आरोपी बरी हो गए। वहीं 587 एफआईआर में से केवल 28 मामलों में ही दोषसिद्धि हुई, जिनमें लगभग 400 लोगों को दोषी ठहराया गया। सज्जन कुमार सहित लगभग 50 लोगों को हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था। कांग्रेस के प्रभावशाली नेता और सांसद रहे सज्जन कुमार पर 1984 में एक और दो नवंबर को दिल्ली की पालम कॉलोनी में पांच लोगों की हत्या के मामले में भी आरोप लगाया गया था। इस मामले में उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सजा को चुनौती देने वाली उनकी अपील सुप्रीम कोर्ट में अभी लंबित है। ट्रायल कोर्ट ने कुमार को बरी किए जाने के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में एक और अपील लंबित है।

महाकुम्भ में महारिकॉर्ड : 44 दिन और 64 करोड़ श्रद्धालु

- महाकुंभ के बचे दो दिनों में 144 वर्षों के अद्भुत संयोग का साक्षी बनने उमड़े करोड़ों लोग

महाकुम्भ नगर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महाकुम्भ अपने चरम पर पहुंच चुका है। 144 साल बाद बने इस अद्भुत संयोग का साक्षी बनने के लिए करोड़ों श्रद्धालु संगम तट पर उमड़ पड़े हैं। मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन संगम में रोज सवा करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु डुबकी लगाकर शांति और मोक्ष की कामना कर रहे हैं। यही नहीं, 10 दिनों से लगातार चढ़ रहे आस्था के इस महाज्वार को देखते हुए स्वास्थ्य और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

महाकुम्भ में अब तक 64 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान के सहभागी बन चुके हैं। इसे देखते हुए महाशिवरात्रि पर यह आंकड़ा 66 करोड़ के पार हो जाने की संभावना है। सनातन धर्मावलंबी जितनी बड़ी संख्या में यहां पहुंचे हैं, उतने पूरी दुनिया में आज तक कहीं दूसरी जगह एक साथ एकत्र नहीं देखे गए। गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा सात बार दो करोड़ के पार जा चुका है। पिछले 10 दिनों से हर दिन सवा करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम में पवित्र स्नान कर रहे हैं। जिससे महाकुम्भ क्षेत्र के साथ साथ पूरे देश में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। यहां लोगों के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि महाकुम्भ में पवित्र स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सात बार दो करोड़ के पार जा चुकी है। महाकुम्भ में पवित्र स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में देश के कोने कोने से लोग पहुंचे। यही नहीं विभिन्न देशों से प्रयागराज आने वाले विदेशी श्रद्धालुओं की भी इनमें अच्छी खासी तादात रही है। बात सिर्फ प्रमुख स्नान की हो तो करीब 17 करोड़ से अधिक श्रद्धालु इस दौरान संगम तट पर पहुंचे और आस्था की डुबकी लगाई।

हर अमृत स्नान पर महाकुम्भनगर में जनसैलाब उमड़ा। प्रत्येक अमृत स्नान के मौके पर ढाई करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी में डुबकी लगाकर अपने जीवन को धन्य किया। यही नहीं महाकुम्भ में ऐसा 12 बार हो चुका है जब गंगा स्नान करने वाले डेढ़ करोड़ लोगों की यहां संगम की रेत पर सहभागिता रही।

बिना किसी भेदभाव के मिल रहा है योजनाओं का लाभ : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान एक प्रश्न का जवाब देते हुए प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में बताया। सीएम ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के किसी भी गरीब के लिए उपचार कराना कठिन नहीं रहा है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत प्रदेश में 10 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जा रहा है। वहीं, सरकारी कर्मचारियों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलैस स्वास्थ्य योजना के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य की सेवा उपलब्ध करायी जा रही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पिछले आठ वर्षों में हर जरूरतमंद को इलाज के लिए बिना किसी भेदभाव के धनराशि उपलब्ध करायी गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में केवल पार्टी से जुड़े लोगों को ही इलाज के लिए पैसा दिया जाता था। उस दौरान हर कार्य को समाजवादी नाम दिया जाता था जबकि पैसा सरकारी होता था। यही हाल मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के पैसा का भी हो गया था, लेकिन अब समाजवादी सरकार नहीं है। आज हमारी सरकार संवेदनशील तरीके से बिना किसी भेदभाव के प्रदेशवासियों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। वहीं, सरकार इलाज के दौरान अतिरिक्त धनराशि की मांग को भी पूरा कर रही है क्योंकि कोई भी मानव क्षति परिवार के साथ समाज और प्रदेश की भी क्षति होती है। हम इस भाव के साथ काम कर रहे हैं। प्रदेश में आजादी के बाद से वर्ष 2017 तक केवल 17 मेडिकल कॉलेज सरकारी क्षेत्र में थे जबकि आज हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज के निर्माण की कार्रवाई तेजी से चल रही है। इन मेडिकल कॉलेजों में अच्छे प्रोफेसर लगातार तैनात किये जा रहे हैं।

साल में दो बार होंगी 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं

सीबीएसई बोर्ड ने जारी किए नए नियम

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10वीं के छात्रों के लिए अपनी परीक्षा प्रणाली में एक बड़ा सुधार पेश किया है। बोर्ड के ताजा निर्णय के अनुसार, 2026 से सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित करेगा, जिससे छात्रों को अपना प्रदर्शन सुधारने का एक अतिरिक्त अवसर मिलेगा।

नए स्वीकृत मसौदा दिशा-निर्देशों के अनुसार, कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं दो चरणों में आयोजित की जाएंगी। पहला चरण फरवरी और मार्च के बीच होगा, जबकि दूसरा चरण मई में निर्धारित किया जाएगा। दोनों परीक्षाओं में पूरा पाठ्यक्रम शामिल होगा, जिससे छात्रों के ज्ञान और कौशल का व्यापक मूल्यांकन सुनिश्चित होगा। नए नियमों के अनुसार, बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित की जाएंगी, जबकि प्रैक्टिकल और आंतरिक मूल्यांकन साल में केवल एक बार ही आयोजित किए जाएंगे। इस नए ढांचे का उद्देश्य छात्रों को अधिक लचीलापन प्रदान करना और एकल वार्षिक परीक्षा से जुड़े दबाव को कम करना है। छात्रों को दोनों सत्रों में उपस्थित होने और अपनी तैयारी के लिए सबसे उपयुक्त सत्र चुनने का अवसर मिलेगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, मसौदा मानदंड अब सार्वजनिक डोमेन में रखे जाएंगे और हितधारक 9 मार्च तक अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं।

विभाग सीएम डैशबोर्ड को गंभीरता से लें और रैंकिंग में सुधार लाएं: दुर्गा शक्ति नागपाल

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। सीएम डैशबोर्ड पर माह के अन्त में विभागीय प्रगति के फीडिंग को सही ढंग से कराये जाने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने मंगलवार को विकास भवन के %स्वामी विवेकानंद सभागार% में अफसरों की बैठक ली। बैठक का संचालन सीडीओ अभिषेक कुमार ने किया डीएम ने अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग, समाज कल्याण, उद्योग, पंचायती राज, श्रम, लोक निर्माण, नियोजन, प्रोबेशन इत्यादि विभागों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि अपने विभागीय कार्यक्रमो, योजनाओं के प्रति गंभीरता लाते हुए उच्च श्रेणी में आने के लिए भरसक प्रयास करें। जहां समस्या आ रही हो, वहां उच्च अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त करें। समीक्षा के दौरान उद्योग विभाग की स्थिति खराब मिलने पर उपायुक्त उद्योग को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि अग्रणी जिला प्रबंधक के माध्यम से बैंकों से व्यक्तिगत सम्पर्क और संपर्क स्थापित करते हुए अपने विभागीय लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित कराए. डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक दशा में सीएम डैशबोर्ड पर आंकड़ों का अद्यतन रखा जाय, ताकि जिले की रैंक प्रभावित न होने पाये। समीक्षा के दौरान सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लोग अपने-अपने विभागों की सीएम डैशबोर्ड से संबंधित कार्यों, योजनाओं की बराबर समीक्षा करते रहें, ताकि सीएम डैशबोर्ड पर विभाग की रैंकिंग खराब न होने पाए, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। संबंधित विभाग सीएम डैशबोर्ड को गंभीरता से लें। सभी विभाग छोटी से छोटी कमी पर ध्यान देते हुए अपनी रैंकिंग में सुधार लाएं। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी एकता श्रीवास्तव, सहायक अर्थ एवं संख्या अधिकारी अरविंद कुमार सहित सभी संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

ईंट भट्ठा व्यापारी के घर में रह कर काम करने वाले 12 वर्षीय बालक की संदिग्ध हालत में मौत

लखीमपुर-खीरी। शहर के एक ईंट भट्ठा व्यापारी के घर में रह रहे 12 वर्षीय बालक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के परिजनों ने जमकर हंगामा काटा परिजन शव पीएम हाउस में घुसकर शव को बाहर निकाल लाए और शव रखकर डीसी रोड जाम करने की कोशिश की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को खदेड़ कर शव वापस पोस्टमार्टम हाउस ले गई। परिजनों की नाराजगी की वजह है कि पुलिस ने उनको देरी से घटना की जानकारी दी। भीरा थाने के गांव गोदिया निवासी 12 वर्षीय दीपक पुत्र विजय पाल लखीमपुर शहर के मोहल्ला सुंदरपुरम निवासी ईंट भट्ठा व्यापारी सुखेंद्र तौलानी के घर पर रह रहा था। बताया जाता है कि चार महीना पहले तौलानी के नौकर नीरज ने ही अपने चचेरे भाई दीपक को बुलाया था। बताया जाता है कि सोमवार को नीरज और दीपक दोनों सुखेंद्र तौलानी के घर मौजूद थे। देर शाम दीपक की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। दीपक को उठाकर जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां से पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार की सुबह दीपक के परिजन अस्पताल पहुंचे तो उनको पता चला कि शव पोस्टमार्टम हाउस लाया गया है। पीएम हाउस पहुंचे परिजनों ने हंगामा काटना शुरू कर दिया। वे पीएम हाउस में घुसकर दीपक के शव को बाहर निकाल लाए। इस दौरान पीएम हाउस के स्टाफ से उनकी मारपीट भी हुई। परिजन शव उठाकर पोस्टमार्टम हाउस के बाहर डीसी रोड पर ले आए और मलिन थाने के पास शव रखकर हंगामा करने लगे। किसी तरह पुलिस को सूचना मिली। सूचना पाकर शहर कोतवाल फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन वह नहीं माने तो पुलिस ने उन्हें खदेड़ कर शव वापस पोस्टमार्टम हाउस ले आई। परिजनों की नाराजगी इस बात से है कि उनका कहना है कि पुलिस ने उनको घटना की जानकारी देरी से दी। उनसे बताया गया कि दीपक अस्पताल में है। उसकी मौत कैसे हुई, यह भी जानकारी नहीं दी गई। वे लोग पीएम हाउस पहुंचे तो यहां उनको बालक का शव देखने नहीं दिया। परिजन मृतक के चचेरे भाई नीरज पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस ने नीरज हो हिरासत में ले लिया है।

म्यूजिक महल शोरूम में लगी आग, शोरूम में मौजूद लाखों का सामान जलकर खाक

लखीमपुर-खीरी। खमरिया कस्बे के सियाराम गुप्ता बैटरी वाले के म्यूजिक महल शोरूम में सोमवार देर रात आग लग गई। कुछ ही पल में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते दुकान की पहली मंजिल से दूसरी मंजिल तक पहुंच गई शोरूम से उठती आग की लपटें देखकर लोग दहशत में आ गए। लोगों की सूचना पर थाना पुलिस से लेकर दमकल कर्मी भी मौके पर पहुंचे। बताया जाता है कि एक गाड़ी से आग पर काबू नहीं पाया जा सका, इस पर दूसरी गाड़ी बुलवाई गई। दमकल कर्मी देर रात तक आग पर काबू पाने की जद्दोजहद करते रहे बताया जाता है कि आग से शोरूम में मौजूद लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। वहीं, घर के अंदर फंसे परिवार के लोगों को सकुशल बाहर निकालने के लिए पुलिस और ग्रामीण लगे रहे। आग लगने की वजह एचटी लाइन के केबल टूटने से हुई स्पार्किंग बताई जाती है।

गोला गोकर्णनाथ का पौराणिक शिव मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र

लखीमपुर खीरी। छोटी काशी के नाम से विख्यात गोला गोकर्णनाथ का पौराणिक शिव मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां का महात्म्य पुराणों और लोक कथाओं में मिलता है। यहां महाशिवरात्रि पर भक्तों की भीड़ उमड़ती है। हरिद्वार, कछला घाट से गंगाजल लाकर भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। इस पौराणिक मंदिर को लेकर मान्यता है कि भगवान शिव ने यहां मृग रूप में विचरण किया था। वराह पुराण में वर्णित है कि भगवान शिव वैराग्य उत्पन्न होने पर यहां के वन क्षेत्र में भ्रमण करते हुए, रमणीय स्थल पाकर यहीं रम गए। ब्रह्मा, विष्णु और इंद्र को चिंता हुई और वह उन्हें ढूंढते हुए आए तो यहां वन प्रांत में एक अद्भुत मृग को सोते देखकर समझ गए कि यही शिव हैं। वे जैसे ही उनके निकट गए तो आहट पाकर मृग भागने लगा पौराणिक प्रसंग के अनुसार देवताओं ने उनका पीछा कर उनके सींग पकड़ लिए, तो सींग तीन टुकड़ों में विभक्त हो गया। सींग का मूल भगवान विष्णु ने यहां स्थापित किया, जो गोकर्ण नाथ के नाम से प्रसिद्ध हुआ। सींग का दूसरा टुकड़ा ब्रह्मा जी ने बिहार के श्रृंगेश्वर में स्थापित किया। तीसरा टुकड़ा देवराज इंद्र ने अमरावती में स्थापित किया। यहां के महात्म्य का वर्णन शिव पुराण, वामन, पुराण, कूर्म पुराण, पद्म पुराण और स्कंद पुराण में भी मिलता है पौराणिक शिव मंदिर से जुड़ी एक लोक मान्यता के अनुसार त्रेतायुग में भगवान शिव रावण की तपस्या से प्रसन्न हुए और रावण भगवान शिव को अपने साथ लंका ले जाने लगा। भगवान शिव ने शर्त रखी कि उन्हें रास्ते में कहीं भी रखा, तो वह उस स्थान से नहीं जाएंगे। जब रावण गोला गोकर्णनाथ के पास पहुंचा तो वह लघुशंका के लिए रुका। रावण एक चरवाहे को इस हिदायत के साथ शिवलिंग देकर लघुशंका के लिए चला गया कि वह शिवलिंग भूमि पर नहीं रखेगा काफी देर तक वापस न आने पर चरवाहे ने भगवान शिवलिंग को भूमि पर रख दिया। वापस लौटने पर रावण ने शिवलिंग उठाने की कोशिश की मगर नहीं उठा सका। इस पर गुस्से से अपने अंगूठे से शिवलिंग को भूमि में दबा दिया। मान्यता है, कि गोला के पौराणिक शिव मंदिर में स्थापित शिवलिंग में रावण के अंगूठे का निशान आज भी मौजूद।

शान्ति भंग में 11 नफर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी। थाना धौरहरा पुलिस द्वारा शान्ति भंग में 11 नफर अभियुक्तों फिरोज उर्फ मुन्ना अफरोज उर्फ बब्लू बालगोविन्द उत्तम कुमार कुलदीप नीरज पप्पू विजय पाल शारदा अर्जुन असलम को अन्तर्गत धारा 170/126/135 बी0एन0एस0एस0 में निरोधात्मक कार्यवाही करते हुये हिरासत पुलिस में लिया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण उपरोक्त का चालान न्यायालय किया गया । फिरोज उर्फ मुन्ना पुत्र अनवर अफरोज उर्फ बब्लू पुत्र अनवर निवासीगण ग्राम अमेठी थाना धौरहरा बालगोविन्द पुत्र बुद्धा निवासी ग्राम चकलाखीपुर थाना धौरहरा उत्तम कुमार पुत्र पतिराखन निवासी ग्राम शाहपुर थाना धौरहरा कुलदीप पुत्र रघुवीर प्रसाद नीरज पुत्र रघुवीर प्रसाद निवासीगण ग्राम हरीरामपुरवा मजरा वाली थाना धौरहरा पप्पू पुत्र केदारी विजय पाल पुत्र मोतीलाल शारदा पुत्र कल्लू अर्जुन पुत्र राधेश्याम निवासी गड़रियनपुरवा मजरा खगियापुर थाना धौरहरा असलम पुत्र सहाबुद्दीन निवासी ग्राम राजापुर भज्जा थाना धौरहरा जनपद खीरी।

बजड़ी से भरा ट्रक पलटा, ट्रक के नीचे दबी दो बकरियां

लखीमपुर-खीरी। गोला-सिकंदराबाद रोड पर सोमवार रात लगभग 3 बजे गोला की तरफ से आ रहा बजड़ी भरा ट्रक पलट गया। जिसके नीचे दो बकरियां दब गयी। सिकंदराबाद निवासी अंकित कुमार अपने परिवार सहित चौराहे पर झोपड़ी डाल के रहता है। उसके पास अन्य कोई मकान नही हैं। झोपडी में पान पुड़िया का ठेला रखा है। जिससे उसकी रोजी रोटी चलती है। सोमवार की रात तीन बजे रोड से गुजर रहा ट्रक पलटा गया। जिससे उसका ठेला टूट गया और झोपडी भी गिर गयी। अंदर उसका परिवार सो रहा था जिसमे करीब आठ लोग थे। झोपडी गिरने से उनको भी हल्की चोटें आई हैं। साथ ही दो बकरियां भी दब गयी।

जनसुनवाई में 6 शिकायतों में से तीन का हुआ तत्काल निस्तारण

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। नगर निगम में आज हुई जनसुनवाई में तीन शिकायतें सफाई सम्बंधी और तीन शिकायत अतिक्रमण सम्बंधी पहुंची। सफाई सम्बंधी तीनों शिकायतों का तत्काल निस्तारण करा दिया गया, जबकि अतिक्रमण की शिकायतों के सम्बंध में अपर नगरायुक्त राजेश यादव ने प्रवर्तन दल प्रभारी को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई कराने के निर्देश दिए। आज जनसुनवाई के दौरान वार्ड 33 लक्ष्मणपुरी कॉलोनी दिल्ली रोड निवासी निरंजन शर्मा व वार्ड 8 डिफेंस कॉलोनी निवासी फरत अब्बास तथा वार्ड 67 इरशाद नगर निवासी गय्यूर राही ने अपनी-अपनी कॉलोनियों में नाली की साफ सफाई कराने को लेकर प्रार्थना पत्र दिए, जिस पर अपर नगरायुक्त राजेश यादव ने क्षेत्रीय सफाई निरीक्षकों व कर्मचारियों को भेजकर तुरंत सफाई कराते हुए शिकायतों का निस्तारण करा दिया। इसके अलावा वार्ड 34 पंजाबी बाग निवासी आदित्य ने पंजाबी बाग में अशोक हलवाई वाली गली में किये गए अतिक्रमण को हटवाने, वार्ड 04 लक्ष्मी नगर गली संख्या तीन निवासी संतोष ने गली में एक महिला द्वारा किये गए अतिक्रमण को हटवाने तथा वार्ड 27 ग्रीन सिटी कृष्णा एन्कलेव बेहट रोड निवासी शाहनवाज ने कॉलोनी के पास किये गए अतिक्रमण को हटवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया।

पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होने तक संघर्ष जारी रहेगा: भगत

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन मंडलायुक्त अटल कुमार राय को सौंपकर पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण के साथ किसानों की समस्याओं का भी समाधान कराये जाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर 26 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण ही है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग क्षेत्र में अलग राज्य की मांग को देखते हुए केंद्र सरकार को तत्काल राज्य पुनर्गठन आयोग गठित कर नए राज्यों का निर्माण करना चाहिए। भगत सिंह वर्मा ने मेरठ में तत्काल हाई कोर्ट की स्थापना कराने,

मिनी सचिवालय बनाने, मेरठ सहारनपुर आगरा में तीन एम्स की स्थापना कराने की मांग करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में दो एम्स है और दोनों पूर्वांचल में है। जबकि पश्चिम उत्तर प्रदेश के सबसे अधिक टैक्स देने के बावजूद भी यहां शिक्षा और चिकित्सा नाम मात्र को है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पृथक राज्य निर्माण होने पर यहां के गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य 700 रूपये कुंतल नकद मिलेगा। और भ्रष्टाचार गरीबी महंगाई और बेरोजगारी से मुक्ति मिलेगी। पृथक पश्चिम प्रदेश में शिक्षा और चिकित्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर की होगी। सहारनपुर मंडल में सबसे अधिक टोल प्लाजा लगे हुए हैं। जिन्हें तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। देश के किसानों के सभी कर्ज समाप्त कराए जाए। देश के अन्नदाता किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाया जाए। मनरेगा योजना को सीधा खेती से जोड़कर किसानों को मजदूर उपलब्ध कराई जाए। किसानों को कृषि कार्य हेतु निशुल्क बिजली दिलाई जाए। खेती की लागत को कम करने के लिए ट्रैक्टर कृषि यंत्र खाद बीज कीटनाशक डीजल से जीएसटी और सभी प्रकार के टैक्स समाप्त कराए जाएं। चीनी मिलों से बकाया गन्ना भुगतान और पिछले वर्षों में देरी से किए गए गन्ना भुगतान पर लगा ब्याज तत्काल किसानों को दिलाया जाए। गन्ने की उत्पादन लागत को देखते हुए गन्ने का लाभकारी मूल्य 700 रूपये कुंतल तत्काल घोषित कराया जाए। चीनी मिलों में हो रही घटतोली को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और घटतोली करने वाले मिल मालिक और प्रबंध तंत्र को जेल भेजा जाए। एम एस पी को लाभकारी बनाकर गारंटी कानून बनाया जाए। छुट्टा व आवारा पशुओं से किसानों की खेती को बचाया जाए। प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉक्टर अशोक मलिक, राष्ट्रीय सलाहकार रजत शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल, प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक, प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी, प्रदेश सचिव डॉ.परविंदर मलिक, मंडल प्रभारी दुष्यंत सिंह, मंडल उपाध्यक्ष धर्मपाल जोशी, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट शामिल रहे।

शिवजी का पीले फूलों से विधि विधान से श्रंगार करके हल्दी चढ़ाई गयी

लखीमपुर-खीरी। महाशिवरात्रि को लेकर नर्मदेश्वर महादेव मन्दिर राजाजीपुरम में पूजन अनुष्ठा शुरू हो गए हैं। महिलाओं ने यहां भोले बाबा का श्रृंगार किया और हल्दी अर्पित कर रस्म पूरी की। शिवजी का पीले फूलों से विधि विधान से श्रंगार करके हल्दी चढ़ाई। इस दौरान देर शाम तक भजन कीर्तन का सिलसिला चलता रहा। भारी संख्या में भक्त मौजूद रहे महाशिवरात्रि के मौके पर बुधवार को सुबह अभिषेक के बाद बाबा की आरती होगी। इसके बाद रुद्राभिषेक शुरू होगा। 108 कलशों से शिवजी का जलाभिषेक किया जाएगा। दोपहर बारह बजे आरती होगी। शाम चार बजे भोग लगाने के बाद भंडारा शुरू होगा। शाम पांच बजे भव्य श्रृंगार किया जाएगा। शाम को सात बजे संध्या आरती के बाद भजन कीर्तन होंगे। रात बारह बजे आरती की जाएगी।

झाड़ियों में रोता मिला नवजात शिशु

लखीमपुर-खीरी। पलिया-भीरा मार्ग पर शारदा नदी पुल के आगे मोड़ पर किसी ने एक नवजात शिशु (लड़का) झाड़ियों में फेंक दिया था। मंगलवार की सुबह लोगों ने जब रोने की आवाज सुनी तो मौके पर पहुंचे और नवजात शिशु को देख हैरान रह गए। इसी बीच, मौके पर पहुंचे एक मल्लाह ने बच्चे को अपने साथ घर ले जाने का निर्णय लिया मंगलवार की सुबह शारदा पुल से आगे भीरा की ओर बढ़ने पर देखने को मिला। जब लोग मार्ग से गुजर रहे थे, तभी उनके कानों में झाड़ियों से किसी बच्चे के रोने की आवाज आई। इस पर लोग मौके पर पहुंचे और देखा कि एक नवजात शिशु (लड़का) झाड़ियों में पड़ा रो रहा था। नवजात शिशु की खबर पाकर तमाम लोग वहां इकट्ठा हो गए। इसी बीच शारदा नदी के तट पर स्थित मल्लाहों के गांव श्रीनगर (पलिया कलां) निवासी रविंद्र पुत्र सीताराम मल्लाह भी वहां पहुंच गया। उसने बच्चे को गोद में उठाकर हृदय से लगाया और अपने साथ घर ले गया।

विधायक राजीव ने विधानसभा में अनएप्रूव्ड कॉलोनियों का मुद्दा उठाया

सहारनपुर। नगर विधायक राजीव गुम्बर ने विधानसभा में अनएप्रूव्ड कॉलोनियों में विकास का मुद्दा उठाया और जनहित में समस्याओं का त्वरित गति से हल कराने की मांग की। विधायक राजीव गुम्बर ने विधानसभा में कहा कि जनपद-सहारनपुर में सक्षम प्राधिकरण से बिना अप्रूव्ड कराये बहुत-सी कालोनी विकसित की गयी, जिसमें पूरी तरह से आबादी बसायी जा चुकी है ऐसी कालोनियों में नगर निगम के द्वारा मूलभूत अवस्थापना सुविधाएं जैसे सड़क, नाली, सीवर इत्यादि की सुविधाएं नहीं दी जा रही है। चूंकि आबादी बढ़ने के साथ-साथ शहरीकरण भी काफी तेजी के साथ बढ़ा है जबकि बढ़ती आबादी के सापेक्ष सरकार की ओर से निर्धारित स्थानीय प्राधिकरण अथवा आवास विकास परिषद् के द्वारा कालोनियां विकसित नहीं की गयी, जो कालोनियां सक्षम प्राधिकरण के द्वारा विकसित की भी गयी।

हत्या की घटना में वांछित एक और आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

पुलिस दो आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर भेज चुकी है जेल

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। थाना देवबंद पुलिस ने हत्या की घटना में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी का चालान काटकर जेल भेज दिया। जबकि पुलिस इस मामले में दो अभियुक्तों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

थाना देवबंद प्रभारी बीनू चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत् 23 फरवरी को वादी मनव्वर पुत्र मुन्ना निवासी ग्राम कुरड़ी थाना मंगलौर जिला हरिद्वार की तहरीर पर आरोपी शमशाद व इन्तजार पुत्रगण गफ्फार निवासीगण ग्राम नरा थाना मंसुरपुर जिला मुजफ्फरनगर, नदीम पुत्र कोकी निवासी ग्राम जटौल थाना देवबन्द व जावेद उर्फ कलवा पुत्र मतलूब निवासी फौलादपुर सापला रोड़ थाना देवबन्द के खिलाफ कोहिनूर पैलेस में शादी शमारोह में डीजे पर नाचने को

लेकर वादी के पुत्र तसव्वर पुत्र मनव्वर व चाचा असलम निवासीगण कुरड़ी थाना मंगलौर जिला हरिद्वार के साथ मारपीट करने, जिसमें वादी के पुत्र के सीने मे चाकू मारकर हत्या कर देने व चाचा असलम का घायल कर देने के सम्बन्ध में थाना देवबंद पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। थाना प्रभारी बीनू चौधरी ने बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक रविन्द्र कसाना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुकदमें में वांछित आरोपी नदीम पुत्र कोकी को ग्राम जटौल के पास से गिरफ्तार कर लिया। श्री चौधरी ने बताया कि हत्या की घटना में शामिल दो आरोपियों जावेद उर्फ कलवा व शमशाद पुत्र गफ्फार को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस ने दबोचे गये आरोपी का चालान काटकर जेल भेज दिया है।

आगरा में घर में घुसकर नाबालिग से गैंगरेप, चीखने की आवाज सुन मोहल्ले वालों ने दोनों आरोपियों को जमकर पीटा

आगरा। पुलिस की लाख कोशिशों के बावजूद महानगर में नाबालिक साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। सिकंदरा क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ दिनदहाड़े उसी के घर में गैंगरेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की चीख-पुकार पर आसपास के लोगों ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से एक सिक्योरिटी एजेंसी का गार्ड है। लोगों इनकी जमकर पिटाई भी लगाई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी अनुसार पीड़िता 14 साल की है। उसका पिता राजमिस्त्री है जबकि मां और भाई मजदूरी करते हैं। सुबह ये तीनों काम पर चले गए थे। पीड़िता पूर्वाह्न में अपनी छोटी बहन को लेकर लौट रही थी कि रास्ते में मिले दो लोग यह कहते हुए घर तक साथ आ गए कि वे उसके पिता को जानते हैं और उनसे मिलना है। नाबालिग को इन दोनों शातिरों की चालाकी समझ में नहीं आई। इन दोनों ने घर में प्रवेश करने के बाद पहले शराब का सेवन किया और फिर किशोरी को छत पर ले जाकर रेप किया।

हेवानो से किसी तरह छूटी किशोरी ने शोरगुल मचाया तो आसपास के लोग एकत्रित हो गए और दोनों आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। इसके बाद तो लोगों ने दोनों की जमकर धुनाई की। हर किसी ने इन दोनों पर अपना गुस्सा निकाला। इस बीच पड़ोसियों ने बालिका के माता-पिता को भी सूचित कर दिया तो वे भी आ गए। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस दोनों को अपने साथ ले गई। खबर लिखे जाने तक पुलिस रिपोर्ट दर्ज करने के लिए पीड़ित परिवार की रिपोर्ट का इंतजार कर रही थी। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराने की बात भी कही।

300 करोड़ रुपए की जमीन की हथियाने के लिए बनाई फर्जी वसीयत, एसआईटी जांच में बड़ा खुलासा, 2 गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

आगरा। आगरा से एक बड़ा सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां के थाना सदर तहसील में फर्जी बैनामा कांड की जांच कर रही एसआईटी ने बाबा मुंशीदास की 300 करोड़ रुपये से अधिक की जमीनों की फर्जी वसीयत कराने का खुलासा किया है। बाबा मुंशीदास की पहली पत्नी के बेटे राजकुमार के साथ मिलकर साजिश रची थी। पुलिस ने तहसील के संविदाकर्मी चित्र सिंह और बाबा के बेटे राजकुमार को गिरफ्तार कर लिया है। तहसील सदर में जमीनों का फर्जी बैनामा करके उन्हें कब्जाने वाले गिरोह का पिछले दिनों खुलासा किया गया था। इस पर प्रशासन की ओर से 21 जनवरी को शाहगंज थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया गया था। बैनामों की जांच के लिए एसीपी सदर विनायक भोंसले के नेतृत्व में बनाई एसआईटी ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया था। बाबा मुंशीदास की दूसरी पत्नी उर्मिला देवी ने पति के नाम से फर्जी प्रपत्र बनाने की शिकायत दी थी। बता दें, बाबा मुंशीदास की 2017 में आश्रम में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। एसआईटी को छानबीन में पता चला कि बाबा मुंशीदास की पहली पत्नी राजवती उर्फ विमला देवी से एक बेटा राजकुमार है। वह पढ़ने देहरादून चला गया। मां राजवती भी साथ चली गई थीं। उसके बाद बाबा मुंशीदास ने आश्रम में रहने वाली उर्मिला से दूसरी शादी कर ली। उर्मिला देवी से उन्हें पांच बच्चे हैं। मुंशीदास ने अपनी वसीयत में फोटो उर्मिला देवी का लगाया। उन्होंने वसीयत में राजवती उर्फ विमला देवी उर्फ उर्मिला का नाम लिखा था। यह वसीयत फतेहाबाद तहसील के रिकॉर्ड रूम में थी। मुंशीदास की हत्या के बाद दोनों पत्नियों में विवाद चल रहा था। वसीयत में किसी एक का नाम नहीं होने के चलते दोनों ही जमीन को नहीं बेच पा रहे थे। पहली पत्नी के बेटे राजकुमार से फर्जी बैनामा करने वाले गिरोह से मुलाकात की। उसके साथ मिलकर फर्जी वसीयत तैयार करने की साजिश रची। फर्जी वसीयत तहसील में कराई गई थी जमाबाबा मुंशीदास की असली वसीयत से पहले की फर्जी वसीयत तैयार की, जिसमें पहली पत्नी राजवती और बेटे राजकुमार को उत्तराधिकारी बनाया था। वसीयत तैयार करने के बाद सदर तहसील के निबंधन कार्यालय के कर्मचारियों की मिलीभगत से रिकॉर्ड रूम में दर्ज करा दिया। एसीपी ने बताया कि मामले में राजकुमार और तहसील के निजी कर्मचारी चित्र सिंह को गिरफ्तार किया गया है।

जिलाधिकारी द्वारा महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत कैलाश मंदिर का किया गया स्थलीय निरीक्षण

आगरा। जिलाधिकारी अरविन्द मल्लप्पा बंगारी द्वारा महाशिवरात्रि पर्व पर शिव मंदिरों में होने वाले आयोजनों और उनकी तैयारियों को दृष्टिगत रखते हुए जनपद के प्राचीन शिवालय कैलाश मंदिर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंदिर में श्रद्धालुओं के आवागमन हेतु मार्ग में किसी प्रकार का व्यवधान/अतिक्रमण न होने दिया जाए साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से शिफ्टवार ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने अपर नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि मंदिर परिसर, घाटों के साथ मार्ग पर भी साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सफ़ाई कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाए तथा डस्टविन भी रखवाए जाए। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (नगर) को निर्देश दिए कि मार्ग पर समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए एवं श्रद्धालुओं के मंदिर में प्रवेश तथा निकास की अलग अलग व्यवस्था की जाए।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री की सर्वोच्च विकास प्राथमिकता कार्यक्रम के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक

अवधनामा संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी की अध्यक्षता में मंगलवार को कैंप कार्यालय सभागार में मुख्यमंत्री की सर्वोच्च विकास प्राथमिकता कार्यक्रम सीएम डैश बोर्ड के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सर्व प्रथम इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट विभाग की समीक्षा की

तथा एमओयू की प्रगति तलब की जिसमें बताया गया कि उक्त में ÷डी÷ श्रेणी मिली है। जिलाधिकारी ने संबंधित को सभी एमओयू की समीक्षा कर रेडी फॉर जीबीसी हेतु अपेक्षित प्रगति करने के निर्देश दिए। बैठक में भवनों के मानचित्र स्वीकृति में खराब प्रगति तथा सीएमडैशबोर्ड के अंतर्गत सी श्रेणी प्राप्त होने पर नाराजगी प्रगट की एवं सभी निस्तारित तथा लंबित आवेदनों की संख्या तलब की तथा टाउन प्लानर को एनओसी आदि संबंधी समस्या का शीघ्र निस्तारण करा अपेक्षित प्रगति करने के निर्देश दिए। बैठक में आवकारी विभाग की समीक्षा में बताया गया कि लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व लक्ष्य में 78.23 प्रतिशत के साथ ÷ई÷ श्रेणी प्राप्त है जिलाधिकारी ने इस पर नाराजगी व्यक्त की लक्ष्य के अनुरूप प्रगति हेतु निर्देश दिए। लेने पर नाराजगी प्रकट करते हुये कार्रवाई के निर्देश दिये।

मैट्रो स्टेशन का नाम नजीर अकबराबादी के नाम पर करवाने का अनुरोध

आगरा। नजीर अकबराबादी की पहचान नई पीढ़ी में सही तरीके से करवाने के लिये मलको गली (ताजगंज) में स्थित मजार और उसके आसपास के क्षेत्र को हरा भरा स्वच्छता युक्त करवाया जायेगा और इस स्थान से निकटतम मेट्रो स्टेशन को उनके जीवन पर आधारित नाटक 'आगरा बाजार की प्रस्तुतियों के दृष्यों, महत्वपूर्ण नज्मों, शायरियों से युक्त करने को शासन और प्रशासन को लिखा जायेगा।यह कहना है, उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के निवर्तमान चेयरमैन अशफाक सैफी का। अशफाक सैफी जो कि सिविल सोसायटी ऑफ़ आगरा के प्रतिनिधिमंडल से जगदीशपुरा स्थित अपने कैंप आफिस पर मुलाकात कर रहे थे,ने कहा कि नजीर अकबरावादी (वली मुहम्मद) कि अल्पसंख्यक समुदाय और ताजगंज क्षेत्र के नागरिकों के कई संगठन उनसे मिलते रहें हैं। उन्होंने कहा कि नजीर मुस्लिम जरूर थे किंतु उनका लिट्रेचर और उसके पीछे की सोच निश्चित रूप से बृजक्षेत्र की आशावाद से भरपूर उस संस्कृति को समृद्ध करने वाली है। जिसमें गरीब, अमीर, हिन्दू, मुस्लिम आदि सभी धर्मालंवियों के लिये अपने अपने अंदाज में जीवन जीने की गुंजायिश है। सिविल सोसायटी ऑफ़ आगरा के सैकेट्री अनिल शर्मा ने कहा कि सोसायटी के द्वारा आगरा मैट्रो सेवा के किसी एक स्टेशन का नाम 'नजीर अकबरावादी के नाम पर करने की अपेक्षा रही है,इसके लिये मैट्रो प्रशासन से निवेदन भी किया जा चुका है। इसी प्रकार सोसायटी की उ प्र टूरज्म डिपार्ट मेंट से मांग है कि अपने इंवेट कलैंडर बसंत पंचमी को भी शामिल करवाये।

मुख्यमंत्री ने किया 'कुंभ मेला : हिंदू जगत का सूक्ष्म दर्शन' पुस्तक का विमोचन

महाकुंभ के महात्म को देख रही है दुनिया

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार शाम गोरखनाथ मंदिर में स्मृतिशेष इतिहासकार, पुरातत्वविद एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य प्रो. ज्ञानेंद्र कुमार राय द्वारा रचित पुस्तक 'कुंभ मेला ऱ्माइक्रोकॉस्म ऑफ द हिंदू वर्ल्ड' (कुंभ मेला : हिंदू जगत का सूक्ष्म दर्शन) का विमोचन किया। यह पुस्तक लिखने के दौरान ही प्रो. राय का गोलोकगमन हो गया था और उनके बाद उनकी पुत्री डॉ. स्मिता राय ने इसे पूरा किया तथा पत्नी आशा राय ने इसका प्रकाशन सुनिश्चित कराया। लेखन शुरू करने के साथ ही प्रो. राय की इच्छा थी कि इस पुस्तक का विमोचन सनातन मानबिंदुओं को वैश्विक फलक पर प्रतिष्ठित करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों से हो।

पुस्तक विमोचन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लेखक स्वर्गीय प्रो ज्ञानेंद्र राय के परिवार को अपनी मंगलमय शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने विमोचन प्रति पर लिखा, 'महाकुंभ के महात्म को दुनिया देख रही है। कुंभ मेला पर आधारित इस पुस्तक का विमोचन अद्भुत है।' पुस्तक'कुंभ मेला माइक्रोकॉस्म ऑफ द हिंदू वर्ल्ड' में कुंभ मेले की ऐतिहासिक यात्रा का विस्तृत वर्णन किया गया है। इसमें प्राचीन ग्रंथों में कुंभ मेले के उल्लेख से लेकर मध्यकालीन और आधुनिक काल के दौरान इसके विकास तक को समाहित किया गया है।

महाकुंभ का महापर्व समय के साथ सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों के अनुसार कैसे ढला, इसके बावजूद अपनी आत्मा को कैसे संरक्षित रखा, इसका यह पुस्तक एक सूक्ष्म और गहन दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में ऐतहासिक संदर्भों से इस तथ्य को प्रतिष्ठित किया गया है कि कुंभ मेला सनातन अथवा हिंदुत्व को नजदीक से समझने का महत्वपूर्ण दर्शन है। यह महज एक धार्मिक जुटान नहीं है बल्कि हिंदुत्व की शक्ति और अनेकता में एकता के सनातन संदेश का साक्ष्य है। कुंभ की इन्हीं विशेषताओं से यूनेस्को ने इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की मान्यता दी है। प्रो. राय की इस पुस्तक प्रयागराज के अलावा हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में आयोजित होने वाले कुंभ मेले के विविध आयामों पर समग्र दृष्टि डालती है। इसमें अखाड़ों के इतिहास, उनकी परंपरा और सनातन धर्म की रक्षा में उनके महत्व को विस्तार से रेखांकित करती है। इससे यह समझने का भी अवसर मिलता है कि कल्पवास, कुंभ मेले का जीवन कैसे सनातन की जीवंत परंपरा का परिचायक है। गोरखनाथ मंदिर में विमोचन के उपरांत 'कुंभ मेला : हिंदू जगत का सूक्ष्म दर्शन' पुस्तक के लेखक स्वर्गीय प्रो. ज्ञानेंद्र कुमार राय की पत्नी आशा राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। पुस्तक विमोचन के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, डॉ. एसपी सिंह, प्रमथनाथ मिश्र, रामजन्म सिंह, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. ओपी सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार राव आदि भी उपस्थित रहे।

स्मृति शेष इतिहासकार, पुरातत्वविद प्रो. ज्ञानेंद्र कुमार राय की इस पुस्तक में कुंभ की ऐतिहासिकता से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा का है विशद वर्णन

कृषि निर्यात नीति के बारे में बताया गया

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक धीर पाल सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश अपनी उप्र कृषि निर्यात नीति-2019 को अधिसूचित करने वाला देश का प्रथम राज्य है। उ0प्र0 कृषि निर्यात नीति 2019 में प्राविधानित प्रोत्साहन- निर्यात उन्मुख क्लस्टर को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि एफ0पी0ओ/एफ0पी0सी0/किसान समूह को 50 हे0 से 100 हे0 तक क्लस्टर बनाकर कुल उत्पादन का न्यूनतम 30 प्रतिशत मात्रा में निर्यात करने पर 05 वर्षों में रु0 10 लाख देय है। क्लस्टर्स के निकट स्थापित की जाने वाली नवीन प्रसंस्करण इकाईयों के लिए निर्यात आधारित प्रोत्साहन रू0 टर्न ओवर का 10 प्रतिशत अथवा रू0 25 लाख जो भी कम है देय है। कृषि उत्पादों व प्रसंस्कृत वस्तुओं के निर्यात हेतु वास्तविक भुगतान किये गये भाड़े का 25 प्रतिशत तथा प्रतिवर्ष अधिकतम 20 लाख प्रति फर्म/निर्यातक देय है। (मांस व चीनी पर देय नही) कृषि निर्यात/पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम हेतु संस्थाओं के छात्रो को वार्षिक फीस का 50 प्रतिशत (50 हजार) 15 महीने से अधिक अवधि के पाठ्यक्रम हेतु रू0 01 लाख तथा निर्यात उन्मुख शिक्षा कार्यक्रम प्रारम्भ करने वाले राजकीय संस्थानों को एक मुश्त रू0 50 लाख का अनुदान देय है।

महाशिवरात्रि पर सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता पर दें विशेष ध्यान : योगी

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर मंगलवार शाम गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। सुरक्षा के एहसास के साथ किसी भी श्रद्धालु को कहीं असुविधा नहीं होनी चाहिए। साथ ही सभी शिवालयों और उनके आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।

गोरखनाथ मंदिर में सीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

शहर से लेकर देहात तक सभी शिवालयों पर महिलाओं की सुरक्षा हो सुनिश्चित

गोरखनाथ मंदिर के बैठक कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक में सीएम योगी ने कहा कि महाशिवरात्रि देवाधिदेव महादेव की उपासना का महापर्व है। इस महापर्व पर गांव से लेकर शहर तक के सभी शिवालयों पर शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में उनकी आस्था का सम्मान करते हुए उनकी सुरक्षा, सुविधा और सहूलियत के लिए विशेष प्रबंध किए जाने चाहिए। सुरक्षा के साथ बड़े शिवालयों के आसपास यातायात प्रबंधन पर भी ध्यान देने की जरूरत होगी।

मुख्यमंत्री ने पुलिस अफसरों को निर्देशित किया कि महाशिवरात्रि पर शिवभक्तों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और यातायात पुलिस की तैनाती की जाएगी। शहर से लेकर देहात तक के शिवालयों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाशिवरात्रि पर शिवालयों के सामने काफी अस्थायी दुकानें लगती हैं। यह ध्यान रखना होगा कि किसी का कारोबार प्रभावित न हो लेकिन यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि अस्थायी दुकानें इतनी दूरी पर रहें जिससे श्रद्धालुओं को मंदिरों में जाने में दिक्कत न हो। सीएम योगी ने गोरखपुर महानगर क्षेत्र के शिवालयों के आसपास साफ सफाई कराने के लिए नगर निगम, कस्बों में नगर पंचायतों और गांवों के शिवालयों के आसपास सफाई के लिए क्षेत्र और ग्राम पंचायतों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन विकास परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एडीजी डॉ. केएस प्रताप, मंडलायुक्त अनिल ढींगरा, डीआईजी आंनद कुलकर्णी, जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर, नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल, गीडा की सीईओ अनुज मलिक, जीडीए के उपाध्यक्ष आनंदवर्द्धन आदि उपस्थित रहे।

वृहद रोजगार मेला श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय में 28 को

अलीगढ़ अवधनामा संवाददाता। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय मॉडल कैरियर सेन्टर एवं श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 28 फरवरी को प्रातः 10 बजे से वृहद रोजगार मेला का आयोजन श्री वार्ष्णेय महाविद्याल में आयोजित किया जा रहा है। मेले में कुल 20 कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग कर लगभग 2100 रिक्त पदों पर चयन किया जायेगा। जिला सेवायोजन अधिकरी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार मेले में डिक्शन टैक्नोलॉजी इण्डिया प्रा. लि. गुरूग्राम, डिस्टिल टैक्नोलॉजी प्रा0लि0 नोयडा, मानसी गंगा विल्डर्स एण्ड इंजीनियरिंग प्रा. लि. अलीगढ़, विजन इण्डिया सर्विस नोयडा, टाटा स्ट्राईव स्किल डवलपमेंट सेंटर अलीगढ़, एनआईआईटी गुरूग्राम, एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस, कोटैक महिन्द्रा एवं अन्य के द्वारा मार्केटिंग, अकाउण्टेन्ट, प्रोडक्शन एसोसिएट, कम्प्यूटर आपरेटर, सेल्स, वेलनेस एडवाईजर, सुपरवाईजर, स्टोर इंचार्ज, पैकिंग इंचार्ज, टेलीकालर के पदों पर हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, बीटैक, बीबीए, बीसीए, एमबीए उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।

आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन एवं पारदर्शिता पूर्ण ढ़ंग से होगी संपन्न

अलीगढ़ अवधनामा संवाददाता। जिला कार्यक्रम अधिकारी कृष्ण कान्त राय ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि शासन के निर्देशानुसार जिले में 453 आंगनवाडी कार्यकत्रियों के रिक्त पदों पर भर्ती की प्रकिया ऑनलाइन पोर्टल के आधार पर की जा रही है, जिसमें अभ्यर्थी के इन्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक के प्राप्तांको के आधार पर चयन की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि निदेशालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार उ0प्र0 लखनऊ के शाासनादेश के के अनुसार इस प्रकिया में बीपीएल विधवा, बीपीएल तलाकशुदा या परित्याक्यता, बीपीएल अन्य, एपीएल विधवा, एपीएल तलाकशुदा या परित्याक्यता को नियमानुसार प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में ऑनलाइन पोर्टल से प्राप्त सूची के अनुसार चयनित एवं प्रथम वरीयता वाले अभ्यर्थियों को अंक पत्र सत्यापन के लिए विकासभवन बुलाया जा रहा है। उन्होंने जनसामान्य एवं अभ्यर्थियों को स्पष्ट किया कि भर्ती प्रकिया पूरी तरह से ऑनलाइन है इसमें किसी प्रकार के दलालों के चक्कर में न आएं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 50 लाख से अधिक के कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता मे 50 लाख से अधिक के कार्यो की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में किया गया। बैठक में जनपद में चल रही 42 निर्माणाधीन योजनाओं की समीक्षा की गई। सी0 एण्ड डी0 एस0 को ए0आर0टी0ओ0 कार्यालय के निर्माणाधीन भवन के कार्य की गुडवत्ता खराब पाये जाने पर नोटिस जारी करने के निर्देश, जिलाधिकारी द्वारा पर्यटन विकास निगम लि0 को जनपद में उनके चल रहे कार्यो की गति धीमे होने पर नाराजगी जताई गई व कार्यो को तेजी से पूर्ण कराने के लिये निर्देशित किया गया, जिलाधिकारी द्वारा पूर्ण हो चुके कार्यो को नियमानुसार हैंडओवर की कार्यवाही कराने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्यो में मानक व गुडवत्ता का विशेष ख्याल रखा जाये व सभी कार्यो को ससमय पूर्ण किया जाये,सभी अभियंता अपने प्रोजेक्ट का नियमित निरीक्षण करे, व कोई भी समस्या होने पर अवगत कराएं।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा चल रहे मेले का स्थलीय निरीक्षण किया गया

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रृंगी ऋषि की तपस्थली श्रंगीरामपुर में चल रहे मेले का स्थलीय निरीक्षण किया गया जिलाधिकारी द्वारा गंगा स्नान को आने बाले व कावंड़ियों की संख्या व उनको होने बाली समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि बाहर के राज्यो व जिलो से आने बाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नही होनी चाहिये ,जिलाधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत को अगले वर्ष के मेले के लिये वृहद कार्ययोजना तैयार करने के लिये निर्देशित किया गया व कहा गया कि ऐसी व्यवस्था तैयार करे जिससे आने बाले श्रद्धालुओं को किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े व मेले को व्यवस्थित तरीके से लगवाया जाये। इसके पश्चात जिलाधिकारी द्वारा पांचाल घाट पहुँचकर कल होने बाले महाशिवरात्रि के स्नान की तैयारियों का निरीक्षण किया, जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि घाटो पर प्रॉपर तरीके से बैरीकेटिंग कराई जाये, जहाँ पर ज्यादा गहराई है वहाँ पर स्नान प्रतिवंधित किया जाये व उस जगह को टीन से कवर कर दिया जाये, जिलाधिकारी द्वारा पैंटून पुल का भी निरीक्षण किया गया व पैंटून पुल की एप्रोच को सही कराने के निर्देश दिये गये।

युवक की अचानक मृत्यु से शादी की खुशी मातम मे बदली

हजपुरा अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। शादी की खुशियां उस समय मातम में तब्दील हो गई, जब बारात में डीजे की धुन पर डांस करते समय एक युवक अचानक बांस के जुटटे पर जा गिरा। सिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। आनन फानन में लोग उसे अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जवान युवक की मौत के बाद बारात की सारी खुशियां मातम में तब्दील हो गई। युवक की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

सूचना

मैं इसरार अहमद पुत्र रशीद अहमद नि. 12/2381, हिसामुद्दीन, सहारनपुर ने एक तहरीरी फैसले के अनुसार दि. 13/7/2019 को पुत्र सलमान पुत्र वधु श्रीमति गुलशन नि. गली न. 7 रहमानी चौक, सहारनपुर को अपनी कुल चल अचल संपत्ति से बे दखल करते हुए उनसे सभी संबंध विच्छेद कर रखे हैं भविष्य मैं हम सभी परिवार वाले उक्त दोनों के किसी भी कार्य और लेन देन हेतु ज़िम्मेदार नहीं होंगे।

इसरार अहमद, म. 9557034790

Notice

rahul kumar s/o rampal singh r/o manoharpur, delhi road, sre has been lost one original sale deed which in favore in smt seeta w/o santosh kumar by owner smt chanderma singh w/o harish kumar ragestered with sub ragistrar off sre at bahi no.1Jild no.7715 page 139 to 166 document no.401 on dt 26/4/2023 If any one found or have any claim contact Ritesh Tyagi adv ch..19 civil court , saharanpur,M.8810002033

2027 में बनेगी पीडीए की सरकार: सर्वेश आंबेडकर

अवधनामा संवाददाता

फ़र्रुखाबाद। जिले की कायमगंज विधानसभा क्षेत्र में पीडीए जन चौपाल कार्यक्रम लगातार जारी है, जिसमें विधानसभा के नेता इसमें सरकार पर लगातार प्रहार कर रहे हैं। इसी के चलते आज देर रात ग्राम प्रेमनगर चिलौली में पीडीए जागरूकता चौपाल सभा सम्पन्न हुई, जिसमें सभा को सम्बोधित करते हुए विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रहे, पूर्व मंत्री सपा नेता सर्वेश अम्बेडकर ने कहा की भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा पिछड़े, दलितों एवं अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। इस वर्ग का सशक्तिकरण इन प्रभुत्व वादियों की नींद हराम किए रहता है। समता मूलक पीडीए वर्ग कों जो अधिकार बाबा साहब अम्बेडकर जी ने संविधान में दिए हैं, उनको समाप्त करने की हर संभव कोशिश करती रहती है। भाजपा संविधान कों ख़त्म करना चाहती है, उनके लोगों द्वारा असमानता पर आधारित मनुविधान तैयार कर लिया गया है, जिसकी खबर मिडिया द्वारा आती रहती है। इसलिए अभी वक्त है जाग जाओ और पीडीए वर्ग कों एकजुट कर 2027 में प्रचंड बहुत की सरकार बनाकर संविधान की रक्षा करो। कार्यक्रम का संचालन रजनेश यादव के द्वारा किया गया।

भाजपा की डबल इंजन की सरकार फर्रुखाबाद में एक भी इंजन स्थापित नहीं कर पाई : मनोज

फर्रुखाबाद। आज विधानसभा क्षेत्र अमृतपुर में पीडीए पर चर्चा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोज मिश्रा पूर्व जिला पंचायत सदस्य रहे।मनोज मिश्रा ने कहा कि जिले में चार विधायक एक सांसद एक एमएलसी होने के बावजूद हमारा जिला अभी भी विकास के मामले में अछूत है अभी तक डबल इंजन की सरकार फरुखाबाद में एक भी इंजन स्थापित नहीं कर पाई है उन्होंने महंगाई बेरोजगारी किसने को डीएपी में लाइन लगाने एवं खुले आवारा पशु के बारे में चर्चा की कुंभ मेले में हजारों लोगों की दर्दनाक मृत्यु हुई लेकिन कुछ लोग उसे मृत्यु को मोक्ष बता रहे हैं। देश को प्रदेश को धर्म और जाट मंदिर और मस्जिद के नाम पर बांटा जा रहा है। समाजवादी पार्टी 2027 में जिसको भी टिकट देगी उसे हम सब लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनेंगे। जितेंद्र यादव राष्ट्रीय सचिव युवजनसभा ने सभी लोगों को एकत्र होकर समाजवादी पार्टी का सहयोग करने के लिए अपील की।

सीएम योगी ने दी बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुम्भ-2025 के प्रमुख स्नान पर्व महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों एवं महाकुम्भ में स्नान हेतु पधारे पूज्य संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। महाशिवरात्रि का पावन पर्व लोक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होने की प्रेरणा देता है। देवों के देव महादेव जनमानस में सर्वमान्य रूप से पूजे जाते हैं। पर्व व त्योहार हमारी परम्परा और राष्ट्रीयता को सुदृढ़ करने के प्रेरणास्पद अवसर हैं। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित ज्योतिर्लिंग राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महाकुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ियां

महाकुम्भ मेला–2025 के दौरान रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा नियमित रेलगाड़ियों के अलावा विभिन्न विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जा रहा है। इन विशेष रेलगाड़ियों का तिथिवार विवरण निम्नानुसार है:–

दिनांक 26.02.2025 (बुधवार) को चलने वाली विशेष रेलगाड़ियाँ

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	ठहराव
04210	प्रयागराज संगम	11:15	जौनपुर जं.	14:00	प्रयाग जं., फाफामऊ जं., फूलपुर, जंघई जं. एवं मड़ियाहूँ स्टेशन
04209	जौनपुर जं.	14:15	प्रयागराज संगम	17:15	
04202	प्रयागराज संगम	12:20	आलमनगर	17:00	प्रयाग जं., कुण्डा हरनामगंज, ऊंचाहार जं., रायबरेली जं., बछरावां एवं उतरेटिया जं. स्टेशन
04201	आलमनगर	19:15	प्रयागराज संगम	23:25	
04206	प्रयागराज संगम	13:30	अयोध्या कैंट	17:00	प्रयाग जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुलतानपुर स्टेशन
04205	अयोध्या कैंट	08:45	प्रयागराज संगम	12:15	
04229	प्रयाग जं.	21:10	अयोध्या कैंट जं.	01:55	फाफामऊ जं., सेवाइत, मऊ आइमा, शनिदेव धाम बिश्नाथगंज, माँ बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., खंडौर, पीपरपुर, सुल्तानपुर जं., कूड़ेभार, खजुरहट, भरतकुण्ड एवं मसौधा स्टेशन
04271	फाफामऊ	13:00	जौनपुर जं.	16:20	थरवई, सराय चण्डी, फूलपुर, उग्रसेनपुर, बरियाराम, जंघई, मड़ियाहूँ एवं जफ़राबाद जं. स्टेशन
04293	प्रयाग जं.	20:20	लखनऊ	02:00	फाफामऊ जं., अटरामपुर, रामचौरारोड, लालगोपाल गंज, भदरी, कुण्डाहरनाम गंज, गढ़ी मानिकपुर, परियावाँ कालाकाँकर रोड, अरखा, ऊंचाहार, लक्ष्मणपुर, दरियापुर, रायबरेली, गंगागंज, हरचन्दपुर, कुन्दनगंज, बछरावाँ, श्रीराजनगर, निगोहाँ, कनकहा, मोहनलालगंज और उतरेटिया जं. स्टेशन
04219	प्रयाग जं.	05:35	अयोध्या धाम जं.	10:30	फाफामऊ जं., सेवाइत, मऊ आइमा, शनिदेव धाम बिश्नाथगंज, माँ बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., खंडौर, पीपरपुर, सुल्तानपुर जं., कूड़ेभार, खजुरहट, भरतकुण्ड, मसौधा एवं अयोध्या कैंट जं. स्टेशन
04225	प्रयाग जं.	13:55	अयोध्या कैंट जं.	18:55	फाफामऊ जं., सेवाइत, मऊ आइमा, शनिदेव धाम बिश्नाथगंज, माँ बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., खुन्डौर, पीपरपुर, सुल्तानपुर जं., कूड़ेभार, खजुरहट, भरतकुण्ड एवं मसौधा स्टेशन
04233	प्रयाग जं.	09:40	अयोध्या धाम जं.	15:05	फाफामऊ जं., सेवाइत, मऊ आइमा, शनिदेव धाम बिश्नाथगंज, माँ बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., खंडौर, पीपरपुर, सुल्तानपुर जं., कूड़ेभार, खजुरहट, भरतकुण्ड, मसौधा एवं अयोध्या कैंट जं. स्टेशन
04251	प्रयाग जं.	20:30	अयोध्या कैंट	23:55	फाफामऊ जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुलतानपुर स्टेशन
04252	अयोध्या कैंट	15:45	प्रयाग जं.	19:55	
04253	फाफामऊ जं.	11:15	अयोध्या कैंट	14:45	माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुलतानपुर स्टेशन
04254	अयोध्या कैंट	06:15	फाफामऊ जं.	10:15	
04255	प्रयाग जं. (रिंग रेल)	05:35	प्रयाग जं. (रिंग रेल)	21:30	फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., खुन्डौर, सुलतानपुर, कूड़ेभार, खजुरहट, भरतकुण्ड, अयोध्या कैंट, सलारपुर, सोहावल, देवराकोट, बड़ा गाँव, रुदौली, रौजागाँव, पटरंगा, दरियाबाद, सैदखानपुर, सफदरगंज, रसौली, बाराबंकी जं., सफेदाबाद, मल्हौर, लखनऊ, उतरेटिया जं., मोहनलालगंज, कनकहा, निगोहाँ, श्रीराजनगर, बछरावाँ, कुनियनगंज, हरचन्दपुर, गंगागंज, राय बरेली जं., रूपामऊ, फुरसतगंज, जायस, बनी, गौरीगंज, तालाखजुरी, अमेठी, मिसरौली, माँ चंडिका देवी धाम अन्तू, जगेशरगंज, चिलबिला जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., शनिदेव धाम बिशनाथगंज, मऊ अइमा, सेवाइत व फाफामऊ जं. स्टेशन
02417	सूबेदारगंज	21:35	दिल्ली जं.	08:55	फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा जं., टूण्डला जं. एवं अलीगढ़ जं. स्टेशन
02418	दिल्ली जं.	09:30	सूबेदारगंज	19:40	
09403	अहमदाबाद जं.	21:15	जंघई जं.	03:00	आणंद जं., छायापुरी, गोधरा जं., दाहोद, रतलाम, नागदा जं., भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा जं., सवाई माधोपुर जं., गंगापुर सिटी, बयाना जं., आगरा फोर्ट, टूंडला जं., इटावा, गोविन्दपुरी, फतेहपुर एवं प्रयागराज जं, स्टेशन
05011	गोरखपुर जं.	14:30	अयोध्या कैंट	19:35	सहजनवा, मगहर, खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, स्वामी नारायण छपिया, मसकनवां, मनकापुर जं. एवं अयोध्या धाम जं. स्टेशन
05012	अयोध्या कैंट	21:50	गोरखपुर जं.	04:30	
04117	प्रयागराज जं.	22:20	अयोध्या कैंट	03:20	प्रयाग जं., फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुलतानपुर स्टेशन
04118	अयोध्या कैंट	05:15	प्रयागराज जं.	10:15	
04111	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	06:00	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	18:50	प्रयागराज रामबाग, झूँसी जं., हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जफराबाद जं., जौनपुर जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या धाम जं., अयोध्या कैंट, सुलतानपुर , माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग जं. स्टेशन
04112	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	06:30	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	21:00	
04113	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	17:30	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	07:45	प्रयागराज रामबाग, झूँसी जं., हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जफराबाद जं., जौनपुर जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या धाम जं., अयोध्या कैंट, सुलतानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग जं. स्टेशन
04114	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	17:45	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	08:00	
04120	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	13:30	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	04:00	प्रयाग जं., फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., सुलतानपुर, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., गोशाईंगंज, अकबरपुर, शाहगंज जं., जौनपुर जं., ज़फ़राबाद जं., मड़ियाहूँ, जंघई जं., भदोही, बनारस, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड, हंडिया खास, झूँसी जं. एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशन
05104	प्रयागराज रामबाग (रिंग रेल)	10:30	प्रयागराज रामबाग (रिंग रेल)	04:30	झूसी जं., ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., सुलतानपुर जं., खजुरहट, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., मनकापुर जं., स्वामी नारायण छपिया, बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., बेलथरा रोड, मऊ जं., दुल्लहपुर जं., औंड़िहार जं., सारनाथ, वाराणसी सिटी, वाराणसी जं., बनारस, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड और झूसी जं. स्टेशन
05178	झूँसी जं.	14:15	गोरखपुर जं.	22:55	हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, वाराणसी, वाराणसी सिटी, औंडिहार जं., मऊ जं., बेल्थरा रोड, सलेमपुर जं., भटनी जं.,देवरिया सदर, गौरी बाजार एवं चौरी चौरा स्टेशन
05186	प्रयागराज रामबाग	08:30	गोरखपुर जं.	18:00	झूँसी, हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, वाराणसी, वाराणसी सिटी, औड़िहार जं., मऊ जं., बेलथरा रोड, सलेमपुर जं., भटनी जं., देवरिया सदर, गौरी बाजार एवं चौरी चौरा स्टेशन
05130	झूँसी जं.	13:30	छपरा	21:30	हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, वाराणसी, वाराणसी सिटी, औंड़िहार जं., नंदगंज, गाजीपुर सिटी, यूसुफपुर, करीमुद्दीन पुर, चित बड़ागांव, फेफना जंक्शन, बलिया, बांसडीह रोड, सहतवार एवं सुरेमनपुर स्टेशन
05164	झूँसी जं.	10:00	थावे जं.	20:30	हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, वाराणसी जं., वाराणसी सिटी, औंड़िहार जं., गाज़ीपुर सिटी, यूसुफपुर, करीमुद्दीन पुर, चित बड़ागांव, फेफना जं., बलिया, बांसडीह रोड, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा, छपरा कचहरी, खैरा, पटेरही, मढ़ौरा, शाम कौड़िया, मसरख, राजापट्टी, दिघवा दुबौली, सिधवलिया, रतन सराय, मांझागढ़ एवं गोपालगंज स्टेशन।
05121	दोहरीघाट	08:00	प्रयागराज रामबाग	16:45	मुरादपुर (हॉल्ट), अमिला, घोसी, कोपागंज, इंदारा जं., मऊ जं., पनियरा, पिपरी डीह, नायक डीह, दुल्लहपुर, जखनियां, हुरमुजपुर हाल्ट, सादात, माहपुर, औंडिहार जं., वाराणसी सिटी, वाराणसी जं., बनारस, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड, हंडिया खास और झूसी जं. स्टेशन
05122	प्रयागराज रामबाग	21:45	दोहरीघाट	06:00	
05162	झूँसी जं.	18:30	भटनी जं.	01:10	हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, वाराणसी, वाराणसी सिटी, औंड़िहार जंक्शन, सादात, जखनियां, दुल्लहपुर, मऊ जं., इंदारा जं., चक्र रोड, कीडिहरापुर, गोबिंदपुर दुगली, बेल्थरा रोड, तुरती पार, लार रोड, सलेमपुर जं. और पिवकोल स्टेशन
05150	गोरखपुर जं.	19:30	झूँसी जं.	04:00	चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., लार रोड, बेलथरा रोड, इन्दारा जं., मऊ जं., दुल्लहपुर, औंड़िहार जं., वाराणसी सिटी, वाराणसी जं., बनारस एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशन
05149	झूँसी जं.	11:15	गोरखपुर जं.	20:00	
05101	झूँसी जं. (रिंग रेल)	09:00	झूँसी जं. (रिंग रेल)	04:15	ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, वाराणसी जं., वाराणसी सिटी, सारनाथ, औंडिहार जं., गाजीपुर सिटी, युसूफपुर, चिट बड़ागांव, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, छपरा कचहरी जं., मढ़ौरा, मशरख, दिघवा दुबौली, सिधवलिया, रतन सराय, गोपालगंज, थावे, हथुआ, सीवान, मैरवा, भाटपार रानी, भटनी जं., सलेमपुर, बेलथरा रोड, इंदारा, मऊ, दुल्लहपुर, जखनियां, औंड़िहार, सारनाथ, वाराणसी सिटी,वाराणसी जं., बनारस, माधोसिंह एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशन
05102	झूँसी जं. (रिंग रेल)	14:30	झूँसी जं. (रिंग रेल)	09:00	
05152	गोरखपुर जं.	23:45	झूँसी जं.	08:00	चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., लार रोड, बेलथरा रोड, इन्दारा जं., मऊ जं., दुल्लहपुर, औंड़िहार जं., वाराणसी सिटी, वाराणसी जं., बनारस एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशन
05151	झूँसी जं.	15:15	गोरखपुर जं.	23:45	
01033	छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस	11:30	मऊ जं.	22:00	दादर, ठाणे, कल्याण जं., ईगतपुरी, नाशिक रोड, मनमाड जं., जलगांव जं., भुसावल जं., खण्डवा जं., तलवड़िया, छनेरा, खिरकिया, हरदा, बानापुरा, इटारसी जं., पिपररिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, चुनार, वाराणसी जं., शाहगंज जं. एवं आजमगढ़ स्टेशन
06001	पुरट्चि तलैवर डॉ एम जी रामचंद्रन चेन्नै सेंट्रल	14:20	गोमती नगर	14:15	गुडुर जं., नेल्लोर, ओंगोल, चिराला, तेनाली जं., नई गुंटूर, विजयवाड़ा जं., खम्मम, वारंगल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, गोंदिया जं., बालाघाट जं., नैनपुर जं., जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, चुनार, वाराणसी जं. एवं अयोध्या धाम जं स्टेशन

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पटाखे, पेट्रोल, मिट्टी का तेल एवं गैस सिलेंडर आदि लेकर कभी यात्रा न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट **https://enquiry.indianrail.gov.in** अथवा **NTES App** देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

अवधनामा

लखनऊ, बुधवार, 26 फरवरी 2025

मंडलायुक्त ने कलेक्ट्रेट परिसर का किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। मण्डलायुक्त गौरव दयाल का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिलाधिकारी कार्यालय कलेक्ट्रेट अयोध्या का निरीक्षण करने हेतु कलेक्ट्रेट परिसर में आगमन हुआ, जहां उनका स्वागत पुष्प गुच्छ भेंटकर जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।उन्होंने भूलेख कार्यालय, राजस्व न्यायालयों, राजस्व अभिलेखागार, न्यायिक अभिलेखागार,आंग्ल अभिलेखागार, राजस्व लेखाकार पटल, सामान्य लिपिक पटल, नजारत व अन्य प्रशासनिक कार्यो हेतु बनाये गये पटलों का निरीक्षण किया। राजस्व अभिलेखागार में सफाई, प्रकाश तथा अग्नि शमन यंत्रों, कीटनाशक छिड़काव की समुचित व्यवस्था उपलब्ध रखने के निर्देश सम्बंधित को दिये।

भूलेख कार्यालय के निरीक्षण के दौरान सेवा सम्बंधी प्रकरणों की स्थिति व पेंशन सम्बंधी प्रकरणों की स्थिति का अवलोकन करते हुये उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि सभी कार्मिकों को सरकार द्वारा उनके हित में चलायी गयी योजनाओं का लाभ मिले तथा उनकी सेवा सम्बंधी अन्य प्रपत्र अद्यतन रहे। इस दौरान उन्होंने सभी पटल सहायकों एवं प्रभारियों से कहा कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले आम जनमानस की समस्याओं को सकारात्मक रूप से सुना जाय और उनकी हरसम्भव मदद की जाय।

राजस्व न्यायालय के निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यायालय में लम्बित समस्त राजस्व वादों के आर0सी0सी0एम0एस0 प्रणाली पर प्रवृष्टि करने, निर्णित वाद पत्रावलियों के दाखिल किये जाने की स्थिति का भी अवलोकन कर सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर की साफ सफाई, जनसामान्य के लिए बैठने, स्वागत कक्ष, पेयजल आदि की समुचित व्यवस्था का अवलोकन किया तथा सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित विभिन्न पटलों सहित अन्य सम्बंधित जानकारियां आयुक्त को दी। इस दौरान अपर आयुक्त प्रशासन अजय कान्त सैनी, अपर जिलाधिकारीगण सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

गायत्री पब्लिक स्कूल का 12वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया

अयोध्या। गायत्री पब्लिक स्कूल रेवतीगंज का 12वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के नेता अजीत प्रसाद थे, जिन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा से परिपूर्ण व्यक्ति समाज और देश को प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाता है, जैसे एक दीपक बिना तेल के भी अपने प्रकाश से अंधकार को दूर करता है।कार्यक्रम की शुरुआत अवध यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. शैलेंद्र कुमार वर्मा द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करने और फीता काटने से हुई। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की रुचियों के अनुसार उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें और शुरुआती शिक्षा को उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के रूप में देखें।विशिष्ट अतिथि राघवेन्द्र प्रताप सिंह अनूप ने कहा कि शिक्षक समाज के असली भाग्य विधाता होते हैं। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न नृत्य और नाट्य प्रदर्शन, जैसे माई सुपर हीरो, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, जय जवान जय किसान और एक चिट्ठी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में रामेश्वर प्रसाद सत्य नारायण इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या मयूरी तिवारी, के एम शुगर मिल्स के वरिष्ठ गन्ना प्रबंधक ए एन सिंह, और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।प्रबंधक उमा शंकर शुक्ल और उप प्रबंधक रमा शंकर शुक्ल ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में गायत्री देवी, शिखा दूबे, प्रीतम तलरेजा, पंकज शुक्ला, और अन्य क्षेत्रवासी भी मौजूद रहे।

नगर निगम ने 24 दुकानों के विरुद्ध की कुर्की की कार्यवाही

अयोध्या। मंगलवार को नगर आयुक्त सन्तोष कुमार शर्मा के निर्देश पर अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार एवं सहायक नगर आयुक्त गुरू प्रसाद पाण्डेय एवं सौरभ नाथ के नेतृत्व में नगर निगम अयोध्या में बड़े बकायेदारों के विरूद्ध आज अनिल सरस्वती लवकुश नगर एवं क्षत्रिय बोर्डिंग्स हाऊस पर कुर्की की कार्यवाही किये जाने हेतु 11:00 बजे पहँच कर क्षत्रिय बोर्डिंग्स हाऊस में 24 दुकानों के विरूद्ध रू0 18 लाख के सापेक्ष कुर्की की कार्यवाही की गयी, जिसमें 21 दुकानदारों द्वारा रू0 5 लाख मौके पर जमा किया गया। बाकी दुकानदारों को एक सप्ताह का समय दिया गया और 3 दुकानों पर मौके पर सीलिंग की कार्यवाही की गयी। अनिल सरस्वती विद्या मन्दिर लवकुश नगर द्वारा अपनी समस्त बकाया धनराशि रू0 10 लाख 50 हजार मौके पर जमा की गयी। कुल धनराशि रू0 15 लाख 50 हजार की धनराशि कुर्की अभियान के दौरान वसूल की गयी।

पुजारी प्रदीप दास बने सत्यधाम गोपाल मन्दिर के महंत

अयोध्या। 33 वर्षों से श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के मुख्य पुजारी रहे आचार्य सत्येंद्र दास के उत्तराधिकारी प्रदीप दास को मंगलवार को अयोध्या के प्रमुख सन्त महंतों की उपस्थिति में पूरे विधि विधान से कंठी चादर ओढाकर सत्यधाम गोपाल मन्दिर की महंताई प्रदान की गई।उनकी महंती पर प्रसन्नता जताते हुए हिमालय सन्त पूज्य अवधेशानंद जी महाराज ने विश्वास व्यक्त किया कि वे सन्त गोपाल मंदिर के रूप में प्रमुख वैष्णव पीठ की परंपरा को आगे बढ़ाने में सफल होंगे। इस दौरान ब्रह्मलीन हुई मंदिर के पूर्वाचार्य आचार्य सतेंद्र दास को श्रद्धांजलि दी गई और उनकी राममंदिर आंदोलन और सेवा पर चर्चा की गई।बता दे कि मंदिर के महंत श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के मुख्य पुजारी रहे आचार्य सतेंद्र दास जी का विगत दिनों साकेतवास हो गया था। उनका त्रयोदशाह संस्कार बुधवार को हुआ। इस अवसर पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। समारोह में दशरथ महल बड़ास्थान के महंत बिंदुगाद्याचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य, महंत उमेश दास, महंत प्रेमशंकर दास, महंत धनुषधारी शुक्ल, नागा रामलखन दास, महंत माधव दास, पंडित कौशल्यानंद वर्धन, महंत सुनील दास, आदि मौजूद रहे।

तालाब में रहस्यमय चंद्र फटने से मछलियां मरी, लाखों का नुकसान

अयोध्या। विकासखंड के सहसीपुर ग्राम सभा के मजरे चौहान का पुरवा में स्थित एक तालाब में पानी के अंदर रहस्यमय तरीके से चंद्र फटने से किसान के द्वारा पाली गई मछलियां मर गईं और कुछ मछलियां तालाब की मिट्टी में समा गईं। यह घटना सोमवार से शुरू हुई, जब तालाब का पानी धीरे-धीरे कम होने लगा।मंगलवार की सुबह किसान राम नरेश चौहान और उनके चचेरे भाई करमजीत ने देखा कि तालाब का सारा पानी सूख चुका है और तालाब के अंदर जमीन लगभग 15 फीट गहरी और 5 से 6 फीट चौड़ी हो गई थी। गांव के बुजुर्गों ने इसे चंद्र फटने की घटना बताया और कहा कि बाकी मछलियां उसी जमीन के अंदर समा गई हैं।किसान राम नरेश चौहान ने बताया कि उन्होंने कीचड़ में पड़ी मछलियों को औने-पौने दामों पर बेच दिया, जिससे लाखों का नुकसान हुआ है। घटना को लेकर नायब तहसीलदार बीकापुर, रामखेलावन से संपर्क किया गया, जिन्होंने कहा कि वह मेला ड्यूटी पर हैं, लेकिन लेखपाल को भेजकर स्थिति की जांच कराएंगे।इस घटना के बाद, क्षेत्र में इस रहस्यमय घटना को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं, और इसे देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी रही।

महाशिवरात्रि पर्व के लिए तैयारियां पूरी, अयोध्या में शांति और सुरक्षा के साथ मनाया जाएगा पर्व

अयोध्या। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर नयाघाट पर अधिकारियों के साथ बैठक की और पर्व को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में जनरेटर की व्यवस्था, घाटों पर बेरीकेटिंग, पार्किंग, खाने-पानी की व्यवस्था और साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही विद्याकुण्ड, सूयकुण्ड और दशरथकुण्ड में शेष कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

महाशिवरात्रि के अवसर पर लाखों श्रद्धालु अयोध्या स्थित प्रमुख शिव मंदिरों पर जलाभिषेक और पूजा करेंगे। शिव बारात और शोभायात्राएं निकाली जाएंगी, जिनमें बैंड-बाजा, रोड लाइट और बैल की सवारी होगी। साथ ही, श्रद्धालु पवित्र सरयू नदी में स्नान कर जलाभिषेक करेंगे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस, चिकित्सा, एंबुलेंस, और गोताखोरों की तैनाती की जाएगी।

दीन दुखियों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा : संतोष निषाद

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। दीन दुखियों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। इसलिए पीड़ित, निर्धन और असहाय लोगों की मदद करना चाहिए, ताकि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया जा सके।÷ यह विचार संतोष कुमार निषाद, निषाद समाज अयोध्या के जिला अध्यक्ष ने निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं दवा वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

इस अवसर पर सैकड़ों महिला और पुरुषों का नेत्र परीक्षण किया गया और उन्हें दवाएं वितरित की गईं। इसके अलावा, 13 महिला और पुरुषों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए अयोध्या आई अस्पताल भेजा गया।यह आयोजन श्री राम निर्बल शोषण धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में मंगलवार को बैतीकला ग्राम पंचायत, थाना क्षेत्र हैदरगंज में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनीराम निषाद ने की और संचालन राजकुमार निषाद महाराज, जिला अध्यक्ष ने किया।

समारोह को विशिष्ट अतिथि के रूप में जिप प्रत्याशी और पूर्व प्रधान श्रीनाथ निषाद ने संबोधित करते हुए कहा कि, ÷आज समाज में बहुत बड़ी गिरावट आ रही है। कोई किसी की मदद नहीं करना चाहता और सब अकेले भागना चाहते हैं। इसलिए समाज के लोगों को जागरूक होकर कमजोर वर्गों की मदद के लिए आगे आना होगा।÷इसके अतिरिक्त, समारोह में लालमणि निषाद, अनिल निषाद (अध्यक्ष, युवा मोर्चा), अमरजीत निषाद (पूर्व सभासद), अमरचंद वर्मा, बालक राम निषाद महाराज, और अर्जुन निषाद ने भी अपने विचार साझा किए।समारोह में अतिथियों का स्वागत महेश निषाद, ललित महाराज, सर्वेश भारती सहित आयोजक मंडल के दर्जनों युवाओं ने फूल-मालाओं के साथ किया।कार्यक्रम में आई हॉस्पिटल के डॉ. अभिषेक तिवारी, कृष्ण कुमार और रामजस ने मरीजों का नेत्र परीक्षण किया। डॉ. तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर डेढ़ सौ लोगों को दवाएं और 50 लोगों को चश्मे निशुल्क प्रदान किए गए। इसके अलावा, मोतियाबिंद के 13 महिला और पुरुषों को ऑपरेशन के लिए अस्पताल भेजा गया, जिनमें सियाराम, गुलाब देवी, सरस्वती, रामकरण, हृदय राम, शीला, गुलाबावती, कृष्ण पाल आदि शामिल हैं।

ग्राम समाधान दिवस का हुआ आयोजन

अवधनामा संवाददाता

बीकापुर -अयोध्या। विकासखंड क्षेत्र के सोनबरसा मसलमीन, भरहू खाता, मुमारिच नगर, खिदिरपुर, कटारी सहित 16 ग्राम पंचायतों में रोस्टर के अनुसार मंगलवार को सुबह 10 से दोपहर 12 तक ग्राम समाधान दिवस आयोजित किए जाने का रोस्टर जारी किया गया था। जिसके लिए अलग-अलग नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए थे। कई जगह पर नोडल अधिकारी, राजस्व कर्मी और ग्राम पंचायत अधिकारी मौजूद नहीं रहे। काफी दिनों बाद निर्धारित ग्राम पंचायतो में आयोजित हुआ समाधान दिवस कई जगह पर सिर्फ खाना पूर्ति तक ही सीमित रहा। भरहू खाता चौरे बजार में हाईवे के किनारे स्थित पंचायत भवन में चौरे बाजार पुलिस चौकी का कई दशक से संचालन एवं कब्जा होने से बाजार में एक छोटे किराए के कमरे में संचालित किए जा रहे पंचायत भवन पर खंड विकास अधिकारी हरिश्चंद्र सिंह की मौजूदगी मे ग्राम समाधान दिवस आयोजित हुआ। कमरे में जगह कम होने से फरियादी बाहर खड़े रहे। ग्राम प्रधान मथुरा प्रसाद गुप्ता ने बताया कि पंचायत भवन को पुलिस के कब्जे से खाली करने के लिए उनके द्वारा तहसील दिवस सहित उच्च अधिकारियों को शिकायत पत्र कई बार दिया जा चुका है। लेकिन कोई पहल नहीं हुई। मजबूरी बस किराए के कमरे में पंचायत भवन का संचालन कराया जा रहा है। इस दौरान समाधान दिवस में सिर्फ चार शिकायत आई। गांव निवासी अलीबुन निशा द्वारा 5 महीने से विधवा पेंशन न मिलने की शिकायत की गई। चंपा देवी और रेखा द्वारा प्रधानमंत्री आवास की मांग की गई। राम फेर द्वारा हैंडपंप मरम्मत की मांग की गई। खंड विकास अधिकारी द्वारा समस्या के निस्तारण का आश्वासन दिया गया। समाधान दिवस में सहायक विकास अधिकारी आईएसबी बद्रीनाथ पांडे, पंचायत सचिव यास्मीन बानो, पंचायत सहायक अंतिमा शुक्ला, रोजगार सेवक अमित कुमार मौजूद रहे। सोनबरसा मुसलमीन ग्राम पंचायत के पंचायत भवन पर आयोजित समाधान दिवस में ग्राम पंचायत अधिकारी अवधेश प्रताप सिंह, लेखपाल सुरेश शर्मा और प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद मोबीन और पंचायत कर्मी सफाई कर्मी, मौजूद रहे। लेकिन यहां पर नोडल अधिकारी नहीं पहुंचे थे। यहां समाधान दिवस में कोई शिकायत नहीं आई।

खिदिरपुर में आयोजित ग्राम समाधान दिवस में पंचायत सचिव राजेश चौधरी, प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र कमार, रोजगार सेवक निशा यादव, धीरज कुमार आदि मौजूद रहे। यहां आवास से संबंधित सिर्फ दो मांग पत्र आए। खंड विकास अधिकारी हरिश्चंद्र सिंह ने बताया कि पंचायत विभाग से संबंधित अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया है। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर परिसर में में नगर समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश पांडे राना, मनोज शर्मा, अधीक्षक डॉक्टर अवधेश कुमार सिंह और नगर पंचायत कर्मी मौजूद रहे।

अयोध्या में चार लाख से अधिक किसानों के खाते में पहुंची सम्मान निधि

अयोध्या। डबल इंजन की सरकार में किसानों के हित में तमाम योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्हीं में से एक किसान सम्मान निधि योजना भी है। सोमवार को इसकी 19वीं क़िस्त जारी की गई। इसके तहत जिले के 4 लाख 26 हजार 728 किसानों के खाते में 85 करोड़ 80 लाख रुपए भेजे गए हैं।खाते में सम्मान की धनराशि आते ही किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है। खेती किसानी में किसानों को लाभ प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की शुरुआत की गई थी। इसके तहत पंजीकृत किसानों को यह धनराशि आवंटित की जाती है। अब तक जिले में 18 बार किसानों को इस सम्मान निधि का लाभ मिल चुका है।

किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ

जिले में कृषि विभाग में पंजीकृत किसानों को ही यह सम्मान निधि प्रदान की जाती है। इस बार 19 वीं किस्त के रूप में करीब 85 करोड़ 80 लाख की धनराशि निर्गत की गई है। जिसके तहत 426728 किसानों के खाते में यह धनराशि भेजी गई है।

राष्ट्र के नवनिर्माण में योग महत्वपूर्णः प्रो0 शैलेन्द्र

- योग अभ्यासों को जीवन में उतारेः महिमा उपाध्याय
- पीएम उषा के सॉफ्ट कॉम्पोनेंट्स के अंतर्गत योग प्रतियोगिता सम्पन्न

अवधनामा संवाददाता

आयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान संस्थान में पीएम उषा के सॉफ्ट कॉम्पोनेंट्स के अंतर्गत आयोजित योग प्रतियोगिता बड़े ही उत्साह पूर्ण रीति से संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर शैलेंद्र वर्मा, संयोजक खेल एवं योग समिति, डॉ.राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में योग विशेषज्ञ महिमा उपाध्याय, आयुष विभाग आयुर्वेद चिकित्सालय कनीगंज अयोध्या एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो0 नीलम पाठक अधिष्ठाता छात्र कल्याण की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माता सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्चन से हुआ। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो0 शैलेंद्र ने कहा कि राष्ट्र के नवनिर्माण में योग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यौगिक अनुशासन शारीरिक एवं मानसिक रोगों की दर में कमी करके राष्ट्र के आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि योग जीवन के प्रत्येक क्षण का अभिन्न अंग होना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महिमा उपाध्याय ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग एक जीवन पद्धति है जो प्रत्येक मनुष्य के लिए परम आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यहां पर उपस्थित हर व्यक्ति को योग के अभ्यासों को अपने जीवन में उतारना अनिवार्य है क्योंकि उपदेश के स्थान पर आचरण से शिक्षा कहीं अधिक प्रभावित होती है। विशिष्ट अतिथि प्रो0 नीलम पाठक ने समस्त प्रतिभागियों को योग प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के डॉ0 अर्जुन सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन गायत्री वर्मा ने किया। इस योग प्रतियोगिता में डॉ0 अनिल मिश्रा डॉ. कपिल कुमार राणा, डॉ. अनुराग पांडेय, डॉ. त्रिलोकी यादव, स्वाति उपाध्याय, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. महेंद्र पाल व समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं संस्थान के समस्त विद्यार्थी मौजूद रहे।

अधिवक्ता संसोधन बिल को काला कानून बता अधिवक्ताओं ने की देश व्यापी हड़ताल

अयोध्या। सरकार द्वारा अधिवक्ता संशोधन बिल द्वारा 2025 को स्वायत्त व स्वतंत्रता पर प्रतिबंध मानते हुए अधिवक्ताओं द्वारा मंगलवार को देशव्यापी प्रदर्शन का आह्वान किया जिसके समर्थन में मिल्कीपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश पाण्डेय के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर से लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग 330 ए से होते हुए रजिस्ट्री कार्यालय तक प्रदर्शन किया। कहा कि सरकार धारा 4, धारा 9, धारा 35 ए, 26 ए, धारा 49 ए व धारा 49 ए(1) संशोधन कर अधिवक्ताओं की स्वतंत्रता पर नकेल कसने के लिए अधिवक्ता संसोधन बिल 2025 का मसौदा तैयार किया है।संशोधित बिल द्वारा भारत सरकार हमारे राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर मौजूद स्वायतसाषी संस्था बार काउंसिल आफ इंडिया व बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश का लोकतांत्रिक अस्तित्व एक ही झटके में समाप्त कर देना चाह रही है।

उर्मिला तिवारी का जमथरा घाट पर उनका हुआ अंतिम संस्कार

अयोध्या। जिले के वरिष्ठ पत्रकार व उपज के राष्ट्रीय महामंत्री त्रियुग नारायण तिवारी की पत्नी उर्मिला तिवारी का सोमवार की देर शाम निधन हो गया। वह 68 वर्ष की थी। एक दिन पूर्व ब्रेन स्टोक होने पर उन्हें अयोध्या के एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। जहां से रिफर होने पर लखनऊ के एक निजी चिकित्सालय में उनका इलाज चल रहा था। मंगलवार को शहर के जमथरा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। निधन के समाचार पर साहबगंज स्थित उनके आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। जमथरा घाट पर भी पहुंच कर बड़ी संख्या में लोगों ने परिवार से अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। उनके निधन पर पूर्व सांसद लल्लू सिंह, वरिष्ठ पत्रकार वीएन दास, रमाशरण अवस्थी, जेपी सिंह, नाथ बक्श सिंह, विवेकानंद पाठक, उपज के जिलाध्यक्ष कृष्ण मुरारी सिंह, महामंत्री अमित मिश्र, पूर्व मंत्री अनिल तिवारी, भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल, सुनील तिवारी शास्त्री, शक्ति सिंह, पूर्व विधायक जयशंकर पाण्डेय, अवध इंटरनेशनल के प्रबंधक अतुल सिंह, सहायक शासकीय अधिवक्ता रोहित पाण्डेय, सहित बड़ी संख्या में लोगों ने परिवार से मिल कर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की।

इंडियन कौंसिल आफ प्रेस के पदाधिकारियों ने जताया शोक

अयोध्या। वरिष्ठ पत्रकार त्रियुग नारायण तिवारी की पत्नी उर्मिला तिवारी के निधन पर इंडियन कौंसिल आफ प्रेस ने गहरा शोक व्यक्त किया है। इस अवसर पर स के संरक्षक कुशल चंद्र मिश्रा, प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव, महानगर अध्यक्ष राकेश सिंह, राजेंद्र दूबे, समीर शाही, बिस्मिल्लाह खान, राजेश सिंह, लव कुमार पांडेय, अंकित सेन, करण प्रजापति सहित अन्य पत्रकारों ने शोक संदेश व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की और उनके परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

मार्ग पर डाइवर्जन बैरीकेट से हो रही समस्या

मिठौरा (महराजगंज)। महराजगंज-निचलौल मुख्य मार्ग पर मिठौरा पोस्ट ऑफिस के सटे दक्षिण सड़क पर बिना कार्य के डायवर्जन का बोर्ड लगा कर बेरिकेटिंग कर दिया गया है। मुख्य हाइवे होने के कारण उक्त जगह पर कोई बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है।

जहां सबसे बड़ा खतरा दो पहिया वाहन चालकों की जो आए दिन गिट्टी पर फिसल कर चोटिल हो रहें। जहाँ राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है यहां के दर्जनों ग्राम वासियों एवं राहगीरों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि की 15 दिनों से सड़क पर बिना कोई कार्य के सड़क पर अवरोध कर दिया गया है।

महाशिवरात्रि की तैयारियों को लेकर एसपी ने मंदिर का किया दौरा

अवधनामा संवाददाता

महाराजगंज। जिले के कटहरा शिव मंदिर मेले की तैयारियाँ पूरी हो चुकी हैं। पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा ने मेले का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था के सख्त निर्देश दिए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं, साथ ही सीसीटीवी कैमरे और पुलिस बल तैनात किए गए हैं। यह मेला उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में से एक है, जहाँ हर वर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं।

मेले के दौरान, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। पुलिस प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष दल नियुक्त किए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। इसके अलावा, चिकित्सा सुविधाएँ और आपातकालीन सेवाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं। श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे मेले के दौरान प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और सहयोग करें, ताकि सभी के लिए यह धार्मिक आयोजन सुखद और सुरक्षित हो सके।

दो समुदाय के प्रेम प्रसंग विवाद में हिंसक झड़प, 20 घायल, एक गंभीर

आक्रोशित भीड़ ने पुलिस की गाड़ी फुंकी, कबाड़ की दुकान को किया आग के हवाले

अवधनामा संवाददाता

निचलौल (महराजगंज)। नवलपरासी नेपाल में दो समुदाय के प्रेम प्रसंग विवाद में हुई मारपीट में 20 लोग घायल हो गये, जिसमें एक की हालत गंभीर है। घटना की सूचना पर पहुंची महेशपुर चौकी पुलिस की वाहन को गुस्साई भीड़ ने आग के हवाले कर दिया। जिससे अफरा तफरी का माहौल हो गया। वहीं उग्र भीड़ ने कबाड़ की गोदाम में आगजनी कर दी जिससे गोदाम का रखा सारा सामान जल कर राख हो गया। मौके पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी से आग पर काबू पाया गया।

नवलपरासी जनपद के पाल्ही नंदन ग्रामीण नगर पालिका वार्ड नंबर 3 बेलासपुर में मंगलवार को रिश्ते में आए लड़का पक्ष व लड़की पक्ष के बीच किसी बात को लेकर नोंकझोंक हो गई. जो बाद में मारपीट में बदल गया। इस दौरान लड़के पक्ष के लोगों ने लड़की के रिश्तेदार के गोदाम में भी आग लगा कर उसे नष्ट कर दिया। जिससे लड़कीके रिश्तेदार का घर भी क्षतिग्रस्त हो गया। दिन सोमवार की शाम लड़के का बड़ा भाई बेलासपुर आया जहां मोहर्रम के बेटे सोवरती पावरिया सहित एक समूह ने उसकी पिटाई कर दी। दोनों गुटों के बीच झड़प तब शुरू हुई मंगलवार की सुबह लड़कों का गुट मोहर्रम के घर पहुंच कर पिटाई का कारण पूछने लगा। जिस पर आक्रोशित होकर लड़की पक्ष ने घर की छत से पथराव कर दिया। जिस पर जवाब में लड़के पक्ष द्वारा नीचे से पथराव शुरू कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब दोनों गुटों में मारपीट हो रही थी तो मोहर्रम के बेटे सोवरती ने लड़के गुट पर बेतरतीब पथराव शुरू कर दिया, जिसमें कार चला रहे दो लोग घायल हो गये। जिसके बाद आक्रोशित लड़कों के एक समूह ने कबाड़ की गोदाम में आग लगा दी। जिससे गोदाम धू धू कर करके जलने लगा। जिससे अफरा तफरी मच गया। जिसमें दो लोग घायल हो गये। घायलों में लड़के पक्ष के विजय धवल की हालत गंभीर है। पुलिस इंस्पेक्टर नारायण थापा ने बताया कि लड़के पक्ष के 45 वर्षीय बैजनाथ प्रसाद लोनिया को भी गंभीर चोट आई हैं। जिसकी हालत गंभीर होने से दोनों घायल युवकों के इलाज भैरहवा सिटी हॉस्पिटल में चल रहा है। सूचना अधिकारी थापा ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 5 राउंड आंसू गैस और 3 राउंड हवाई फायरिंग की गई. झड़प के दौरान 3 अन्य नागरिक भी घायल हो गए। घायल होने वाले अन्य लोगों में 11 नेपाली पुलिसकर्मी और एक इंस्पेक्टर समेत चार सशस्त्र पुलिसकर्मी हैं। सिर और सीने में चोट लगने से उनकी स्थिति सामान्य है। पुलिस ने बताया कि उनका इलाज पृथ्वीचंद्र हॉस्पिटल परासी में चल रहा है। आगजनी में शामिल चार महिलाओं समेत 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना में जांच पड़ताल जारी है। घटनास्थल पर स्थिति सामान्य है।

नरसिंह शोभायात्रा को लेकर तैयार हुई रूपरेखा

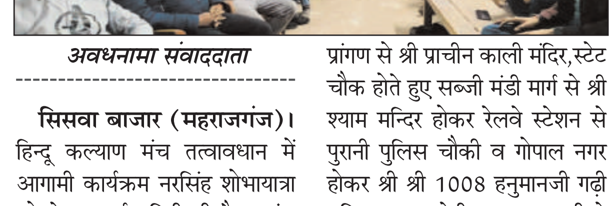

अवधनामा संवाददाता

सिसवा बाजार (महराजगंज)। हिन्दू कल्याण मंच तत्वावधान में आगामी कार्यक्रम नरसिंह शोभायात्रा को लेकर कार्यकारिणी की बैठक मंच सभागार सिसवा बाजार पर सोमवार को हुई। बैठक में होली महापर्व पर निकाली जाने वाली पारंपरिक नरसिंह शोभायात्रा की रूप रेखा तय किया गया एवम् जिम्मेदारियों को सभी कार्यकर्ताओ मे वितरण किया गया मंच के अध्यक्ष प्रमोद मद्धेशिया ने बताया कि मंच द्वारा होली पर्व पर निकाली जाने वाली नरसिंह शोभायात्रा इस वर्ष पहले से अधिक भव्य होगी, इस वर्ष शोभायात्रा का नेतृत्व के लिए महंत श्री शिवनारायण दास जी महाराज एवं महंथ श्री शंभू नाथ जी महाराज द्वारा किया जायेगा। शोभायात्रा पूर्व की भाँति इस वर्ष भी प्रातः 7 बजे श्री रामजानकी मन्दिर प्रांगण से श्री प्राचीन काली मंदिर,स्टेट चौक होते हुए सब्जी मंडी मार्ग से श्री श्याम मन्दिर होकर रेलवे स्टेशन से पुरानी पुलिस चौकी व गोपाल नगर होकर श्री श्री 1008 हनुमानजी गढ़ी मन्दिर तक जायेगी 7 पुनः वापसी मे गोपाल नगर चौराहे होकर अमरपुरवा होते हुए श्री रामजानकी मन्दिर पर समाप्त होगीद्य पूर्व की भाँति सभी लोगो से निवेदन है कि शोभायात्रा के स्वागत के लिए नगरवासी शोभायात्रा मार्ग पर मटकी बांधे जिसे शोभायात्रा के माध्यम से फोड़ा जायेगा द्य इस बैठक मे अमित पूरी, विकास जायसावाल, शंभु सोनी, नितेश कुमार श्रीवास्तव, रवि यादव, मोहन रौनियार, सोनू जायसावाल, रविराज जायसावाल, दीपक जायसावाल, अंकित लाठ, शुभम केडिया, आशीष अग्रवाल, आनंद श्रीवास्तव, उमेश जायसावाल, विशाल सिंह व अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे।

राजस्व वाद, कर-करेत्तर एवं वसूली के सम्बन्ध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता में राजस्व वाद, कर-करेत्तर एवं वसूली के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा सर्वप्रथम मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि जिन किसानों के नाम जमीन है व पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त हो गई है उनके लाभार्थियों के खाते में शीघ्र धनराशि प्रेषित कर दिया जाए।

जिलाधिकारी द्वारा निर्विवाद वरासत एवं राजस्व वादों के निस्तारण आदि की समीक्षा की गयी। निर्विवाद वरासत की कोई प्रकरण लम्बित न रहे समय सीमा के अन्दर निस्तारण करायें, राजस्व निरीक्षक/लेखपाल के स्तर पर लम्बित होने पर उनको नोटिस निर्गत करें। वरासत की शिकायत नहीं आनी चाहिए। यदि किसी तहसील की शिकायत प्राप्त होगी तो संबधित तहसीलदार के विरूद्ध कठोर कार्यवाई सुनिश्चित की जायेगी। समस्त उपजिलाधिकारी/ उपजिलाधिकारी न्यायिक, तहसीलदार/तहसीलदार न्यायिक, नायब तहसीलदार प्रत्येक दिन कोर्ट में बैठकर सभी वादो का निस्तारण करने का निर्देश दिया तथा आरसीएमएस पोर्टल पर सभी वादों के निस्तारण को फीड कराये तथा प्रतिदिन पोर्टल को चेक करे। 03 वर्ष के राजस्व के प्रकरणों का शत प्रतिशत निस्तारण करें। धारा 24 के वादो का निस्तारण कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व वादों के निस्तारण में अपेक्षित प्रगति न होने पर अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी। धारा 116 के प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराने का निर्देश दिया। फार्मर रजिस्ट्री एवं डिजिटल क्राप सर्वे में प्रगति लाने का निर्देश दिया। जो कामन सेन्टर कार्य नही कर रहे है उनके विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। अन्नपूर्णा भवन हेतु जहां पर भूमि नही है तथा विकास खण्ड वार फायर स्टेशन हेतु जमीन चिन्हित करें। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारी को नगर पालिका/नगर पंचायत की सम्पत्ति रजिस्टर बनाने का निर्देश दिया। सभी विभागो की वसूली बढ़ाकर लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके अलावा आबकारी, स्टाम्प कर, भू-राजस्व वसूली, व्यापार कर, वन विभाग, मण्डी समिति, खनन विभाग, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र तथा अन्य विभागों की समीक्षा की गयी तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) उमाशंकर, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी न्यायिक, समस्त तहसीलदार, समस्त तहसीलदार न्यायिक, नायब तहसीलदार, वरिष्ठ कोषाधिकारी रामेंद्र कुमार मौर्य,आरए, सी.आर.ए., एलआरसी, व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चोरों ने गैस एजेंसी में की दस लाख की चोरी

उरई (जालौन)। अज्ञात चोरों ने गैस एजेंसी को निशाना बनाकर गैस एजेंसी में रखे लाखों रुपए की नगदी चोरी कर लिए। गैस एजेंसी संचालक की सूचना पर कोतवाली पुलिस समेत एसओजी टीम और फोरेंसिक टीम ने मौके का मुआयना किया। प्राप्त विवरण के अनुसार जालौन कोतवाली क्षेत्र के लौना रोड पर जालौन गैस एजेंसी के नाम से इंडेन गैस् एजेंसी संचालित हो रही है। संचालक का कहना है कि गैस एजेंसी पर सिलिंडर की बिक्री के 9,43,420 रुपये रखे थे। रात में अज्ञात चोरों ने पहले गैस एजेंसी के ऑफिस का ताला तोड़ने का प्रयास किया। लेकिन जब वह इसमें सफल नहीं हुए तो चोर पीछे से ऑफिस की छत पर चढ़ गए। चोर छत के दरवाजे का कुंडा तोड़कर जीने के रास्ते नीचे आ गए और नीचे और एक ताला और सेफ के लॉकर का ताला तोड़ दिया। इसके बाद चोरों ने लॉकर में रखे सभी रुपये चोरी कर लिए और छत के रास्ते से ही बाहर निकल गए। सीसीटीवी फुटेज में घटना रात करीब दो बजे के आसपास की है। सुबह जब आफिस खुला तो चोरी की जानकारी हुई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई जल जीवन मिशन की बैठक

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने बैठक में उपस्थित जल निगम कार्यालय के अधिकारियों व जल जीवन मिशन के कार्यदायी संस्थावार प्रगति की जानकारी प्राप्त की गयी। जिलाधिकारी द्वारा निर्माण कार्य में धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी।

जिलाधिकारी द्वारा जनपद में कार्यदायी संस्था मेघा, जैक्शन तथा बीएसई इन्फ्रा को मैनपावर बढ़ाकर शीघ्र निर्माण कार्य में प्रगति लाकर गुणवत्तापूर्ण कराने का निर्देश दिया साथ ही साथ सभी घरों में कनेक्शन पहुचाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन, हर घर जल योजना जो जनता को पीने हेतु स्वच्छ जल अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नही होनी चाहिए जो कार्य ग्रामो में एजेंसियो द्वारा कराया जा रहा है प्रायः मेरे भ्रमण के दौरन गांवो में शिकायत मिली है कि पाइप जमीन में डालते समय गड्ढे खोदकर छोड़ दिये गये है और इंटरलांकिग संड़को को भी खोद दिया गया है इसे मानक के अनुरूप ठीक कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओ के प्रोजेक्ट मैनेजरो को निर्देश दिया कि अपने-अपने लक्ष्य के सापेक्ष कार्य में प्रगति लाकर लक्ष्य पूर्ण करें। यह सरकार की प्राथमिकता की योजना है। शासनादेश के अनुसार जल जीवन मिशन योजना में हर घर जल का कनेक्शन शत-प्रतिशत पूर्ण होने एवं ग्राम पंचायत कमेटी द्वारा सभी कार्य पूर्ण होने के पश्चात ही हैण्डओवर किया जायेगा। संबधित एजेंसी द्वारा जितने प्रोजेक्टो का कार्य जनपद में कर रही है उस कार्य के पूर्ण होने के उपरान्त 10 वर्षो तक देखरेख एवं संचालन एजेंसी द्वारा किया जायेगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जहां निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है वहां पानी की सप्लाई सुनिश्चित करायें। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त परियोजना निदेशक नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, कार्यदायी संस्थाओं के प्रोजेक्ट मैनेजर तथा अन्य संबधित कर्मचारी उपस्थित थे।

तालाब में मिली लावारिस लाश पुलिस ने पीएम के लिए भेजा

डुमरियागंज थाना क्षेत्र के कठौतिया गोकुल गांव के पश्चिम तालाब में मिली लाश

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के कठौतिया गोकुल गांव के तालाब में मंगलवार को एक अज्ञात युवक का शव मिला जिसकी उम्र करीब 18 साल लग रही है।सूचना पर पंहुंची डुमरियागंज पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकाल पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के कठौतिया गोकुल गांव के पश्चिम एक तालाब है,जो सैवाल से पटा है।दोपहर करीब तीन बजे गांव की एक महिला तालाब के बगल स्थित खेत से घास काटने गई थी। तालाब में दो कुत्तों को कुछ नोच कर खाते हुए आपस में लड़ रहे थे।कुत्तों को तालाब में लड़ते देख महिला करीब गई तो देखा कि एक युवक का लाश दिखा जिसे कुत्ते नोच रहे थे। तत्काल लाश की सूचना गांव वालों को दिया, गांव वालों इसकी सूचना डुमरियागंज पुलिस को दी। मौके पर पंहुची डुमरियागंज पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकाल कर पंचनामा करा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में इंचार्ज प्रभारी निरीक्षक डुमरियागंज राकेश कुमार मिश्र ने बताया कि शव का सिनाख्त इटवा थाना क्षेत्र के मैनहवा गांव निवासी सूफियान 18 वर्ष के रूप में हुई है, जिसका पंचनामा कर पीएम के लिए भेजा जा रहा है।

तहसील जालौन में स्थित मंदिर के रास्ते में पड़े मलवा हटवाने की मांग

उरई (जालौन)। जालौन तहसील परिसर में प्राचीन शिव मंदिर स्थित है। तहसील परिसर की बिल्डिंग क्षतिग्रस्त होने से शिवमंदिर तक पहुंचने के रास्ते की साफ सफाई व मलवा शिवरात्रि से पूर्व उठवाने मांग भक्तों ने एसडीएम से की है। तहसील परिसर की पुरानी बिल्डिंग में प्राचीन शिव मंदिर स्थित है। मान्यता है कि जालौन की शासिका ताई बाई इस प्राचीन शिव मंदिर में पूजा अर्चना करती थीं। तहसील परिसर का नया भवन बनने के बाद पुरानी बिल्डिंग बंद कर दी गई थी। लेकिन भक्त शिव मंदिर में पूजा अर्चना के लिए आते जाते रहे। इस मंदिर का जीर्णोद्धार भी पूर्व तहसीलदार बलराम गुप्ता द्वारा कराया गया था। बारिश के मौसम में पुराने तहसील भवन का एक हिस्सा गिरकर क्षतिग्रस्त हो गया था। बिल्डिंग का मलवा अंदर ही रहने से शिव मंदिर तक पहुंचने का रास्ता भी बंद हो गया था। हालांकि भवन में मलवे में से कुछ रास्ता बनाया गया है। लेकिन भक्तों को मंदिर परिसर तक पहुंचने में परेशान होना पड़ता है।

वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। स्थानीय विकास क्षेत्र के बयारा काजी स्थित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में वार्षिकोत्सव समारोह एवं प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार को किया गया। प्रतियोगिता में विजई प्रतिभागी बच्चों व उत्कृष्ट योगदान देने वाले बच्चों को खंड शिक्षा अधिकारी डुमरियागंज संजय कुमार द्वारा पुरस्कृत किया गया।

उत्कृष्ट योगदान देने वाले बच्चों को खंड शिक्षा अधिकारी ने किया पुरस्कृत

मुख्य अतिथि संबोधन में खंड शिक्षा अधिकारी डुमरियागंज संजय कुमार ने कहा कि विद्यालयों में तमाम बच्चे अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। प्रतिभा खोज प्रतियोगिता से निश्चित ही बच्चों का उत्साह बढ़ेगा तथा प्रतिस्पर्धा के लिए भी बच्चे तैयार होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सभी शिक्षक निपुण लक्ष्य पर ध्यान दे।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना व स्वागत गीत के साथ किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। विद्यालय की बालिकाओ ने नृत्य व डांस प्रस्तुत किया। अंत में बच्चों को खंड शिक्षा अधिकारी डुमरियागंज द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर एआरपी मुश्ताक अहमद, अरविंद कुमार, तिलक राम, तारिक मुस्तफा, अहमद सईद, जगदेव जायसवाल ग्राम प्रधान, परवेज आलम, संजय दत्त, अलाउद्दीन, सुमन देवी, साजिया उस्मानी, हरेंद्र, सुरजीत कुमार, दिलीप कुमार भारती, रिजवान अहमद, मिथिलेश, इंसाफ अली, अब्दुल रहमान अंसारी, मोहम्मद शमी आदि लोग मौजूद रहे।

राजधानी में हुई निकाय अध्यक्षगणों की बैठक

अवधनामा संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय अध्यक्ष एसोसिएशन उत्तर ने सोमवार 24 फरवरी 2025 को राजधानी लखनऊ के एक निजी होटल में स्थानीय निकाय अध्यक्षगणों के अधिकारों में एक बैठक की गई इस बैठक में प्रदेश सरकार द्वारा लगातार कटौती किया जाना बेहद दुभाग्यपूर्ण है और प्रदेश सरकार को इस दिशा में गम्भीरता से विचार करना चाहिए। उक्त उद्गार स्थानीय निकाय अध्यक्ष एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष देशराज सिंह ने राजधानी लखनऊ के एक होटल में आयोजित अध्यक्षगणों की एक बैठक को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नगर निकायों मे स्वकर प्रणाली लागू किये जाने से पूर्व निकाय अध्यक्षों से वार्ता करनी चाहिये थी। उन्होंने कहा कि स्वकर प्रणाली लागू होने से नगर की गरीब जनता पर अनावश्यक बोझ बढ़ेगा। क्षेत्र की गरीब जनता के हित को देखते हुए अध्यक्ष एसोशिएशन इस स्वकर प्रणाली के विरूद्ध हाईकोर्ट जा रहा है और पूरी उम्मीद है कि न्यायालय से उन्हे न्याय मिलेगा। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे नगर पालिका परिषद मऊ के अध्यक्ष अरशद जमाल ने कहा कि स्थानीय निकाय अध्यक्ष भी सरकार के ही एक अंग है और सरकार की जनकल्याण कारी योजनाओं के सफल संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है ऐसी दशा में अध्यक्ष व नगर निकायों की मजबूती के लिये सरकार को विचार करना चाहिये। उन्होंने यह भी निकायों का संचालन नियमावली के अनुसार ही होना चाहिये। जमाल ने कहा कि निकायों में बढ़ता प्रशासनिक हस्तक्षेप निकाय की स्वायत्ता के विरुद्ध है और इससे अनावश्यक भृष्टाचार बढ़ता है। बैठक को सम्बोधित करते हुये वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता गुप्ता ने कहा कि नगर निकाय अध्यक्षों का शोषण गलत है।

ब्लाक सभागार में प्रधानों के साथ बैठक

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। मंगलवार को डुमरियागंज ब्लाक सभागार में एसडीएम डॉ.संजीव दीक्षित के अध्यक्षता में प्रधानगण का फॉर्मर रजिस्ट्री अभियान एवं राजस्व प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान एसडीएम डॉ0 संजीव दीक्षित ने कहा कि सभी ग्राम प्रधान गांव वालों को फार्मर रजिस्ट्री से होने वाले फायदे के बारे में किसानों को बताने के साथ ही रजिस्ट्री में तेजी लाने का निर्देश दिया। एसडीएम डॉ.संजीव दीक्षित ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री कराने वाले किसानों को खाद, बीज के अनुदान, केसीसी, धान, गेहूं के बिक्रय के लिए सत्यापन, पीएम किसान सम्मान निधि आदि सहित लाभ किसान आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। जो किसान फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराएंगे वे उक्त योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकते हैं। एसडीएम ने बताया कि सभी ग्राम प्रधान अपने ग्राम पंचायतों में किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के लिए जागरूक करते हुए रजिस्ट्री में तेजी लाएं। फॉर्मर रजिस्ट्री में आ रही समस्याओं और उनके निराकरण के संबंध में उपजिलाधिकारी द्वारा विस्तार से बताया गया। खंड विकास अधिकारी डुमरियागंज कार्तिकेय मिश्र ने बताया कि ग्राम प्रधान किसानों को जागरूक करें। अगर किसी सहज जन सेवा केंद्र के संचालकों के द्वारा फार्मर रजिस्ट्री के लिए किसानों को परेशान किया जाता है या फिर अधिक पैसा वसूल करता है तो इसकी सूचना तत्काल दें। बैठक के दौरान एडीओ पंचायत अमित त्रिपाठी सहित विकास खंड के विभिन्न ग्राम प्रधान उपस्थितरहे।

ज़िला व महिला अस्पताल मे लिफ्ट की सुविधा शुरू

अंबेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। कई महीनों से बंद जिला और महिला अस्पताल की लिफ्ट का संचालन सोमवार को शुरू हो गया। अब मरीजों को पहले व दूसरे तल पर आने-जाने में राहत मिल सकेगी। पिछले कई दिनों से जिला अस्पताल के साथ ही महिला विंग की लिफ्ट खराब थी। ऐसे में मरीजों को सीढ़ियां चढ़कर आना-जाना पड़ता था। अस्पताल की खराब लिफ्ट को लेकर मीडिया ने रविवार के अंक में जिला व महिला अस्पताल में हांफ रही लिफ्ट, सीढ़ियां चढ़ने में मरीजों का फूल रहा दम... शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। इसके बाद नींद से जागे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को लिफ्ट सही करा दी। अब मरीजों खासकर गर्भवतियों को काफी सहूलियत मिलने लगी है।सोमवार को जिला अस्पताल आए लोगों ने लिफ्ट का प्रयोग किया। शहजादपुर के अनुज वर्मा ने बताया कि वह अपनी भाभी का उपचार कराने महिला विंग में आए थे। लिफ्ट चालू होने से मरीज को काफी सहूलियत मिली। टांडा के रोशन कुमार ने बताया कि उनके रिश्तेदार काफी बीमार थे। चिकित्सक ने भर्ती करने के लिए कहा। लिफ्ट से मरीज को वार्ड में ले जाकर भर्ती कराया। लिफ्ट नहीं होती तो उन्हें गोद में उठाकर ले जाना पड़ता।

सूचना

मैं मोहसिन रजा निवासी 119/017 डॉ. सूजा रोड लालबाग, लखनऊ मैंने अपनी पुत्री का नाम लैबा रजा (LAIBA RAZA) से बदलकर मरज़िया फात्मा रजा (MARZIYA FATIMA RAZA) रख लिया है। भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

सीएमओ ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोटन का औचक निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

लोटन सिद्धार्थनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोटन बाजार मे मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी आरके चौरसिया अचानक निरीक्षण करने पहुंच गये। पहुंचते ही स्पताल मे हडकम्प मच गया।

उन्होंने इमेरजेंसी वार्ड, दवा वितरण काउंटर, वार रूम, नव जात शिशु रुम,लेबर रूम पैथोलॉजी, उपस्थित पंजिका रजिस्ट्र को देखा । निरीक्षण के बाद चल रहे सीएचओ मीटिंग का भी औलोकन किया और जानकारी ली। लेबर रूम मे पहुंच कर वहां मौजूद लोगों से अस्पताल से मिलने वाले लाभ के बारे जानकारी ली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोटन के कैम्पस में चल रहे नसबंदी कैम्प का भी निरीक्षण किया। किसी तरह की शिकायत मिली तो कार्यावाही की जायेगी। उन्होंने मौजूद स्टाफ से कहा साफ सफाई की व्यवस्था सही होना चाहिए गंदगी से काफी बिमारी फैलने की आशंका बनी रहती है। नव निर्मित बाउंड्री वॉल का निरीक्षण किया और कहा की गुणवत्ता में कोई भी कमी नही होनी चाहिए।

कर्मा ग्राम पंचायत मे पहुंच कर टीकाकरण स्थल पर पहुंचे कर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक अमित कुमार चौधरी, डा मनीष जायसवाल, डा धीरेन्द्र चौधरी, बी सी पी एम रमाकांत चतुर्वेदी, आवेश श्रीवास्तव, फार्मासिष्ट सत्य प्रकाश चौधरी, राजेश पाण्डेय, संतोष कुमार जायसवाल, विवेक द्विवेदी, अजीज अहमद, सुधीर सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि में पंचनद पर जुटेंगे हजारों श्रद्धालु

उरई (जालौन)। महाशिवरात्रि के अवसर पर पंचनद संगम तीर्थ में श्रद्धालुओं व स्नानार्थियों की अपार भीड़ जुटने की संभावना है। पंचनद संगम जनपद जालौन, इटावा औरैया की सीमाओं के बीच अनेक धार्मिक एवं पौराणिक शिव मंदिरों का शिवतीर्थ है। जनपद जालौन की सीमा में पंचनद पर बने श्री बाबा साहब (श्री मुकुंदवन) मंदिर पर पांच मंदिरों में बना पहला शिव जी को समर्पित मंदिर जिसमें विराजमान शिवलिंग हजारों वर्ष पुराना है । मान्यता है कि अथर्ववेद का भाष्य करने वाले महामुनि अथर्व ऋषि शिव भक्त थे और वह भी इसी शिवलिंग की पूजा अर्चना कर शिवोपासना करते थे। पंचनद के इस मंदिर में अब तक के संत व महंत जूना अखाड़ा के ऋषि रहे हैं। वर्तमान में भी यह मंदिर एवं यहां के महंत जूना अखाड़ा से संबद्ध है। यहां के सिद्ध संत मुकुंदवन (बाबा साहब) के नाम की बड़ी महत्वता है। आसपास 50 कोस के लोग श्री मुकुंद वन (बाबा साहब) को अपना गुरु एवं पंचनद के इस आश्रम को अपना गुरुद्वारा मानकर प्रति त्यौहार एवं धार्मिक पर्व में गुरुद्वारे पर आना अपना कर्तव्य मानते हैं।

पीएम श्री कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय औरेखी में जिलाधिकारी ने स्मार्ट बोर्ड का शुभारंभ किया

अवधनामा संवाददाता

उरई(जालौन)। पीएम श्री कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय औरेखी में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी की मौजूदगी में स्मार्ट बोर्ड और स्टडी लर्निंग टेबल का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने बच्चों को स्मार्ट इंटरेक्ट बोर्ड एवं स्टडी लर्निंग टेबल से बच्चों को बहुत ही रोचक ढ़ंग से पढ़ाया एवं डिजिटल कंटेंट द्वारा गतिविधियां कराई गई जिसको बच्चों ने उत्साह पूर्वक सीखा। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि पीएम श्री विद्यालय भी विश्व लेवल की मूलभूत सुविधाओं से संतृप्त होंगे और मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित होगें।

सभी उपस्थित अभिभावकों को भी बच्चों की शिक्षा के बारे में प्रोत्साहित किया और अधिक से अधिक बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने और हर बच्चे को पढ़ने के भरपूर अवसर प्रदान करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनपद अब तक पीएम श्री विद्यालय टिकरी मुस्तकिल, पीएम श्री विद्यालय औरेखी, पीएम श्री विद्यालय गरेंही,पीएम श्री विद्यालय पडरी, पीएम श्री विद्यालय सरसेला, पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय गोवर्धनपुर, पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय बरखेड़ा, पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय कदौरा, पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय विजदुआ, पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय छिरिया सलेमपुर, पीएम श्री राधा कृष्णा प्राइमरी विद्यालय उरई, पीएम श्री इस्लामिया मोहम्मदबाद, पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय सरावन है। जिसमे बच्चों को खेल खेल में बेहतर सीखने को मिलेगा। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी जालौन प्रीति राजपूत, डीसी निर्माण सौरभ पांडे, डीसी ट्रेनिंग और गुणवत्ता विश्वनाथ दुबे और डीसी सामुदायिक सहभागिता एस डी चौधरी, अमित गुप्ता एआर पी और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्याम बाबू, रजक और अभिभावकों में राजेंद्र प्रसाद, लल्लू राम, जयप्रकाश, राघव राम, राहुल, प्रकाश पंचाल ,कल्याण, जसवंत, गोकुल प्रसाद, कमल वर्मा आदि उपस्थित रहे।

शारदा संगोष्ठी व वार्षिक उत्सव मनाया गया

जलालपुर अंबेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय नत्थूपुर खुर्द भियांव अंबेडकर नगर में शारदा संगोष्ठी एवं भव्य वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान श्री राजेंद्र प्रसाद सिंह ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। छात्र,छात्राओं ने स्वागत गीत के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।गीत संगीत और नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। खेलकूद प्रतियोगिता में भी बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ग्राम प्रधान श्री राजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों का उत्साह बढ़ता है।विद्यालय प्रधानाध्यापक अरशद कमाल ने स्कूल न आने वाले बच्चों के अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आग्रह किया। एसएमसी अध्यक्ष सीमा मौर्या ने ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की प्रतिभा को सराहा और कहा कि इन्हें बस अवसर की जरूरत है।कार्यक्रम में शिक्षा के प्रति रुचि जगाने के लिए प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार और शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ जफर अब्बास,सपना कुमारी,प्रतिमा सिंह,प्रियंका मौर्या,रामावती देवी,रोजगार सेवक प्रदीप कुमार,अनीता देवी, बृजबाला,विमला,गीता देवी, नर्मदा देवी एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

गन्ना लदे ट्राला बीच सड़क में पलटा घंटों जाम रहा रामकोला पडरौना मार्ग

धर्म समधा गांव के निकट पलटा गन्ना लदा ट्राला

कुशीनगर अवधनामा ब्यूरो। पडरौना-रामकोला मार्ग एनएच 730 पर अवैध रूप से गन्ना ढुलाई कर रहा ट्रैक्टर ट्राला बीच सड़क में ही पलट गया जिससे आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया। दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी लाईन लग गई जिससे लोगों में अफरा तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची रामकोला पुलिस ने घंटों मशक्कत के बाद आवागमन को चालू कराया गया। मंगलवार दोपहर लगभग ढाई बजे एनएच 730 पर धर्म समधा गांव के निकट हाट मिक्स प्लांट के पास अवैध तरीके से गन्ना ढुलाई कर रहा ट्रैक्टर ट्राला अचानक बीच सड़क में पलट गया। कोई हताहत तो नहीं लेकिन आवागमन घंटो बंद रहा। देखते ही देखते दोनों तरफ से करीब एक किमी तक भरी जाम लग गया। घटना की सूचना मिलते ही रामकोला थाना प्रभारी आनंद कुमार गुप्ता मय टीम पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद जेसीवी मशीन के माध्यम से सड़क को खाली करा कर आवागमन चालू करवाया। जाम में फंसे लोगों का कहना है कि यह ट्राला अवैध तरीके से गन्ना ढुलाई कर रहा है और अधिकारियों के कान पर जू तक नहीं रेंग रहा है। गनीमत है कि यह घटना शहर से बाहर हुआ है जिसके चलते कोई हताहत नहीं हुआ। अगर यह शहर में आबादी के बीच होता तो बड़ी घटना हो सकती थी। अगर प्रशासन चेता नही तो यह गन्ना ढुलाई कर रहे ट्रैक्टर ट्राला किसी बड़ी घटना का कारण बन जायेगे।

न्यायालय सूचना

सिद्धार्थनगर

जिलाधिकारी / कलेक्टर — दिनांक 5 फरवरी, 2025

पत्रांक 375/रीडर/2025

वाद संख्या 235/2024

(कम्प्यूटरीकृत वाद सं0 D202417630000235)

सरकार — अन्तर्गत धारा 47ए. सहपठित धारा 35/33 व 40

बनाम — भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899

मो0 मुख्तार खान

1. मोहम्मद मुख्तार खान पुत्र अब्दुल मोइद खान साकिन महदेईया सिरसिया पो0 महदेइ्या स्टेट तहसील उतरौला जिला बलरामपुर।
2. श्री फिरोज अहमद पुत्र आस मोहम्मद साकिन गुलवरिया माफी पो0 श्रीदत्तगंज तहसील उतरौला जिला बलरामपुर।

उप निबन्धक इटवा जनपद सिद्धार्थनगर के पत्रांक 122/4/उ0नि0/2023-24 दिनांक 28 नवम्बर, 2023 की आख्यानुसार आन्तरिक तकनीकी परीक्षण प्रकोष्ठ प्रयागराज के निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या 923 (1-2) दिनांक 05.10.2023 में इंगित विलेख संख्या 3858/2023 अनुपालन के अनुसार उक्त विलेख में कभी स्टाम्प शुल्क रू0 5,31,300/- तथा कमी निबन्धन शुल्क रू0 1,06,260/- है।

अतः आप दिनांक 25.03.2025 को 12.00 बजे दिन में न्यायालय जिलाधिकारी /कलेक्टर, सिद्धार्थनगर पर निश्चित रूप से उपस्थित होकर कारण बतायें कि क्यों न आपसे कमी स्टाम्प शुल्क व निबन्धन शुल्क एवं अर्थदण्ड तथा निष्पादन के दिनांक से वास्तविक अदायगी के दिनांक तक संगणित स्टाम्प शुल्क की कमी की रकम पर 1.5 प्रतिशत प्रतिमाह की दर से साधारण ब्याज वसूल किया जाय। अगर उक्त तिथि को आप उपस्थित नहीं होंगे तो यह समझा जायेगा कि आपको इस वाद के सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है। ऐसी दशा में कमी स्टाम्प शुल्क व निबन्धन शुल्क एवं अर्थदण्ड तथा ब्याज की वसूली हेतु एकपक्षीय आदेश पारित कर दिया जायेगा।

जिलाधिकारी/कलेक्टर
सिद्धार्थनगर।

एक त्रासद तबाही का युद्ध

24 फरवरी को रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन युद्ध अभी जारी है। रूस ने ऐसे प्रतिरोध की कल्पना भी नहीं की होगी। हालांकि अब समझौते, शांति और संवाद की एकतरफा कोशिशें भी की जा रही हैं। अमरीका-रूस के विदेश मंत्री स्तर के प्रतिनिधिमंडल ने सऊदी अरब में बातचीत की है। यूक्रेन और यूरोप को इस संवाद से बाहर ही रखा गया है। क्या यूक्रेन की संप्रभुता और स्वतंत्र अस्तित्व को नकारा गया है? क्या यूक्रेन की सहमति के बिना कोई युद्ध-समझौता हो सकता है? यूक्रेन का संकट बढ़ता जा रहा है, क्योंकि अमरीका में राष्ट्रपति ट्रंप के सत्तासीन होने के बाद उसने यूक्रेन की मदद करने से साफ इंकार कर दिया है। यूरोप अब यूक्रेन की सैन्य, आर्थिक मदद को लेकर विभाजित हो गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का सरोकार इतना है कि शांति स्थापित हो और यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाया जाए, तो वह राष्ट्रपति पद छोडने को तैयार हैं। रूस का साम्राज्यवादी रुख रहा है। इसी आधार पर उसने यूक्रेन पर आक्रमण कर युद्ध छेड़ा था। रूस की सोच है कि यूक्रेन को संप्रभु देश होने का कोई अधिकार नहीं है। तो फिर इस युद्ध का निष्कर्ष क्या होगा? हमारा मानना है कि इस युद्ध में न तो कोई विजेता है और न ही कोई पराजित है। बल्कि रूस-यूक्रेन दोनों ही हारे हैं, क्योंकि दोनों ही देशों में विध्वंस, तबाही व्यापक स्तर पर हुई है। दोनों ही देशों को यह अनुभव हो गया होगा कि युद्ध की परिणति क्या होती है? युद्ध भी एक नए किस्म की निरंतर राजनीति का प्रतिरूप है। इस संदर्भ में ट्रंप, पुतिन, मोदी और यूरोपीय देश अपनी राजनीति के मोहरे चल रहे हैं।

बहरहाल यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे अधिक त्रासद् तबाही वाला युद्ध साबित हुआ है। तबाही रूस और यूक्रेन दोनों पक्षों में हुई है। दोनों के करीब 2.5 लाख लोग मारे गए हैं। उनमें अधिकतर सैनिक थे। करीब 68.5 लाख यूक्रेनी शरणार्थी यूरोपीय देशों में हैं। करीब 1 करोड़ यूक्रेनी बेघर हुए हैं। उसके 8 लाख सैनिक घायल बताए जा रहे हैं। उनका इलाज कैसे होगा? बेघर होने वालों में करीब 20 लाख बच्चे भी हैं। यूक्रेन का 20 फीसदी जमीनी हिस्सा खो चुका है। 2024 में यूक्रेन का 4168 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र रूस ने कब्जा लिया। यूक्रेन के 10 बड़े शहर 'खंडहर' हो चुके हैं। रूस को भी कुल 109 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। उसके 20 से अधिक पोत यूक्रेनी हमलों के कारण 'काला सागर' में डूब चुके हैं। रूस के बख्तरबंद वाहन, टैंक आदि भी तबाह हुए हैं। युद्ध के कारण ही रूस के औसत जीवन-स्तर में 35 फीसदी की गिरावट आई है। तो किस आधार पर रूस खुद को युद्ध का विजेता घोषित कर सकता है? बेशक युद्ध को समाप्त कराने के प्रयास प्रधानमंत्री मोदी के अलावा राष्ट्रपति ट्रंप ने भी किए हैं, लेकिन ट्रंप 'शांति का नोबेल पुरस्कार' हासिल करने के मद्देनजर ऐसे भेदभावपूर्ण प्रयास न करें। संवाद की मेज पर दोनों देशों के प्रतिनिधि उपस्थित होने चाहिए।

जगत कल्याण के प्रतीक हैं शिव

बलदेव राज भारतीय

आज महाशिवरात्रि है। हिंदू दर्शन में यह एक बहुत बड़ा पर्व है। इस संपूर्ण जगत की महिमा एक वाक्य में निहित है, और वह वाक्य है- सत्यमशिवमसुंदरम। अर्थात इस जगत में जो सत्य है वही शिव है और जो शिव है वही सुंदर है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि इस संपूर्ण सृष्टि में शिव ही शिव व्याप्त हैं। वह केवल एक देवता नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं, जो जीवन को कल्याण की ओर अग्रसर करती है। शिव का अर्थ ही 'कल्याण' है। वे सृजन और संहार दोनों के प्रतीक हैं, वे आदियोगी हैं, जो ध्यान, योग, शुद्धता और आत्मज्ञान के सर्वोच्च स्वरूप हैं। उनके समान अन्य कोई नहीं। किन्तु वर्तमान समय में, शिव की भक्ति के नाम पर अनेक भ्रांतियों और अंधविश्वासों को जन्म दे दिया गया है। विशेष रूप से भांग, धतूरा से संबद्ध करते हुए नशे की लत को शिव के साथ जोड़ना उनकी वास्तविकता से पूर्णतः विपरीत है। शिव, जिन्होंने स्वयं विष को कंठ में धारण कर संपूर्ण ब्रह्मांड की रक्षा की, वे किसी भी प्रकार के नशे को प्रोत्साहित करने वाले कैसे हो सकते हैं?

शास्त्रों के अनुसार, समुद्र मंथन के समय जब हलाहल विष उत्पन्न हुआ, तो देवताओं और असुरों में से कोई भी उसे धारण करने के लिए तैयार नहीं हुआ। तब शिव ने करुणा और विश्व-कल्याण की भावना से उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। इस कारण उनका कंठ नीला पड़ गया और वे 'नीलकंठ' कहलाए। यह कथा हमें यह सिखाती है कि शिव वह आदर्श हैं, जो संसार के कल्याण के लिए स्वयं कष्ट सहने को तत्पर रहते हैं। वे समर्पण, त्याग और आत्मसंयम के प्रतीक हैं, न कि नशे और असंयम के। आज के समय में, कुछ लोग शिव की भक्ति के नाम पर भांग, धतूरा और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं और इसे धार्मिक मान्यता देने की कोशिश करते हैं। यह एक गंभीर सामाजिक विकृति है। शिव, जो योग, ध्यान और आत्मशुद्धि के प्रतीक हैं, उनके साथ नशे को जोड़ना उनके मूल स्वरूप का अपमान है।

शिव तांडव करते हैं, किन्तु यह नशे का तांडव नहीं, बल्कि सृजन और संहार का प्रतीक है। वे समाधिस्थ होते हैं, किन्तु यह नशे में डूबने की स्थिति नहीं, बल्कि पूर्ण आत्मजागरण की स्थिति है। उनका वैराग्य, त्याग और तपस्या हमें अनुशासन सिखाती है, न कि भोग-विलास और नशे की ओर ले जाती है। उनकी जगत कल्याण की भावना को ध्यान में न रखकर युवाओं का नशे की ओर उन्मुख होना न केवल भक्ति का अपमान है, बल्कि यह हिंदू दर्शन के विश्वास को भी काफी हद तक नुकसान पहुंचाता है। नशे की लत समाज को खोखला कर रही है। यह न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि उसके परिवार और समाज पर भी बुरा प्रभाव डालती है। युवा वर्ग, जो देश का भविष्य है, यदि वह नशे की गिरफ्त में आ जाता है, तो यह समाज और राष्ट्र दोनों के लिए हानिकारक है। नशे के सेवन से अपराध दर में वृद्धि होती है, पारिवारिक संबंध बिगड़ते हैं, और समाज में नैतिक पतन होता है। यदि शिव को सही अर्थों में समझा जाए, तो वे हमें नशे से दूर रहने और संयम का पालन करने और परोपकार तथा जनकल्याण की भावना की प्रेरणा देते हैं।

धर्म का वास्तविक अर्थ है आत्मसंयम, आत्मज्ञान और लोक कल्याण। शिव हमें यह सिखाते हैं कि ध्यान और योग के माध्यम से अपनी ऊर्जा को नियंत्रित किया जाए और जीवन को सार्थक दिशा दी जाए। उनके त्रिशूल का अर्थ है- इच्छा, क्रोध और मोह पर विजय। उनका डमरू सृष्टि की अनंत ध्वनि का प्रतीक है, जो हमें आत्मचिंतन की ओर प्रेरित करता है। वे हमें यह नहीं सिखाते कि हम अपनी चेतना को नशे के माध्यम से नष्ट करें, बल्कि वे हमें यह सिखाते हैं कि हम अपनी चेतना को उच्च स्तर पर ले जाएं। यदि हम वास्तव में शिव के भक्त हैं, तो हमें उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारना चाहिए। हमें नशे का परित्याग कर योग, ध्यान और सत्कर्मों को अपनाना चाहिए। शिव स्वयं आदियोगी हैं, जो योग के जनक माने जाते हैं। उनकी भक्ति का वास्तविक अर्थ है आत्मसंयम और मनोवैज्ञानिक संतुलन। योग और ध्यान के माध्यम से हम अपनी ऊर्जा को सही दिशा में केंद्रित कर सकते हैं। शिव की भक्ति का सही अर्थ केवल मंदिरों में जाकर जल अर्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में अपनाना है। हमें अपने युवाओं को यह समझाना होगा कि शिव की भक्ति का अर्थ नशा करना नहीं, बल्कि आत्मसंयम और आत्मविकास करना है। यदि हम शिव के वास्तविक स्वरूप को समझें और उनके बताए मार्ग पर चलें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन सुधरेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

प्रयागराज में महाकुंभ का समापन महाशिवरात्रि के पवित्र एवं चमत्कारी स्नान के साथ होगा। ग्रहों और नक्षत्रों के विशेष संयोग के चलते इस बार की शिवरात्रि बेहद पुण्यदायक बताई जा रही है। प्रयागराज महाकुंभ में तो इसका महत्व और भी कई गुना बढ़ गया है। महाकुंभ में महाशिवरात्रि पर बेहतर विशेष संयोग बन रहे है। इस बार सूर्य का चुंबकीय प्रभाव बहुत ही दिव्य है। ऐसा दैवीय संयोग सैकड़ो सालों के बाद बन रहा है। इस बार की महाशिवरात्रि पर चतुर्ग्रहीय योग बन रहा है।

शिवरात्रि है शिव से साक्षात्कार का महापर्व

ललित गर्ग

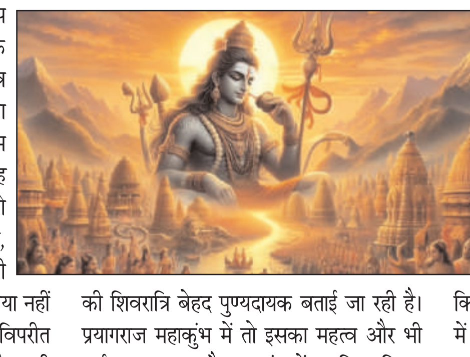

आदि देव महादेव शिव सभी देवताओं में सर्वोच्च हैं, महानतम हैं, दुःखों को हरने एवं पापों का नाश करने वाले हैं। वे कल्याणकारी हैं तो संहारकर्ता भी हैं। वे आशुतोष है तो भोले शंकर भी है, एक ओर जन-जन के आदर्श है तो दूसरी ओर साधकों के साधक। भगवान शिव भोले भण्डारी है और जग का कल्याण करने वाले हैं। भगवान शिव आदिदेव है, देवों के देव है, महादेव हैं। सत्यं शिवं सुन्दरम् के प्रतीक शिव और उनकी रात्रि, जन-जन के जागरण की महाशिवरात्रि प्रतिवर्ष फाल्गुण मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनायी जाती है, जो शिवत्व का जन्म दिवस है। यह शिव से पार्वती के मिलन की रात्रि का सुअवसर है। इसी दिन निशीथ अर्धरात्रि में शिवलिंग का प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिये यह पुनीत पर्व सम्पूर्ण देश एवं दुनिया में उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाता है। यह पर्व सांस्कृतिक एवं धार्मिक चेतना की ज्योति किरण है, जो शिव से एकाएक होने की चरम साधना का उत्कर्ष है। इससे जीवन एवं जगत में प्रसन्नता, गति, संगति, सौहार्द, ऊर्जा, आत्मशुद्धि एवं नवप्रेरणा का प्रकाश परिव्याप्त होता है। यह पर्व जीवन के श्रेष्ठ एवं मंगलकारी व्रतों, संकल्पों तथा विचारों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

शिवरात्रि जागृति का पर्व है। जिसमें आत्मा का शिव से मिलना होता है। यह आत्म स्वरूप को जानने की रात्रि है। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का दुर्लभ आध्यात्मिक अनुभव है। यह स्वयं के भीतर जाकर अथवा अंतश्चेतना की गहराइयों में उतरकर आत्म साक्षात्कार करने का प्रयोग है। यह आत्मयुद्ध की प्रेरणा है, क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही जीवन की सच्ची जीत है, शिवत्व की प्राप्ति है। काल के इस क्षण की सार्थकता शिवमय हो जाने में है। शक्ति माया नहीं है, मिथ्या नहीं है, प्रपंच नहीं है। इसके विपरीत शक्ति सत्य है। जीव और जगत भी सत्य है। सभी तत्वतः सत्य हैं। सभी शिवमय हैं। शिवरात्रि भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है, संयम की, त्याग की, भक्ति की, संतुलन की। सुविधाओं के बीच रहने वालों के लिये सोचने का अवसर है कि वे आवश्यक जरूरतों के साथ जीते हैं या जरूरतों से ज्यादा आवश्यकताओं की मांग करते हैं। इस शिवभक्ति एवं उपवास की यात्रा में हर व्यक्ति में अहंकार नहीं, बल्कि शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है। यह तपस्या स्वयं के बदलाव की एक प्रक्रिया है। यह प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा है। इसमें भौतिक परिणाम पाने की महत्वाकांक्षा नहीं, सभी चाहों का संन्यास है।

प्रयागराज में महाकुंभ का समापन महाशिवरात्रि के पवित्र एवं चमत्कारी स्नान के साथ होगा। ग्रहों और नक्षत्रों के विशेष संयोग के चलते इस बार की शिवरात्रि बेहद पुण्यदायक बताई जा रही है। प्रयागराज महाकुंभ में तो इसका महत्व और भी कई गुना बढ़ गया है। महाकुंभ में महाशिवरात्रि पर बेहतर विशेष संयोग बन रहे है। इस बार सूर्य का चुंबकीय प्रभाव बहुत ही दिव्य है। ऐसा दैवीय संयोग सैकड़ो सालों के बाद बन रहा है। इस बार की महाशिवरात्रि पर चतुर्ग्रहीय योग बन रहा है। इसमें शिवयोग भी शामिल है। महाशिवरात्रि पर शिवयोग बेहद फलदायक और कल्याणकारी होता। महाकुंभ विश्व के सबसे बड़े, प्राचीन और धार्मिक उत्सवों में एक है। शिव शक्ति के प्रतीक ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ काल में हुआ था। शिव पुराण के अनुसार सृष्टि के आरंभ में ब्रह्मा ने इसी दिन रुद्र रूपी शिव को उत्पन्न किया था। शिव एवं हिमालय पुत्री पार्वती का विवाह भी इसी दिन हुआ था। अतः यह शिव एवं शक्ति के पूर्ण समरस होने की रात्रि भी है। वे सृष्टि के सर्जक हैं। वे मनुष्य जीवन के ही नहीं, सृष्टि के निर्माता, पालनहार एवं पोषक हैं। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई।

सृष्टि के कल्याण हेतु जीर्ण-शीर्ण वस्तुओं का विनाश आवश्यक है। इस विनाश में ही निर्माण के बीज छुपे हुए हैं। इसलिये शिव संहारकर्ता के रूप में निर्माण एवं नव-जीवन के प्रेरक भी है। सृष्टि पर जब कभी कोई संकट पड़ा तो उसके समाधान के लिये वे सबसे आगे रहे। जब भी कोई संकट देवताओं एवं असुरों पर पड़ा तो उन्होंने शिव को ही याद किया और शिव ने उनकी रक्षा की। समुद्र-मंथन में देवता और राक्षस दोनों ही लगे हुए थे। सभी अमृत चाहते थे, अमृत मिला भी लेकिन उससे पहले हलाहल विष निकला जिसकी गर्मी, ताप एवं संकट ने सभी को व्याकुल कर दिया एवं संकट में डाल दिया, विष ऐसा की पूरी सृष्टि का नाश कर दें, प्रश्न था कौन ग्रहण करें इस विष को। भोलेनाथ को याद किया गया गया। वे उपस्थित हुए और इस विष को ग्रहण कर सृष्टि के सम्मुख उपस्थित संकट से रक्षा की। उन्होंने इस विष को कंठ तक ही रखा और वे नीलकंठ कहलाये। इसी प्रकार गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिये भोले बाबा ने ही सहयोग किया। क्योंकि गंगा के प्रचंड दबाव और प्रवाह को पृथ्वी कैसे सहन करें, इस समस्या के समाधान के लिये शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को समाहित किया और फिर अनुकूल गति के साथ गंगा का प्रवाह उनकी जटाओं से हुआ। ऐसे अनेक सृष्टि से जुड़े संकट और उसके विकास से जुड़ी घटनाएं हैं जिनके लिये शिव ने अपनी शक्तियों, तप और साधना का प्रयोग करके दुनिया को नव-जीवन प्रदान किया। शिव का अर्थ ही कल्याण है, वही शंकर है, और वही रुद्र भी है। शंकर में शं का अर्थ कल्याण है और कर का अर्थ करने वाला। रुद्र में रु का अर्थ दुःख और द्र का अर्थ हरना- हटाना। इस प्रकार रुद्र का अर्थ हुआ, दुःख को दूर करने वाले अथवा कल्याण करने वाले।

भोलेनाथ भाव के भूखे हैं, कोई भी उन्हें सच्ची श्रद्धा, आस्था और प्रेम के पुष्प अर्पित कर अपनी मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना कर सकता है। दिखावे, ढोंग एवं आडम्बर से मुक्त विद्वान-अनपढ़, धनी-निर्धन कोई भी अपनी सुविधा तथा सामर्थ्य से उनकी पूजा और अर्चना कर सकता है। शिव न काठ में रहता है, न पत्थर में, न मिट्टी की मूर्ति में, न मन्दिर की भव्यता में, वे तो भावों में निवास करते हैं। यह पर्व महाकाल शिव की आराधना का महापर्व है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पूजा एवं अभिषेक करने पर उपासक को समस्त तीर्थों के स्नान का फल प्राप्त होता है। शिवरात्रि का व्रत करने वाले इस लोक के समस्त भोगों को भोगकर अंत में शिवलोक में जाते हैं। शिव को बिल्वपत्र, धतूरे के पुष्प तथा प्रसाद में भांग अति प्रिय हैं। लौकिक दृष्टि से दूध, दही, घी, शकर, शहद- इन पाँच अमृतों (पंचामृत) का पूजन में उपयोग करने का विधान है। महामृत्युंजय मंत्र शिव आराधना का महामंत्र है। शिवरात्रि वह समय है जो पारलौकिक, मानसिक एवं भौतिक तीनों प्रकार की व्यथाओं, संतापों, पाशों से मुक्त कर देता है।

विदेशों में भी मनाया जाता है महाशिवरात्रि का पर्व

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश के मालवा में नर्मदा नदी के किनारे स्थित है। उत्तराखंड में केदारनाथ ज्योतिर्लिंग अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों के तट पर केदार नामक चोटी पर स्थित हैं। महाराष्ट्र में पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर डाकिनी में भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग स्थित है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर जिसे धर्मनगर काशी के नाम से ज्यादा जाना जाता है गंगा नदी के तट पर स्थित बाबा विश्वनाथ का मंदिर है जिसे विश्वनाथ ज्योर्तिलिंग कहा जाता है। महाराष्ट्र के नासिक में त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थित है।

ओमप्रकाश 'सुमन'

महाशिवरात्रि हिंदुओं का एक प्रमुख पर्व है इसमें भगवान शिव की विधि- विधान से पूजा होती है। यह पर्व फाल्गुन माह में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को बनाया जाता है ? जो 2025 में 26 फरबरी को है इसे महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। वैसे शिवरात्रि तो हर माह में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है। पर महाशिवरात्रि वर्ष में एक बार ही आती है। यह पर्व भारत के विभिन्न स्थानों पर मनाए जाने के साथ ही विश्व के कई देशों में भी मनाया जाता है। महाशिवरात्रि पर्व का महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह शिव और शक्ति के मिलन की रात्रि है। आध्यात्मिक रूप से प्रकृति एवं पुरष के मिलन की रात के रूप में यह पर्व मनाया जाता है। यह भी माना जाता है कि सृष्टि का प्रारंभ इस दिन से हुआ था साथ ही पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन शिव के स्वरुप का ज्योतिर्लिंग अर्थात शिव का प्राकट्य ज्योतिर्लिंग यानी शिवलिंग के रूप में हुआ था। इस शिवलिंग जिसका न आदि है न अंत । बताया जाता है की शिवलिंग का पता लगाने के लिए ब्रह्मा जी हंस के रूप में आए और शिवलिंग के उपरी भाग को देखने के लिए कोशिश की पर सफल नहीं हो पाए। विष्णु जी वराह का रूप लेकर शिवलिंग को ढूंढ रहे थे पर उन्हें भी इस आधार का पता नहीं मिला।

यह भी माना जाता है कि इस दिन शिव और पार्वती का विवाह हुआ था। कुछ भक्तगण शिव की जाराधना करते हुए शिव की बारात का भी प्रदर्शन करते हैं। यह भी माना जाता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले कालकूट विष को पीकर कंठ में धारण कर लिया था इसलिए नीलकंठ कहलाये। इस दिन शिव के भक्त व्रत रखकर शिव का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मंदिरों में पूरे दिन पूजा -अर्चना सहित जलाभिषेक का कार्यक्रम भी चलता है । शिव का पूजन करने में धतूरे के फल और फूलों को श्रेष्ठ माना जाता है। यह फल फूल चढ़ाने से लोगों को दुखों से छुटकारा मिल जाता है जो दंपति संतान की मनोकामना करते हैं उन्हें भी धतूरा के फल चढ़ाने से उनकी मनोकामना जल्द पूरी हो जाती है। भगवान शिव को सफेद फूल, लाल फूल ,गुलाब, अलसी के फूल, अक्षत आदि समर्पित किए जाते हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में स्थापित महाकालेश्वर मंदिर में तो शिव की पूजा भस्म (राख) से होती है। गाय के गोबर के बने हुए कंडो की भस्म का प्रयोग किया जाता है यह भी कहा जाता है कि पहले यहां चिता की भस्म से ही आरती होती थी। पूजा विधान के ढंग अलग-अलग है भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग है उनमें गुजरात के सौराष्ट्र में अरब सागर के तट पर सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी के किनारे श्री शैल पर्वत पर मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मध्य प्रदेश के उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग है जहां पर भस्म आरती उतारी जाती है जो पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश के मालवा में नर्मदा नदी के किनारे स्थित है। उत्तराखंड में केदारनाथ ज्योतिर्लिंग अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों के तट पर केदार नामक चोटी पर स्थित हैं। महाराष्ट्र में पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर डाकिनी में भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग स्थित है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर जिसे धर्मनगर काशी के नाम से ज्यादा जाना जाता है गंगा नदी के तट पर स्थित बाबा विश्वनाथ का मंदिर है जिसे विश्वनाथ ज्योर्तिलिंग कहा जाता है। महाराष्ट्र के नासिक में त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थित है। यह गोदावरी नदी के किनारे स्थित काले पत्थरों से बना हुआ मंदिर है। झारखंड के देवघर में स्थित वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग को बैद्यनाथ धाम के नाम से जाना जाता है। गुजरात के नागेश्वर मंदिर जो कि नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रसिद्ध है बड़ौदा क्षेत्र में गोमती द्वारिका के करीब स्थित है। तमिलनाडु में रामेश्वर ज्योतिर्लिंग रामनाथ नामक स्थान पर है। महाराष्ट्र में घृष्णेश्वर नाम से जाने वाला घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग है जो महाराष्ट्र के संभाजी नगर के दौलताबाद के पास स्थित है।

अब हम भारत के प्रमुख स्थानों पर ध्यान देते हैं जहां पर महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग उज्जैन के दक्षिण में शिप्रा नदी से थोड़ी दूर है, यह है महाकाल मंदिर। न जाने कितनी बार टूटा और बना है। यह काफी प्राचीन है शिव के 12 ज्योतिर्लिंग में से माना जाता है। शिव पुराण की कथा के अनुसार दूषण नाम के दैत्य के अत्याचार से जब उज्जयिनी निवासी त्रस्त हो गए, उन्होंने शिव की आराधना की और वह प्रसन्न होकर एक ज्योति के रूप में प्रकट हुए थे। उन्होंने उनकी मुसीबतें दूर कर दीं। भक्तों के आग्रह पर शिवजी लिंग के रूप में उज्जैन में प्रतिष्ठित हो गए। यह दुनिया का एकमात्र शिवलिंग है जो दक्षिण मुखी है, तंत्र की दृष्टि बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। महाकाल शिवलिंग दुनिया का एकमात्र शिवलिंग है जहां भस्म की आरती उतारी जाती है । महाकालेश्वर मंदिर तीन भागों में बंटा है सबसे नीचे तलघर में महाकालेश्वर मुख्य ज्योतिर्लिंग, उसके ऊपर ओंकारेश्वर और सबसे ऊपर चंदेश्वर मंदिर है नागचंद्रेश्वर मंदिर वर्ष में एक बार नाग पंचमी के दिन ही खुलता है। भारत के विभिन्न स्थानों पर महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। कश्मीर में कश्मीरी ब्राह्मणों के लिए महत्वपूर्ण त्यौहार है यहां पर यह पर्व शिव पार्वती के विवाह के रुप में मनाया जाता है। प्रत्येक घर में मनाया जाने वाले इस पर्व में महाशिवरात्रि के तीन-चार दिन पहले से कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं। लगभग एक सप्ताह तक मनाया ज यह पर्व मनाया जाता है।

विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर में भी शिवरात्रि का पर्व बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। काफी दूर - दूर से लोग इसमें भाग लेने के लिए पहुंचते हैं इसलिए यहां पर काफी भीड़ जुटती है भारत के विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न नगरों में शिव जी के मंदिरों में भक्तगण महापर्व धूमधाम से मनाते हैं। अब हम भारत को छोड़कर अन्य देशों पर चर्चा करते हैं जहां शिव के मंदिर है शिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। इंडोनेशिया में जावा नामक स्थान पर बना प्रम्बानन मंदिर दसवीं शताब्दी में बनाया गया था।यह नगर से 17 किलोमीटर दूर पर स्थित है मंदिर भक्तों के पर्यटन के लिए विशेष महत्व रखता है।

बैलों पर राजस्थान की पहल का स्वागत हो

कुलभूषण उपमन्यु

बैल से खेती को यदि थोड़ा अधिक भी सहयोग दिया जाए तब भी उससे देश पर ज्यादा बोझा नहीं पड़ेगा क्योंकि बैल से खेती करने के कारण पैसा देश में ही रहेगा और किसान के हाथ में ही किसान द्वारा खर्च किया गया रुपया पहुंचेगा। यह काम खेती और देश की अर्थव्यवस्था दोनों के ही हित में है, इसलिए सरकारों को राजस्थान सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए किसान हित में स्वावलंबी कृषि व्यवस्था खड़ी करने की दिशा में आगे बढने् के लिए पूरी वैज्ञानिक समझ के साथ कार्य शुरू करना चाहिए। इस दिशा में सफलता के लिए बैल चालित मशीनों का अपना महत्व है।

राजस्थान सरकार की ओर से एक अच्छा फैसला आया है। सरकार बैलों से खेती करने वालों को 30 हजार रुपए वार्षिक सहायता देगी। यह निर्णय कृषि अर्थव्यवस्था की भारतीय समझ रखने वालों को समझ में आएगा। मशीनों से खेती करने वालों को तो अनेक प्रोत्साहन सबसिडी के रूप में दिए जाते हैं। मशीनों से लेकर मशीनों के ईंधन तक लगातार उनको सहायता दी जाती है। हिमाचल में पॉवर टिलर को 50 फीसदी तक सबसिडी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। यानी पूरे काल तक जब तक वह मशीन काम करेगी उसे विदेश मुद्रा के द्वारा लाए गए ईंधन को उपलब्ध करवाना होगा। वैसे तो पूरे भारतवर्ष में ही जो जोतें एक हेक्टेयर से छोटी हैं, उनके लिए आत्मनिर्भर होने का मार्ग बैलों से खेती के माध्यम से ही निकल सकता है। किन्तु पहाड़ी क्षेत्रों में तो यह और भी ज्यादा जरूरी है क्योंकि यहां की 80 फीसदी जोतें एक हेक्टेयर से छोटी हैं, कुछ तो एक एकड़ से भी छोटी हैं। इनको लाभदायक बनाना खासी चुनौती का काम है। पॉवर टिलर से जुताई का एक बीघा के लिए 2 हजार रुपए तक लिया जा रहा है। ऊपर से धुआं और शोर अलग से भेंट स्वरूप मिल रहा है।

हर किसान अपना पॉवर टिलर ले भी नहीं सकता। और ले भी ले तो दो दिन के बाद सारा सीजन खाली पड़ा रहेगा। दूसरे, पहाड़ी खेती को आम तौर पर ही ज्यादा गोबर खाद की जरूरत रहती है क्योंकि भारी बरसात और ढलानदार जमीनों से हर साल खाद बह कर नीचे चली जाती है, जबकि हम जैविक खेती की ओर बढ़ रहे हैं जिसके लिए गोबर की खाद और भी ज्यादा जरूरी हो गई है, जिसके अभाव में यह पहल भी सफल होना कठिन हो जाएगी। खेती देश में घाटे का सौदा होती जा रही है। इसी के चलते लोग खेती को छोड़ कर अन्य व्यवसायों की ओर मुड़ते जा रहे हैं। खेती लाभदायक तब तक नहीं हो सकती जब तक खेती को आत्मनिर्भर बनाने की ओर काम नहीं किया जाता। खेती के लिए हमें अपने संसाधनों से ही काम चलाना सीखना होगा, जिससे कृषि व्यवसाय का पैसा कृषि व्यवसाय में ही घूमता रहे। मिसाल के लिए बैल से खेती करेंगे तो बैल किसान ही पैदा करेगा। किसान जब बैल खरीदेगा तो पैसा दूसरे किसान के पास ही जाएगा। एक किसान का व्यय दूसरे किसान की आमदनी बनेगा।

और पैसा आपस में ही घूमता रहेगा, जिससे आत्मनिर्भरता बनती जाएगी। आज मैं बैल खरीद रहा हूं, कल मैं बेच रहा हूंगा। जैविक खेती के लिए घर का खाद बिना बैंक के कर्ज के उपलब्ध होगा। जबकि मशीनी खेती में ज्यादा से ज्यादा निवेशित वस्तुएं बाहरी क्षेत्रों उद्योग आदि से आएंगी, जिससे उद्योग तो बढ़ेगा, किन्तु खेती की कमाई उसी में चुक जाएगी। घाटे की खेती का दुश्चक्र इसी तरह आत्मनिर्भरता की ओर प्रस्थान से तोड़ा जा सकता है। यह ठीक है कि बड़ी जोत वाले किसानों के लिए यह कठिन है, किन्तु छोटी जोत वाले किसान दृढ़संकल्प करके एक बार इसे अपना लें तो धीरे-धीरे किसानी आत्मनिर्भर होगी और कर्ज से मुक्ति होने का रास्ता भी बनेगा जिसके कारण ही ज्यादातर आत्महत्याएं कृषि क्षेत्र में हो रही हैं। अपना बीज, अपना बैल, अपनी खाद, यही किसान का नारा होना चाहिए। जब तक यह तरीका कृषक अपना रहे थे तब तक कहीं भी किसान को आत्महत्या की जरूरत ही नहीं थी। यही अब अपनाना होगा, किन्तु थोड़े वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जिससे फसलों की उपज भी कम न हो।

हिमाचल का उदाहरण लें तो यहां 9.97 लाख कुल जोतों में से 7.12 लाख जोतें एक हेक्टेयर से कम हैं। उन सभी को बैलों पर सबसिडी देकर बैल से खेती के लिए प्रोत्साहित करना होगा। जिससे पेट्रोल, डीजल पर खर्च विदेशी मुद्रा भी घटेगी और किसान बैंक कर्जों से भी बचेगा। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान 13.57 फीसदी है, जबकि खेती से 58.37 फीसदी रोजगार पैदा हो रहे हैं। इसलिए खेती के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता। न्याय का भी यही तकाजा है कि बैल से खेती करने वाले को मशीन से खेती करने वाले के बराबर ही अधिमान दिया जाए।

हालांकि बैल से खेती को यदि थोड़ा अधिक भी सहयोग दिया जाए तब भी उससे देश पर ज्यादा बोझा नहीं पड़ेगा क्योंकि बैल से खेती करने के कारण पैसा देश में ही रहेगा और किसान के हाथ में ही किसान द्वारा खर्च किया गया रुपया पहुंचेगा। यह काम खेती और देश की अर्थव्यवस्था दोनों के ही हित में है, इसलिए सरकारों को राजस्थान सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए किसान हित में स्वावलंबी कृषि व्यवस्था खड़ी करने की दिशा में आगे बढने् के लिए पूरी वैज्ञानिक समझ के साथ कार्य शुरू करना चाहिए। इस दिशा में सफलता के लिए बैल चालित मशीनों का अपना महत्व है।

इसलिए पहाड़ी और मैदानी इलाकों की अलग अलग जरूरतों के अनुसार कृषि उपकरणों के निर्माण का कार्य भी साथ-साथ शुरू करना होगा। कृषि विश्वविद्यालयों में इंजीनियरिंग विभाग इस दिशा में कार्य करें और यह साबित करें कि उनके लिए बैल से खेती करने वाला किसान भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि मशीन से खेती करने वाला है। इससे किसान भी खुशहाल होगा और देश पर विदेशी मुद्रा के लिए ऋण का बोझ भी कम होगा। यही छोटे किसान की समृद्धि का मार्ग है। बैल से खेतीबाड़ी उत्तम है।

दलित उत्पीड़न की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई के लिए दिया ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। भारतीय समता फाऊंडेशन एवं महात्मा ज्योतिराव फूले विकास समिति मथुरा द्वारा जिलाधिकारी मथुरा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के नाम मथुरा जनपद में नगर निगम क्षेत्र के टाउनशिप स्थित करनावल गांव में अनुसूचित जाति की ही बहन बेटियों की शादी के दौरान की गई जातीय पूर्वाग्रह से ग्रसित लोगों द्वारा मारपीट, जानलेवा हमला एवं बारातियों पर अत्याचार के विरोध में एवं आए दिन हो रहे कमजोर वर्ग एवं महिलाओं पर हो रहे अत्याचार उत्पीड़न के खिलाफ़ 8 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी रितु सिरोही जी को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान जाति विरोधी, संप्रदाय विरोधी नारे लगाकर दोषी लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की मांग।करनावल एवं जनपद मथुरा में आसपास के क्षेत्र में रेत माफिया, मिट्टी माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही। जाति आधारित हिंसा करने वालों पर कठोर कार्यवाही। सिरेला गांव थाना मांट में बघेल युवक की हत्या करने वाले हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग। अड़ींग थाना गोवर्धन में अनुसूचित जाति के युवक के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर। जनपद में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग। साथ ही जनपद मथुरा में सार्वजनिक स्थलों,गली, सड़कों, मार्गो पर लगे जातीय विद्वेष फैलाने में सहायक साइन बोर्ड को तत्काल हटाने की मांग को लेकर खुला मांग पत्र सौंपा गया। करनावल घटना में राजीनामा का दबाव देने वालों को चिह्नित कर कठोर कार्रवाई की जाए। इस मौके पर महात्मा ज्योतिराव फुले विकास समिति के अध्यक्ष रमेश सैनी एवं सिद्धांत भाटिया ने संयुक्त रूप से कहां की मथुरा जनपद में कमजोर वर्गो, नारी जाति एवं गरीबों पर हो रहे अत्याचार जो बिगड़ती कानून व्यवस्था का सबूत है। साथ ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वालों को नैतिकता के आधार पर में इस्तीफा दे देना चाहिए। साथ ही अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही ने कहा कि मथुरा जनपद में जातीय हिंसा और सामाजिक सद्भाव एवं भाईचारा बिगड़ने वालों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई होनी चाहिए सार्वजनिक स्थलों पर लगे जाति विदेश फैलाने वाले बोर्ड अभिलंब हटाए जाएं।खुला मांग पत्र पर कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन उग्र आंदोलन को मजबूर होंगे प्रदर्शन एवं ज्ञापन सौंपने वालों में शास्त्री सी.बी विकल ,अजय सनवाल, कुणाल डागौर,सोनू हर्षाना, मुकेश सैनी, राज गब्बर, हरेंद्र कुमार, मुकेश नेताजी, एड विवेक कुमार,सुमित कुमार,सागर सिंह,रोहन प्रताप सिंह, विक्रम शर्मा, रमेश सैनी ,आकाश बाबू,शिवचरण सैनी, डॉ राजकुमार सैनी, रामवीर यादव, नरेश सर, विशाल शुक्ला आदि

मंदिरों से लेकर सड़कों तक बम-बम भोले की गूंज

मथुरा। महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर राधा कृष्ण की नगरी वृंदावन से लेकर संपूर्ण ब्रज में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है। मंगलवार से ही कांवड़ियों का सैलाब यहां उमड़ पड़ा है। हर दिशा से आने वाले शिवभक्त गंगाजल से भरी कांवड़ लेकर भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। यह भक्तगण रामघाट, राजघाट, सोरों, कछला जैसे विभिन्न घाटों से गंगाजल लेकर आए हैं। अपनी कांवड़ चढ़ाने के लिए श्रद्धालु वृंदावन के प्रमुख गोपेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। पूरे शहर में भक्ति की गूंज सुनाई दे रही है। हर ओर से ÷बोल बम÷, ÷बम बम भोले÷ के जयकारों की आवाज़ गूंज रही है। स्थानीय प्रशासन ने भी श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए खास तैयारियां की हैं। ट्रैफिक कंट्रोल से लेकर मेडिकल सहायता तक के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भोले के भक्तों को लेकर मथुरा की आम जनता में भी अपार उत्साह देखने को मिल रहा है।

राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन ने आईसीएआर-एनबीएफजीआर का दौरा किया

लखनऊ। आईसीएआर-राष्ट्रीय मत्स्य जैव आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ को आज भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन की गरिमामयी उपस्थिति का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरे के दौरान संस्थान की भूमिका को जल-जैव आनुवंशिक संसाधन संरक्षण, मत्स्य अनुसंधान एवं मत्स्य किसानों के सशक्तिकरण के संदर्भ में रेखांकित किया गया।मंत्री का स्वागत आईसीएआर-एनबीएफजीआर के निदेशक डॉ. उत्तम कुमार सरकार, वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया। पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता को दर्शाने के लिए एक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके उपरांत 'विदेशी एवं कृषक प्रशिक्षण इकाई' की आधारशिला रखी गई, जिसका उद्देश्य मत्स्य किसानों की क्षमता निर्माण एवं तकनीकी हस्तांतरण को बढ़ावा देना है। संस्थान की निरंतर विकास यात्रा को दर्शाते हुए नए मुख्य द्वार का उद्घाटन भी किया गया।

मंत्री ने संस्थान के अत्याधुनिक अनुसंधान एवं संरक्षण केंद्रों का व्यापक अवलोकन किया, जिसमें गंगा एक्वेरियम, लाइव फिश जर्मप्लाज्म रिसोर्स सेंटर, राष्ट्रीय मत्स्य संग्रहालय एवं रिपॉजिटरी तथा उन्नत अनुसंधान प्रयोगशालाएं शामिल थीं। इस दौरान संस्थान द्वारा मत्स्य जैव विविधता संरक्षण एवं आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। साथ ही, संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक भी संपन्न हुई।

इस अवसर पर राष्ट्रीय जलीय पशु रोग निगरानी कार्यक्रम की वेबसाइट का शुभारंभ किया गया एवं महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रकाशनों का विमोचन हुआ, जिससे रोग निगरानी, जैव सुरक्षा एवं सतत मत्स्य प्रबंधन की दिशा में संस्थान की प्रतिबद्धता और मजबूत हुई। अपने संबोधन में मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन ने मत्स्य अनुसंधान के महत्व को उजागर करते हुए ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा देने, जैव विविधता संरक्षण एवं मत्स्य किसानों के सशक्तिकरण के लिए नवीन एवं सतत प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संस्थान द्वारा मत्स्य आनुवंशिक संसाधन संरक्षण में किए गए वैज्ञानिक नवाचारों की सराहना की तथा अनुसंधानकर्ताओं से समग्र मत्स्य विकास हेतु समन्वय एवं सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया।

आईसीएआर-एनबीएफजीआर के निदेशक डॉ. उत्तम कुमार सरकार ने अपने संबोधन में संस्थान की उल्लेखनीय उपलब्धियों, अनुसंधान पहलों एवं राष्ट्रीय मत्स्य विकास में योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम के अंत में वैज्ञानिकों के साथ एक संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें नीतिगत सहयोग, तकनीकी हस्तक्षेप एवं भविष्य की अनुसंधान दिशा पर चर्चा हुई।

भाषा विवि में उद्यमिता पर सेमिनार का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग व ग्लोबल यूनिवर्सिटी सिस्टम पीईएस यूनिवर्सिटी देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में उद्यमिता/स्टार्ट योर ओन बिज़नस विषय पर एक दिवसीय इंटरैक्टिव सेशन का आयोजन किया गया।

प्रोग्राम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना एवम दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। सेशन का स्वागत उद्बोधन वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एहतेशाम अहमद द्वारा इंटरैक्टिव सेशन व प्रमुख वक्ता के परिचय देते हुए कहा कि यह प्रोग्राम का मुख्य रूप नई उम्र के बच्चों में कैसे एंटरप्रेन्योरशिप की अवधारणा का विकास हो पर केंद्रित है। प्रोग्राम में गेस्ट ऑफ हॉनर अनिरुद्ध यादव रहे जिन्होंने सेशन की रुपरेखा और स्टार्टअप के भविष्य के बारे में बताया। इंटरैक्टिव सेशन की मुख्य अतिथि स्वरलीन कौर (UN speaker and Awardee, Padam shri Nominee) रही जिन्होंने स्टार्टअप के स्वरूप, आइडिया और कुछ प्रमुख स्टार्टअप सक्सेस स्टोरी जैसे टेक गार्डन, जोमैटो आदि के बारे में बताया साथ ही स्टार्टअप आइडिया के बारे में बताते हुए कहा कि जो किसी प्रॉब्लम्स का सॉल्यूशंस है वही आइडिया है एवं आइडिया ही किसी स्टार्टअप की नींव है। सेशन का संचालन डॉ ज़ैबून निसा (सहा. आचार्य) द्वारा किया गया। सेशन में वाणिज्य विभाग से साथ साथ अन्य विभागों के बच्चों सहित लगभग 70 बच्चों ने हिस्सा लिया।

अधिवक्ताओं का विरोध प्रदर्शन, न्यायिक कार्य से विरत रहे

सुल्तानपुर। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पत्रांक 706, दिनांक 19 फरवरी के अनुपालन में बार एसोसिएशन सुल्तानपुर के अधिवक्ताओं ने मंगलवार को एडवोकेट एक्ट, 1961 में प्रस्तावित संशोधनों के विरोध में प्रदर्शन के कारण अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत रहने का फैसला लिया। बार एसोसिएशन *सुल्तानपुर के अध्यक्ष रणजीत सिंह त्रिसुंडी ने बताया कि प्रस्तावित संशोधन अधिवक्ताओं के हितों के खिलाफ है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समाज अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट है और इस विरोध को और व्यापक स्तर पर ले जाने के लिए तैयार है। बार एसोसिएशन ने समस्त न्यायिक अधिकारियों से अनुरोध किया है कि उनके न्यायालयों में लंबित वादों में आज की तिथि में कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए।

काले कानून के विरोध में बिलग्राम के अधिवक्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

अवधनामा संवाददाता

बिलग्राम। अध्यक्ष सियाराम ने कहा दिनांक 24 फरवरी को पूर्व निर्धारित समय के अनुसार 2:00 बजे बिलग्राम अधिवक्ता वेलफेयर एसोसिएशन बिलग्राम व अधिवक्ता कल्याण संगठन बिलग्राम कि संयुक्त बैठक अध्यक्ष द्वारा संपन्न हुई थी जिसमें बार काउंसिल उत्तर प्रदेश की बैठक 19 फरवरी में लिए गए निर्णय के अनुसार दिनांक 21 फरवरी को अधिवक्ता अधिनियम में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधन संबंधित बिल के विरोध में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया गया था एवं महामहिम राष्ट्रपति को एसडीएम बिलग्राम (हरदोई) के माध्यम से काला कानून बनाने के संबंधी बिल वापस लेकर उसे निरस्त करने हेतु ज्ञापन दिया जा चुका था अग्रिम निर्देश जो बार काउंसिल उत्तर प्रदेश ने दिनांक 25 फरवरी को हेतु दिए गए गया था उसके क्रम में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया की समस्त अधिवक्ता बार कार्उसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आवाहन पर दिए गए निर्देशों का अक्षरशः से पालन करते हुए न्यायिक कार्य से विरत रहकर तहसील बिलग्राम में स्थित नायब तहसीलदार, व तहसीलदार बिलग्राम, चकबंदी अधिकारी बिलग्राम, परगना अधिकारी बिलग्राम, का घेराव करते हुए उसी क्रम में तहसील बिलग्राम के क्षेत्र के समस्त दस्तावेज लेखको से अनुरोध किया गया कि वह दिनांक 25 फरवरी को दस्तावेज लिखने का कार्य न करें इसका समस्त दस्तावेज लेखको ने भी समर्थन किया और कार्य न करने की घोषणा की। उपाध्यक्ष राम प्रसाद आर्य ने बताया कि अगर सरकार हमारी मांगे पूरी नहीं करेगी तो हड़ताल ऐसे ही जारी रहेगी और और हमारे आगे की रणनीति उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के निर्देशानुसार कठिन से कठिन निर्णय लेने के लिए समर्थन करेगी।

रवीन्द्रालय चारबाग में किताबों का मेला पहली मार्च से

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। रवीन्द्रालय चारबाग लान में पहली मार्च से प्रारम्भ होने वाला नौ दिवसीय लखनऊ पुस्तक मेला इस बार अलग रंग में दिखेगा। इस वर्ष मेले की थीम बाल साहित्य रखी गयी है। मुफ़्त प्रवेश वाले किताबों के इस मेले में जहां पुस्तक विमोचन होंगे वहीं अनेक आयोजनों के बीच विविधता भरे काव्य समारोहों और अध्यात्मिक व अन्य नाट्य, नृत्य आदि सांस्कृतिक समारोहों का क्रम लगातार चलेगा। सब गोलमाल है जैसे नाटकों के मंचन के साथ महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम होंगे।

आयोजक मनोज सिंह चंदेल ने बताया कि ये दौर भारतीय संस्कृति और कलाओं का पुनर्जागरण काल का है। हाल में दिल्ली में सम्पन्न विश्व पुस्तक मेले में उमड़ी भीड़ और गतिविधियों से भी हम उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि नौ मार्च तक चलने वाले मेले का उद्घाटन मध्याह्न 12 बजे होगा। मेले को मेट्रो रेल का सहयोग मिल रहा है। नई टेक्नालॉजी से छपी पुस्तकों के साथ मेले में डिजिटल टेक्नालॉजी से जुड़े प्रकाशन उत्पाद देखने को मिलेंगे साथ ही स्टेशनरी, शिक्षकों, स्कूलों के लिए उपयोगी सामग्री के स्टाल होंगे। इस मेले में बहुत से नये प्रकाशक अपने साहित्य के साथ 10 हज़ार स्क्वायर फिट वाटर प्रूफ पंडाल में स्टाल होंगे।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लाभ दिलाएं

डीएम की अध्यक्षता मे उधोग बंधु एवं व्यापार लेने की बैठक का आयोजन किया गया

अवधनामा संवाददाता

संभल। कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में उद्योग बंधु एवं व्यापार बंधु की बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक के अंतर्गत सहायक आयुक्त उद्योग द्वारा विभिन्न एजेण्डा बिंदुओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। एम.एस.एम.ई. नीति, तकनीक उन्नयन, पीएम विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत जनपद में कराये जा रहे प्रशिक्षण के विषय में अवगत कराया। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी के विषय में एक पत्र संबंधित संस्था को अधोहस्ताक्षरी की ओर से प्रेषित कराना सुनिश्चित करें ताकि भविष्य में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रशिक्षण का शुभारम्भ कराया जा सके। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के आवेदन एवं उसके निस्तारण को लेकर भी जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ओडीओपी सीएफसी का विद्युत कनेक्शन को लेकर भी निर्देशित किया। निवेश मित्र के लंबित प्रकरण पर भी चर्चा की गयी तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उद्योग बंधु के सदस्यों द्वारा वृद्ध आश्रम पर कार्य करने का प्रस्ताव रखा। जिलाधिकारी ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लाभ एवं उसका कनेक्शन लगवाने के लिए उद्योग बंधु के सदस्यों को जागरूक किया।

इस उपरांत व्यापार बंधु की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत उपायुक्त राज्य कर द्वारा बैठक के एजेंडा बिन्दुओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिसमें जनपद मुख्यालय तक परिवहन व्यवस्था सही कराने तथा बस के चालक परिचालक द्वारा बस को यात्रियों के लिए रोकने वाले बिन्दु को रखा गया जिसमें संबंधित से इस बिन्दु पर क्या कार्यवाही हुयी उसको लेकर जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नवीन मंडी स्थल बहजोई के मार्ग की मरम्मत तथा रेलवे क्रासिंग बहजोई के 50 मीटर दोनों ओर नो पार्किंग जोन घोषित करने को लेकर भी चर्चा की तथा चंदौसी में हुए अतिक्रमण हटाओ अभियान के अन्तर्गत दुकानों के आवंटन, आधार कार्ड के अंदर सशोधन के लिए बैकों के अंदर मशीन के माध्यम से आधार संशोधन कार्य कराने, तथा चंदौसी में ई रिक्शा के कारण जाम की स्थिति पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने ई रिक्शा के लिए कलर कोडिंग को लेकर संबंधित को निर्देशित किया। बहजोई में विद्युत सप्लाई को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए जिलाधिकारी ने संभल में जो नए कूप मिले हैं उनमें छतों का पानी जाए उसको लेकर भी संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर सहायक आयुक्त उद्योग राजकुमार तोमर उपयुक्त राज्य कर धर्मेंद्र कुमार ,कमल कौशल वार्ष्णेय, अरविंद कुमार गुप्ता,ताहिर सलामी, संगीता भार्गव, शाजिया एवं संबंधित अधिकारी तथा उद्योग बंधु व्यापार बंधु के सदस्य उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में हुई बैकों की समीक्षा बैठक

संभल (अवधनामा संवाददाता)। कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में बैंकों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। एन.आर.एल.एम के समूह की सीसीएल के आवेदन एवं उनके निस्तारण , सीएम युवा उद्यमी योजना को प्राथमिकता पर रखने तथा कृषि विभाग के अन्तर्गत एग्री जंक्शन के बैंकों में लंबित आवेदन, रैंप परियोजना, खादी एवं ग्राम उद्योग विभाग की पीएमईजीपी योजना, डूडा विभाग, उद्यान विभाग की योजनाओं को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीडी रेशियो को लेकर भी चर्चा की। जिलाधिकारी ने समस्त बैंकों के आये समन्वयक को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं को प्राथमिकता पर रखते हुए कार्य करें। संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि इस माह लक्ष्य को पूर्ण करें। इसके उपरांत चकबंदी विभाग की समीक्षा की गयी।

स्ट्रॉबेरी की खेती करें, किसान बने लखपति : विधायक

अवधनामा संवाददाता

सुलतानपुर। कृषि विज्ञान केंद्र, के.एन.आई. सुलतानपुर में आयोजित किसान सम्मान समारोह में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किश्त के वितरण का सजीव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुलतानपुर के विधायक विनोद सिंह और विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की उपस्थिति में किसानों ने कार्यक्रम को देखा और सुना।

कार्यक्रम के दौरान उप कृषि निदेशक ने बताया कि जनपद के 4,40,278 किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किश्त का लाभ प्राप्त हुआ है। इसके तहत किसानों को आर्थिक सहायता दी गई, जिससे उनकी कृषि संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी।इस कार्यक्रम में किसानों को विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, उद्यान विभाग और मत्स्य विभाग ने अपने स्टॉल लगाए, जहां किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रगतिशील किसान विमलेश वर्मा ने स्ट्रॉबेरी की खेती का स्टॉल लगाकर किसानों को इसकी उन्नत खेती के बारे में जागरूक किया और उन्हें प्रेरित किया कि वे पारंपरिक फसलों के साथ-साथ स्ट्रॉबेरी की खेती अपनाकर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

विधायक विनोद सिंह ने भी किसानों को इस ओर प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्ट्रॉबेरी की खेती से किसान लखपति बन सकते हैं।इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक, केवीके, केएनआई, अन्य वैज्ञानिकगण, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी सहित लगभग 200 किसान उपस्थित रहे।

छह मार्च को कुशभवनपुर आएंगे ओपी राजभर

अवधनामा संवाददाता

सुलतानपुर। जनपद के नगर क्षेत्र के पयागीपुर स्थित शक्ति मैरिज लान में आगामी त्रिस्तरीय चुनाव चुनाव को देखते हुए सुभासपा के बैनर तले बारा बंजारा व घुमंतू शोषित-वंचित समाज महारैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर व विशिष्ट अतिथि के रूप मे पार्टी महासचिव डा अरविन्द राजभर महारैली को संबोधित करेंगे। उक्त जानकारी सुभासपा के फायरब्रांड जिलाध्यक्ष विनीत सिंह ने दी है। श्री सिंह ने कहा कि सभी दलितों के साथ भेदभाव होता है, उन्हें उनके हक से वंचित रखा जाता है, ये बात आम तौर पर दलितों के बारे में कही जाती रही है,लेकिन करीब से नजर डालें, तो दलित, ऊंच-नीच के दर्जे में बंटे हिंदू समाज का ही आईना हैं। जिले के सभी समाज को साथ जोडने का काम आज सुभासपा कर रही है। इस बैठक मे मुख्य रूप से संतोष राना, प्रदीप पीटर, बृजेश पाल,विष्णू पांडेय, नूर आलम (प्रत्याशी जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी) मनोज शर्मा, सजीवन आदि लोग मौजूद रहे।

महाकुंभ से अयोध्या दर्शन करने जा रहे तीन श्रद्धालुओं की हुई मौत

सुल्तानपुर। प्रयागराज महाकुंभ से लौट रही स्कॉर्पियो हादसे का शिकार हो गयी। जिसमे तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गयी। पता चला है कि कूरेभार टोल से चढ़कर हलियापुर टोल जाते समय स्कार्पियो एक अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आ गयी।

दुर्घटना सोमवार की देर शाम तकरीबन 8:40 पर आरएचएस 116.700 किमी पर हुई दुर्घटना, ट्रक की टक्कर के बाद घायलों को कूरेभार सीएचसी पहुँचाया गया जहां सत्येन्द्रकांत पांडेय(55 वर्ष), शशिबाला पांडेय, रीता देवी की मृत्यु की मृत्यु हो गयी। बताया जाता है कि सभी बिहार प्रान्त के रहने वाले थे। वाहन में तकरीबन आधा दर्जन श्रद्धालु सफर कर रहे थे जिन्हें मंगलवार को अयोध्या दर्शन करना था।

महिला अस्पताल में सिक्योरिटी गार्ड नशा करके कर रहे ड्यूटी

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। कोलकाता मे हुए वीभत्स काण्ड को देखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा अस्पतालो की सुरक्षा में सिक्योरिटी गार्डो की नियुक्ति करते हुए उन्हें चिकित्स्कों और मरीजों की सुरक्षा हेतु तैनात किया गया है। परन्तु सुल्तानपुर के स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज मे तैनात कुछ सिक्योरिटी गार्ड नशे की हालत मे अपने आपको राजकीय मेडिकल कॉलेज का मालिक समझ बैठे है। आये दिन मरीजों के तिमारदारों से बदतमीजी करते रहते है।

सिक्योरिटी गार्ड गिरिजा शंकर पाण्डेय और उपेन्द्र प्रताप सिंह नाम के सिक्योरिटी गार्डो की उक्त हरकतों से अन्य ड्यूटी के प्रति जागरूक गार्डो की छवि भी धूमिल हो रही है। जिला महिला अस्पताल के महिला वार्डो मे पुरुष गार्ड जाकर महिलाओं की विडिओ बना कर वायरल करने की धमकी भी देते रहते है। आन ड्यूटी पर नशे की हालत मे महिला मरीजों की सुरक्षा समझ से परे है।सूत्रो के अनुसार कुछ दिनों पहले कुछ महिलाओं से बदतमीजी करने पर महिलाओं द्वारा चप्पल उठा कर दौड़ाए भी गए थे। जो कि सी सी टी वी की पड़ताल मे सामने आ सकता है।

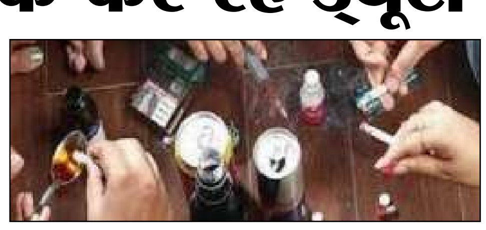

ये सुरक्षा गार्ड महिलाओं से करते है आये दिन अभद्रता

महिला अस्पताल मे ज़ब रक्षक ही शराब पीकर महिलाओं से बदतमीजी करेंगे तो आम आदमियों का क्या हाल होगा ये जनता बखूबी जान सकती है। वायरल विडिओ मे महिला मरीजों के बेड पर कई कई पुरुष बैठे देखे जा सकते है। इसकी एक एक बेड पर कई लोग एक साथ बैठे रहते हैं,इन्हें ये व्यवस्था नहीं दिखती। सूत्रो के अनुसार रात मे बेड पर मरीज के साथ वालो से ये पैसा वसूली भी करते है। मरीज के साथ उनके सहायक के लेटने की व्यवस्था भी ये कथित गार्ड बनाते है। महिला अस्पताल के वार्ड मे अगर तरीके से देखा जाये तो वार्ड के अंदर महिला गॉर्ड की अवश्यकता है ना की पुरुष गार्ड की। जब इस सन्दर्भ मे मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉक्टर सलिल श्रीवास्तव से वार्ता की गई, तो उनका कहना था कि शिकायत मिलने पर उक्त दोनो गार्डो क़ो तत्काल प्रभाव से महिला अस्पताल के ड्यूटी से हटा दिया गया है।

मुख्यमंत्री को बदनाम कर रहे हैं विधायक : राजेश

सुलतानपुर। मामला कादीपुर तहसील के विधानसभा 191के थाना दोस्तपुर निवासी पहाड़पुर बस्तीपुर राजेश गौतम पुत्र स्व. जयराज गौतम व प्रमोद कुमार तिवारी के द्वारा रात में दो जेसीबी मशीन चलवा कर पूरानी गांटा संख्या 1003 जिसका रकबा लगभग 4 विगहा है। वह बेशकीमती जमीन को कब्जा करने के लिए पुराने चकरोड को तोड़कर जमीन पर राजेश गौतम व प्रमोद कुमार तिवारी ने कब्जा कर लिया है। सूत्र बताते हैं घटना दिनांक -22-02-2025 की रात की है। सुबह जब लोगों ने देखा तो अवाक रह गए। उन्होंने दूरभाष के माध्यम से पुलिस को सूचना दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर स्थित को देखा, जिस पर अवैध खनन व कब्जा परिवर्तन किया गया है और पुलिस के द्वारा उपरोक्त लोगों के घर दबिश दिया गया। पीड़ित के द्वारा उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई गई है।आन लाइन राजेश गौतम व प्रमोद तिवारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है।

शिकायती पत्र के अनुसार राजेश गौतम पुत्र स्व.जयराज गौतम व प्रमोद कुमार तिवारी के बजरंग हनुमान मंदिर के ठाकुर की बेशकीमती जमीन रात में नया चकरोड अवैध रुप जेसीबी मशीन चलवा कर कब्जा परिवर्तन किया। बाजार की बैश कीमती सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर मकान मालिक बने घाटा संख्या 1025 नवीन परती भूमि पर आलिशान मकान तैयार कर कब्जा किया। विद्यालय की जमीन गाटां संख्या-899 रकबा 0.1850 हे. 900 रकबा 0.3950 हे.शासन व प्रशासन को आंखें दिखाते हुए पहली बार -2200अरहर की फसल नीलाम दूसरी बार अरहर की फसल 2500 रुपए नीलाम हुई तीसरी बार गुंडागर्दी करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को खुला चैलेंज देते हुए सरसों की खेती करते हुए फसल पकने के बाद जबरन अमृत लाल यादव के साथ मिलकर अपने घर उठा ले गए।

जिला गंगा समिति की बैठक का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सम्भल (बहजोई) कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में जिला पर्यावरणीय समिति/ जिला वृक्षारोपण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। ठोस अपशिष्ट एवं प्लास्टिक अपशिष्ट के संबंध में चर्चा की गयी। प्लास्टिक के प्रयोग की रोकथाम के लिए क्या कार्य किए जा रहे हैं उसकी जानकारी प्राप्त की तथा अधिशासी अधिकारी नगरपालिका सम्भल ने बताया कि उनके पेंटिंग आदि के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है तथा प्लास्टिक जप्ती करण की कार्यवाही की जाती है। जिलाधिकारी ने समस्त अधिशासी अधिकारियों नगर पालिका एवं नगर पंचायत एवं जिला पंचायती राज विभाग के संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं पॉलिथीन के विरुद्ध नगरों एवं ग्रामों में एक अभियान चलाया जाए।। बायो मेडिकल वेस्ट को लेकर भी जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राइवेट अस्पतालों की सूची लें कि कितने अस्पताल बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण नियमानुसार कर रहे हैं। ई वेस्ट को लेकर भी जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

वृक्षारोपण के अन्तर्गत जियो टैगिंग संबंधित विभागों द्वारा शत प्रतिशत कराने के निर्देश दिए। जो विभाग शत प्रतिशत आगामी बैठक से पूर्व जियो टैगिंग न कर पाये तो उनके कार्यालाध्यक्ष का वेतन रोका जाए। राजघाट बबराला पर एस . एच. जी की जोड़ना तथा प्लास्टिक का प्रयोग राजघाट पर न हो उसके लिए बर्तन खरीद तथा दुकान आवंटन के संबंध में भी चर्चा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कपड़े के बैग के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाने के लिए निर्देशित किया। एक पुष्प एवं एक पुस्तक अभियान सभी विभागों के कार्यक्रम में शत प्रतिशत लागू करने तथा श्री अन्न के प्रयोग को लेकर भी निर्देशित किया। वृक्षारोपण के अन्तर्गत हरी शंकरी वृक्षारोपण को लेकर भी दिशा निर्देशित किया। राजघाट बबराला से वालंटियर जोड़ने को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त ग्रामों में बायोमेट्रिक मशीनों को सही कराने तथा बायोमेट्रिक के माध्यम से पंचायत सहायक एवं सफाई कर्मियों की उपस्थिति लगाने को लेकर भी संबंधित को निर्देशित किया। ब्लॉक स्तर पर भी जिले पर स्थित डीपीएमयू कंट्रोल रूम के समान बीपीएमयू कंट्रोल रूम तैयार कराने को लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लेखपाल एवं ग्राम सचिव अपने तैनाती स्थल पर रहें उसको लेकर भी निर्देश दिए। खंड विकास अधिकारी द्वारा विकासखंड में की जाने वाली बैठक में स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के ब्लॉक स्तर के अधिकारी शामिल रहें उसको लेकर भी निर्देशित किया। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा एन.आर.एल. एम के अन्तर्गत सरस हाट तैयार कराने के संबंध में कलक्ट्रेट परिसर में हाइवे किनारे स्थित स्थान का निरीक्षण किया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, डीएफओ सुश्री वंदना, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाल विवाह को खत्म करने के लिए लोगों ने ली शपथ

अवधनामा संवाददाता

सम्भल। बाल अपराधों के खिलाफ जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के प्रोजेक्ट मैनेजर गौरीशंकर चौधरी सम्भल में लगातार अभियान चला रहे है इसी क्रम में मंगलवार को अभियान को गति प्रदान करते हुए प्रयत्न संस्था और जिला प्रोबेशन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण के सहयोग से पंवासा ब्लॉक के गोविंदपुर गांव में ग्राम प्रधान सुमन रानी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बाल विवाह न करने की शपथ ली इस अवसर पर संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर गौरीशंकर चौधरी ने कहा की बच्चे देश का भविष्य हैं और देश के भविष्य को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है एवं लोगों को बाल अपराधों के विषय में जानकारी देते हुए बताया की हमारे आसपास हो रहे किसी भी बाल अपराध की जानकारी संबंधित नंबरों जिसमें चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, पुलिस 112 पर दे सकते है। जिससे की जनपद सम्भल को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है इसको जड़ से खत्म करने के लिए हम सबको मिलकर आवाज उठानी होगी, इस अवसर पर ग्राम प्रधान सुमन रानी, आंगनबाड़ी राजबाला, तनवीर कौसर, वीरवती एवं टीम के फील्ड कोर्डिनेटर फरज़ंद अली वारसी, सिराज अहमद एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस ने कैमरों के साए में दी अपराधियों पर दबिश, गिरफ्तार

मथुरा। थाना रिफाइनरी पुलिस हमलावरों की गिरफ्तारी एकदम फिल्मी स्टाइल में कर रही है। तभी तो प्रत्येक हमलावर की गिरफ्तारी को एक्शन फोटो और वीडियो जारी किया जा रहा है। पुलिस के जारी किए गए फोटो और वीडियो से स्पष्ट है कि दबिश के दौरान पुलिस अपने साथ एक फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर को साथ लेकर चल रही है। तभी तो हमलावरों को नीचे दबोचते हुए, ट्रैक्टर से पकड़ते हुए का वीडियो जारी हो रहा है।

रविवार को पुलिस ने एक हमलावर को झाड़ियों में से दबोचते हुए का फोटो जारी किया। फोटो से स्पष्ट है कि पुलिस का ध्यान गिरफ्तारी की ओर कम और एक्शन फोटो और वीडियो बनाने की ओर ज्यादा दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी पुलिस ने एक ऐसा ही वीडियो जारी किया। इस वीडियो में पुलिस कर्मी ट्रैक्टर पर बैठे आरोपी को पकड़ते दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में एक पुलिसकर्मी तो हमलावरों को गिरफ्तार करते समय हंसता हुआ दिख रहा है। इससे साफ प्रतीत होता है कि पुलिस की दबिश के नाम पर वीडियो और फोटो शूट किया जा रहा है।

वार्षिक उत्सव में विद्यालय के छात्र छात्राओं ने मचाया धमाल

अवधनामा संवाददाता

महोबा। माधव इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। वार्षिक उत्सव के मौके पर स्कूली बच्चों के द्वारा गीत संगीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई, जिसे देख कर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। शाम को 4:30 बजे से 7:30 बजे तक चले गीत संगीत के कार्यक्रम और नृत्य का दर्शकों ने आनंद लिया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां सम्पन्न हुई। जिनमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पारंपरिक नृत्य, भक्ति गीत, शास्त्रीय एवं बॉलीवुड नृत्य, नाट्य मंचन और अन्य आकर्षक प्रस्तुतियां इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। छात्रों द्वारा प्रस्तुत ओ माई फ्रेंड गनेशा, मी हेप्पी कोली, गॉड एंड गॉडिस फैशन वॉक, महाभारत नाट्य मंचन में मैं निकला गड्डी लेके गीत की छात्राओं द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। इसके बाद छात्र छात्राओं द्वारा राज्य स्थानी नृत्य और रेट्रो डिस्को जैसी शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथियों ने छात्र छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में विद्यालय द्वारा किए जा रहे शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रयासों की सराहना की।उन्होंने छात्रों की प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान किया, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोषागार के देव कुमार यादव, राकेश कुमार शुक्ल, सरदार जसपाल सिंह एवं सरदार अमरजीत सिंह, सेवक गुरु मौजूद रहे।

दो पक्षों में जमीनी विवाद को लेकर कुल्हाड़ी, लाठी डंडे चले

- हिंसक घटना में पांच महिलाएं घायल, थाने में रिपोर्ट दर्ज

अवधनामा संवाददाता

महोबा। थाना खन्ना के ग्राम तमौरा में जमीनी विवाद को लकर दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे और कुल्हाड़ी चली, जिससे पांच महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी घायलों को नाजुक हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कबरई पहुंचाया गया। पुलिस ने दोनो पक्षों की तरफ से रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। ग्राम तमौरा निवासी विमला और उसकी पुत्रियां संतोषी, आशू, विमलेश और रीना खेत में होला खाने के लिए गई थी। जहां पर पहले से मौजूद परिवार के लोगों ने खेत की मेड़ पर कब्जे को लेकर विवाद शुरू कर दिया। विवाद बढने पर परिवार के लोगों ने महिलाओं पर लाठी-डंडे, कुल्हाड़ी और हसिया से हमला कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घायल महिलाओं को गंभीर हालत में सीएचसी कबरई में भर्ती कराया गया। पीड़ित परिवार ने खन्ना थाना पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की। खन्ना पुलिस द्वारा कार्रवाई न करने पर महिलाएं एसपी कार्यालय पहुंचीं। पीड़ितों का आरोप है कि दबंग आरोपी उन्हें लगातार धमकियां दे रहे हैं। खन्ना थाना प्रभारी विनोद कुमार सरोज ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच खेत की मेड़ से निकलने को लेकर विवाद हुआ। एक पक्ष से पांच और दूसरे पक्ष से एक महिला घायल हुई है। दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। घटना की जांच सबइंस्पेक्टर को सौंप दी गई है। घायलों का डॉक्टरी परीक्षण भी कराया गया है, डॉक्टरी रिपोर्ट आने के बाद धाराएं भी बढ़ाई भी जा सकती है।

निशुल्क जल प्याऊ का संचालन पुण्य कार्य

मथुरा। महानगर के भरतपुर गेट चौराहा स्थित पुलिस चौकी पर भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी की छोटी बहन स्वर्गीय श्रीमती अनीता चतुर्वेदी की स्मृति में आज बारहमासी प्याऊ का पुनः निर्माण करा कर शुभारंभ सूहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि राजवीर सिंह शर्मा कोतवाल देवपाल पुंडीर जी राष्ट्रीय महासचिव लक्ष्मण चौधरी भरतपुर गेट चौकी इंचार्ज प्रदीप मिश्रा जी द्वारा किया गया।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि राजवीर सिंह भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय महासचिव लक्ष्मण चौधरी ने कहा किसान नेता पवन चतुर्वेदी की छोटी बहन स्वर्गीय श्रीमती अनीता चतुर्वेदी की स्मृति में इस प्याऊ का पुनः निर्माण कराया गया है बहिन स्वर्गीय श्रीमती अनीता चतुर्वेदी सामाजिक कार्यों में रुचि रखती थी कहा मथुरा महानगर में जनता की सुविधा के लिए सभी समाजसेवी व्यापारी राजनेता आगे आकर ऐसे पूर्ण कार्य करें जिससे जनता को लाभ हो अब गर्मी शुरू होने वाली है मथुरा महानगर में जगह-जगह पीने के पानी की प्याऊ लगाई जाए।

वेंकटेश्वरा लायंस बना ऐतिहासिक लीजैण्ड लीग क्रिकेट 2025 (एल एल सी टेन 10 का चैम्पियन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ/अमरोहा। वेंकटेश्वरा परिसर में पहुचने पर खिलाडियों को ओपन जीप में बैठाकर ढोल-नगाड़ों की थाप पर एवं पुष्प वर्षा कर आडिटोरियम तक ले जाया गया, जहाँ सारेगामापा मुम्बई के मशहूर सिंगर विजयप्रकाश के गानों की धुन पर विजेता टीम ने जमकर धमाल किया।

-लखनऊ के के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में फाइनल मुकाबले में ब्रज वारियर मथुरा की टीम को 6 विकेट से रौंदकर एलएलसी टेन-10 क्रिकेट लीग -2025 की बादशाह बनी वेंकटेश्वरा लायंस की टीम को डिप्टी सी.एम. केशव मौर्य ने ट्राफी के साथ दस लाख की नगद पुरस्कार दिया।

-टूर्नामेंट में करोड़ों के ईनाम में दस लाख की इनामी राशि, चमचमाती निशान कार, एक दर्जन से अधिक इलेक्ट्रॉनिक बाइक के साथ वेंकटेश्वरा के संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने पांच लाख रूपये की राशि अलग से खिलाडियों को प्रोत्साहन के रूप में दी। -हमे अपने खिलाडियों पर नाज़ है डा श्री सुधीर गिरि संस्थापक अध्यक्ष वेंकटेश्वरा समूह एवं ऑनर वेंकटेश्वरा लायंस क्रिकेट टीम।

-भारत में क्रिकेट सिर्फ एक खेल नही है बल्कि यह एक सर्वमान्य रिलिजन / धर्म है डा. राजीव त्यागी आधिकारिक प्रतिनिधि समूह अध्यक्ष एवं प्रतिकुलाधिपति श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान।

-आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय /संस्थान में पिछले दस दिनों से लखनऊ में चली आ रही राष्ट्रीय स्तर की टेनिस बाल क्रिकेट लीग लीजैण्ड लीग क्रिकेट-2025 (एलएलसी टेन-10) का ओवर आल चैम्पियन बनने पर वेंकटेश्वरा लायंस टीम का संस्थान परिसर में जोरदार स्वागत किया गया। इसके अलावा इस जीत से गदगद इनामी राशि दस लाख के साथ अलग से समूह अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने पांच लाख रूपये टीम को अपनी ओर से प्रदान किये।

-मशहूर पार्श्व गायक विजय प्रकाश ने इस अवसर पर बालीवुड के एक से एक बढ़कर एक तराने पेश कर समारोह को यादगार बना दिया। समूह अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने आई.पी.एस. अमित कुमार आनंद एवं प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी के साथ मिलकर विजेता खिलाडियों को सम्मानित किया।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

हरदोई। विवेकानन्द सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति व जिला गंगा समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण लक्ष्य के अनुरूप तैयारी प्रारंभ कर दी जाए। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया कि शहर में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए। गंगा किनारे स्थित ग्रामों में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाए। पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक किया जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, जिला पंचायतराज अधिकारी विनय सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, वन विभाग तथा सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कच्ची एवं अवैध शराब के खिलाफ चला अभियान

सुल्तानपुर। जिलाधिकारी एवं उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निर्देशानुसार, राजेश कुमार तिवारी जिला आबकारी अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी सदर व क्षेत्राधिकारी सदर सुल्तानपुर के निर्देशन में संजय कुमार मिश्रा आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 1 सदर सुल्तानपुर ने टिम के साथ अवैध कच्ची शराब के खिलाफ अभियान चलाया।आबकारी निरीक्षक द्वारा मय स्टाफ संकेत राय प्र आ सि, अंकित शर्मा आ.सि, ओमवीर आ सि, राजीव शुक्ला आ.सि द्वारा ग्राम बेचू खा का पुरवा , रानी की बगिया, पांचों पीरन में दबिश दी गई। मौके पर 03 अभियोग पंजीकृत करते हुए 71 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। लगभग 150 किलो लहन बरामद की गई जिसे मौके पर नष्ट किया। 01 अभियुक्त को मौके पर गिरफ्तार किया गया।

संभल में अधिवक्ताओं ने सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की निकाला जुलूस

संभल। अधिवक्ताओं ने विशाल जुलूस निकालकर सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की बार कांउसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर जिला बार एसोसिएशन संभल के अधिवक्ताओं ने विशाल जुलूस निकालकर सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की है तथा अधिवक्ताओं ने कहा है की सरकार अधिवक्ता संशोधन बिल 2025 को वापस लेना होगा अधिवक्ता इस काले कानून को लागू नहीं होने देंगे अधिवक्ताओं ने सरकार को चेतावनी दी है कि सरकार अधिवक्ताओं से टकराने की कोशिश ना करें अन्यथा सरकार की विदाई होनी तय है अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर उपनिबंधक कार्यालय एवं जिला कोषागार के तालेबंदी की इस दौरान एडवोकेट ललित कुमार गुर्जर द्वारा बताया गया कि एडवोकेट रंजीत सिंह, अनुज राजोरिया, सोनू सैनी, विशाल कुमार, गौरव सागर, मोहम्मद सेफ, संसार सिंह एडवोकेट , मोहम्मद इस्लाम एडवोकेट, उमर अल्वी एडवोकेट, याहिया खान एडवोकेट, कमलेश एडवोकेट, निशा खान ,रुचि एडवोकेटआदि अधिवक्ता शामिल हुए।

खुले कुट्टू के आटे के विक्रय/भंडारण किया प्रतिबंधित

मथुरा। आगामी शिवरात्रि एवं होली पर्व के दृष्टिगत रखते हुए, लगातार खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों के द्वारा कार्रवाई किए जाने से जनपद के खाद्य एवं पेय पदार्थ विक्रेताओं में हड़कंप मचा हुआ है। त्योहारों पर आम जनता को स्वच्छ व गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय धीरेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा पुलिस बल के साथ बरसाना क्षेत्र में स्थित दूध की डेयरियों पर छापामार कार्रवाई की गई।

हाथिया गाँव (बरसाना) में संचालित कैलाश डेयरी पर छापामार कार्यवाही कर पनीर व घी का एक-एक नमूना, रूपनगर स्थित भोला डेयरी से पनीर का एक नमूना, बरसाना स्थित उमेश डेयरी से स्किम्ड मिल्क का एक नमूना संग्रहित किया गया। सचल दल में मोहर सिंह कुशवाह, भरत सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरूण कुमार व दलवीर सिंह द्वारा शहर के होलीगेट, कोतवाली रोड, जवाहरगंज, कलेक्टर गंज बाजार में सघन निरीक्षण कर कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा के एक-एक नमूने संग्रहित किये गये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दलवीर सिंह द्वारा राया से मिश्रित दूध का एक नमूना तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार द्वारा कोसीकलां मथुरा से कुट्टू का आटा व सिंघाड़ा का आटा का एक-एक नमूना संग्रहित किया गया। उपरोक्त सभी खाद्य नमूनों को जाँच हेतु राजकीय प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है।

मोबाइल पर अनजान नम्बर से कॉल आया

- पति ने पत्नी की लाठी डंडो से पिटाई कर किया लहूलुहान
- महिला ने पति के खिलाफ पुलिस अधिकारियों से की शिकायत

अवधनामा संवाददाता

महोबा। चरखारी कोतवाली के जयंत नगर में पति ने अपनी पत्नी को बेरहमी से पीट दिया। पत्नी के मोबाइल पर अनजान नंबर से आई कॉल को लेकर पति को शक हो गया। इसी बात पर उसने पत्नी सोनम पर लाठी-डंडे से हमला कर लहूलुहान कर दिया। पीड़िता ने कोतवाली चरखारी में पति के खिलाफ तहरीर दे दी है।

जयंत नगर निवासी सोनम ने पुलिस अधिकारियों को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि पहले पति ने जमकर मार पीट की इसके बाद भी गुस्सा शांत नही हुआ तो उसने लाठी डंडो से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। पहरजनों ने उसे नाजुक हालत में जिला अस्पताल महोबा के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। जहां से उसे वार्ड में उसे भेज दिया है।

खून से लतपथ महिला ने रोते हुए पति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि अभी तक महिला ने कोई शिकायती पत्र नही दिया है। उनका कहना है कि शिकायती पत्र मिलने पर पति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उधर जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला का उपचार शुरू कर दिया है। पति का गुस्सा नहीं उतरा। उसने फिर से हमला कर दिया और इतनी बुरी तरह मारा कि वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तुरंत जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ले गए।

खून से लथपथ महिला ने रोते हुए अपने पति की करतूत बताई और कार्रवाई की मांग की है। शहर कोतवाली प्रभारी का कहना है कि अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलते ही कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल डॉक्टर महिला का इलाज कर रहे हैं।

पं. राकेश शुक्ला के निधन पर जताया शोक

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। ललितपुर में जन आकांक्षाओं का प्रतीक बन चुके सरल, सहृदय, सबको साथ लेकर चलने वाले, सकारात्मक और सर्वप्रिय पत्रकार पं.राकेश शुक्ला के आकस्मिक निधन से पूरा ललितपुर शोकाकुल है। इस दुःख की घड़ी में हमारा संगठन दिवंगत महापुरुष के परिवार के साथ है। एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन दिवाकर हाउस पर आयोजित किया गया। जिसमें वक्ताओं ने दिवंगत आत्मा को सच्चा जन हितैषी पत्रकार बताया और पुष्पांजलि अर्पित की। दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मशान्ति की कामना की गयी और दुःखी परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना ईश्वर से की गयी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे। इस दौरान जाकिरराज चौहान, फहीम बख्श, रविन्द्र दिवाकर, राजाराम यादव, शमीम खान, हसीब खां वकील, परशुराम झा, अभिषेक बाजपेयी, वेदप्रकाश लिटौरिया, सजल दिवाकर, नाजिर बेग, इशरार खां नीटू, महेन्द्र कुमार दिया, शिशुपाल यादव, बलराम, युसुफ खान, शहनाज, शिशुपाल अहिरवार, इमरत, मो.आसिफ एड., रामस्वरूप पाठक आदि मौजूद रहे।

शहजाद नदी पर गैवियन वाल का निर्माण कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण

ललितपुर। नगर के सौंदर्य को लेकर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी बेहद संजीदा हैं, जिसके तहत उन्होंने नगर क्षेत्र में अनेकों विकासपरक प्रोजेक्ट प्रारंभ कराये हैं, जिसके अंतर्गत शहजाद नदी की तलहटी में गैवियन वॉल का निर्माण कराया जा रहा है, जो लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। इसके बाद सुंदरीकरण का कार्य भी कराया जाएगा, जिसके पूर्ण होने पर शहजाद नदी एक नए रुप में नजर आयेगी। उक्त कार्य का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने शहनाज नदी का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए नदी की चौड़ाई पर 1.5 फीट की टॉ-वाल बनाने के निर्देश दिये, ताकि नदी में पानी का भराव हो सके और गोविन्द सागर बांध के गेट खुलने पर किसी भी प्रकार की क्षति को रोका जा सके। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि निर्माण कार्य के तहत दो सीढ़ीनुमा वाल बनकर तैयार हो गई है, तीसरी वाल के लिए मिट्टी का भराव किया जा रहा है। इसके बाद सुंदरीकरण का कार्य किया जाएगा। इस कार्य का मुख्य उद्देश्य शहजाद नदी से कटान को रोकना है, जिसके लिए यह पत्थरों की दीवार बनाई जा रही। गेवियन वाल के बन जाने से नदी का सौंदर्य बढ़ेगा और लोगों को टहलने व बैठने के लिए, मनोरम वातावरण उपलब्ध होआ, साथ ही लोग सीधे इस पुल से दूसरे पुल तक आवागमन कर सकेंगे। जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पालिका परिषद द्वारा शहजाद नदी का 40 लाख रुपये से सुंदरीकरण कराया जा रहा है, जिसके अंतर्गत गेवियन वाल (जाली लगाकर पत्थर की दीवार) बनाई जा रही है। यह नदी की तलहटी से तीन मीटर ऊंचाई व 4.6 मीटर चौड़ाई और इस पुल से दूसरे पुल तक 205 मीटर लंबाई में बनाई जा रही है। बताया जा रहा है कि इसका कार्य मार्च तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस अवर पर नपा कर निर्धारण अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद, सहायक अभियंता आशीष दूरबार एवं अन्य सम्बंधित उपस्थित रहे।

पेंशन बुढ़ापे की है कर्मचारी की लाठी : प्रदीपिका

मथुरा। अटेवा पेंशन बचाओ मंच इकाई मथुरा की जिलाध्यक्ष फौजदार ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के नेतृत्व में राष्ट्रीय आह्वान पर 25 फरवरी से 10 मार्च तक देशभर में सांसदों को ज्ञापन दिया जाएगा। उन्होंने कहा की पुरानी पेंशन कर्मचारी का हक है जो बुढ़ापे में एक लाठी के रूप में सहारे के रूप में कर्मचारी के साथ रहेगी। जिला संरक्षक शैलेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि 15 मार्च से 31 मार्च तक स्कूल, कालेज व कार्यालयों में सम्पर्क व संवाद करते हुए एनपीएस/ यूपीएस के दुष्परिणाम से शिक्षकों , कर्मचारियों व अधिकारियों में जागरूकता को अभियान चलाया जाएगा। जिला उपाध्यक्ष कमान सिंह ने बताया कि 1 अप्रैल को काला दिवस मनाया जाएगा जिसमें एनपीएस एवं यूपीएस के विरोध में शिक्षक एवं कर्मचारी काली पट्टी बांध कर जिलाधिकारी को प्रधानमंत्री जी को संबोधित ज्ञापन सौंपा दिया जाएगा।

प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने दिया ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के तत्वाधान में अपार आईडी बनाने में विद्यालयों को आ रही समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से महानिदेशक स्कूल शिक्षा लखनऊ को भेजा गया। प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने ज्ञापन में मांग की है की अपार आईडी बनाने में विद्यालयों को आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए शिक्षा विभाग को सकारात्मक पहल करनी चाहिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी के साथ साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, नगर शिक्षा अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को भी ज्ञापन दिया गया। एसोसिएशन जिलाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालय में पंजीकृत सभी बच्चों की अपार आईडी यू डाइस पोर्टल पर तैयार की जा रही है। बहुत से विद्यालयों को अपार आईडी बनाने में समस्याएं आ रही हैं। इन्हीं समस्याओं को लेकर अपनी मांगों के साथ आज प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट के एसोसिएशन साथियों ने महानिदेशक स्कूली शिक्षा को एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा है। एसोसिएशन के जिला महामंत्री ध्रुव साहू ने बताया की अपार आईडी बनाने से पहले विद्यालयों को किसी प्रकार का प्रशिक्षण नहीं कराया गया। जिसके कारण अपार आईडी बनाने में बहुत से स्कूलों को दिक्कत आ रही है। उन्होंने बताया कि बच्चों के विद्यालय नामांकन एवं आधार कार्ड के विवरण में अंतर होने के कारण अपार आईडी जेनरेट नहीं हो रही है। उन्होंने कहा आधार कार्ड मे संशोधन या अपडेट करने हेतु आधार केंद्रों पर अत्यधिक भीड़ होने के कारण आधार अपडेशन का काम भी नहीं हो पा रहा है। अभिभावकों की उदासीनता, बच्चों के दस्तावेजों में जानकारी में अंतर एवं विभागीय सहयोग न मिल पाने के कारण अपार आईडी बनाने का काम नहीं हो पा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन एवं बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश से मांग की कि एक बार यू डाइस पर बच्चों के विवरण में संशोधन का अधिकार विद्यालय को दिया जाना चाहिए इसी से समस्या का हल संभव है और शीघ्र ही अपार आई डी के काम को पूर्ण किया जा सकेगा। एसोसिएशन के संयोजक अक्षय अलया ने कहा की जनपद में आधार अपडेट के लिए उपलब्ध मशीनों को नगर क्षेत्र कार्यलय में स्थापित किया जाए, जिससे अभिभावकों को आधार अपडेट करने की सुविधा मिल सके। डी एस विवेक ने कहा कि अपार आईडी अभिभावक की सहमति के आधार पर तैयार की जा सकती है।

बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को कर्नाटक हाई कोर्ट ने दिया झटका, याचिका हुई खारिज

बंगलुरू। हाई कोर्ट ने कहा कि मामले में प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं जो जांच की आवश्यकता को दर्शाते हैं। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर लक्ष्य और चिराग सेन के जन्म प्रमाण पत्र में करीब दो साल छह महीने की उम्र घटा दी जिससे वे आयु-सीमित बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग ले सकें।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को कर्नाटक हाई कोर्ट ने झटका दिया है। दरअसल, जन्म प्रमाण पत्र में हेराफेरी के आरोप में कर्नाटक हाई कोर्ट ने लक्ष्य, उनके परिवार और कोच विमल कुमार द्वारा याचिकाओं को खारिज कर दिया है। एम. जी. नागराज ने खिलाड़ी पर हेराफेरी कर फर्जी दस्तावेज पेश करने के आरोप लगाते हुए एक निजी शिकायत की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि लक्ष्य सेन के माता-पिता धीरेंद्र और निर्मला सेन, उनके भाई चिराग सेन, कोच यू विमल कुमार और कर्नाटक बैडमिंटन संघ के एक कर्मचारी ने जन्म रिकॉर्ड में फर्जीवाड़ा किया है।

हाई कोर्ट ने जांच के आदेश दिए

हाई कोर्ट ने कहा कि मामले में प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं जो जांच की आवश्यकता को दर्शाते हैं। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर लक्ष्य और चिराग सेन के जन्म प्रमाण पत्र में करीब दो साल छह महीने की उम्र घटा दी जिससे वे आयु-सीमित बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग ले सकें और सरकारी लाभ प्राप्त कर सकें। नागराज ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत प्राप्त दस्तावेजों के साथ अपना दावा पेश किया और न्यायालय से भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) तथा खेल मंत्रालय से मूल रिकॉर्ड तलब करने का अनुरोध किया। हाई कोर्ट ने हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने को मामले की जांच के आदेश दिए।

अधिक समय देने से किया इन्कार

अदालत के निर्देश के बाद, पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (जालसाजी) और 471 (नकली दस्तावेजों को असली के रूप में इस्तेमाल करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की। हालांकि, याचिकाकर्ताओं ने 2022 में कर्नाटक हाई कोर्ट का रुख किया, जिससे एक अंतरिम आदेश प्राप्त हुआ जिसने जांच को रोक दिया। न्यायमूर्ति एम. जी. उमा ने याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं के वकील को पर्याप्त अवसर दिए गए, लेकिन उन्होंने अपनी दलीलें पेश नहीं कीं। न्यायाधीश ने अधिक समय देने से भी इन्कार कर दिया।

भारतीय महिला हॉकी टीम को प्रो लीग के मैच में मिली हार, ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड ने दी मात

भुवनेश्वर। नीदरलैंड के लिए एम्मा रीजन (सातवें मिनट), फेलिस एल्बर्स (34वें, 47वें मिनट) और फे वैन डेर एल्स्ट (40वें मिनट) ने गोल दागकर जीत हासिल की। भारत के लिए दोनों गोल उदिता (18वें और 42वें मिनट) द्वारा पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए। भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग मैच में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को गोल करने के बेहतर मौके मिले जिसमें उसे 13 पेनल्टी कॉर्नर, जबकि नीदरलैंड को सिर्फ तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले। लेकिन भारत मौकों का फायदा नहीं उठा सका। नीदरलैंड के लिए एम्मा रीजन (सातवें मिनट), फेलिस एल्बर्स (34वें, 47वें मिनट) और फे वैन डेर एल्स्ट (40वें मिनट) ने गोल दागकर जीत हासिल की। भारत के लिए दोनों गोल उदिता (18वें और 42वें मिनट) द्वारा पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए। यह भारत की अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया का 300वां

अंतरराष्ट्रीय मैच था। रीजन ने सातवें ही मिनट में रिवर्स हिट से उन्हें पछाड़ते हुए गोल कर दिया। भारतीय टीम ने जल्द ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, पर दोनों ही बेकार गए।

भारतीयों ने दूसरे क्वार्टर में भी तेजी बनाए रखी और दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए जिनमें से दूसरे को उदिता ने गोल में बदला। नीदरलैंड ने 25वें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन भारत ने मजबूती से बचाव किया। लेकिन छोर बदलने के चार मिनट बाद एल्बर्स ने ढीली गेंद पर कुछ भारतीय डिफेंडरों को चकमा देते हुए दूसरी भारतीय गोलकीपर बीचू देवी खारीबाम को पीछे छोड़ते हुए एक बेहतरीन रिवर्स हिट के साथ गोल करके नीदरलैंड को 2-1 की बढ़त दिला दी।

इसके बाद वैन डेर एल्स्ट ने मैदानी गोल से नीदरलैंड की बढ़त मजबूत की। उदिता ने 42वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर को कम किया। एल्बर्स ने 47वें मिनट में एक और बेहतरीन मैदानी गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित कर दी जो उनका दिन का दूसरा गोल था।

कोहली से बेहतर वनडे खिलाड़ी नहीं देखा, रिकी पोंटिंग ने विराट की तारीफ में पढ़े कसीदे

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने वनडे में कोहली से बेहतर खिलाड़ी नहीं देखा है। पोंटिंग का मानना है कि कोहली 50 ओवर के प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ने में सफल होंगे। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रनों की पारी खेली थी। यह उनके वनडे करियर का 51वां शतक था।

कोहली पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान सबसे तेजी से वनडे में 14000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने इस मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया था। कोहली दुनिया के तीसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने इस प्रारूप में 14000 रनों का आंकड़ा छूआ है। उनके अलावा सचिन और श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा ही इस उपलब्धि तक पहुंचे हैं। कोहली के वनडे में फिलहाल 14085 रन हैं और वह

सचिन से 4341 रन पीछे हैं। सचिन के नाम वनडे में 18426 रन बनाने का रिकॉर्ड है।

पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू कार्यक्रम में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने कोहली के अलावा वनडे में इतना अच्छा खिलाड़ी देखा है। उन्होंने रन बनाने के मामले में मुझे पीछे छोड़ दिया है और अब उनसे दो बल्लेबाज ही आगे हैं। मुझे यकीन है कि वह चाहेंगे कि उनका नाम सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे।

पोंटिंग का कहना है कि कोहली के लिए यह असंभव कार्य नहीं है। उन्होंने कहा, शारीरिक रूप से कोहली फिट हैं और वह अपने खेल पर काफी मेहनत भी कर रहे हैं। कोहली लंबे समय से काफी अच्छा कर रहे हैं, लेकिन सचिन को पीछे छोड़ने के लिए उन्हें अभी भी 4000 रन और बनाने हैं। यह दिखाता है कि सचिन कितने शानदार बल्लेबाज थे, लेकिन यह इसलिए भी था क्योंकि वह लंबे समय तक इस खेल को खेलते रहे। कोहली जैसे खिलाड़ी को आप नजरअंदाज नहीं कर सकते। उनमें रन बनाने की भूख बाकी है, इसलिए जब बात सचिन को पीछे छोड़ने की हो तो मैं उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता।

पोंटिंग ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में कोहली अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं।

टॉप्स खिलाड़ियों को इस ओलंपिक सत्र में भत्ते में बढ़ोतरी, लेकिन हर छह महीने पर समीक्षा

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के एक सदस्य ने बताया, कोर समूह अगले ओलंपिक यानी 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का अल्पकालिन लक्ष्य लेकर बनाया गया है जबकि डेवलपमेंटल समूह 2032 ओलंपिक और शायद 2036 को ध्यान में रखकर बनाया गया है। खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के लिए चुने गए खिलाड़ियों को इस ओलंपिक चक्र में अभ्यास और विदेश में स्पर्धाओं के दौरान मिलने वाले भत्ते में बढ़ोतरी की जाएगी, लेकिन उन्हें हर छह महीने में समीक्षा की प्रक्रिया के तहत शारीरिक और मनोवैज्ञानिक टेस्ट देने होंगे। टॉप्स का कोर समूह 179 से घटाकर 94 कर दिया गया है और डेवलपमेंटल सूची में 112 खिलाड़ी हैं। एक ओलंपिक चक्र पूरा होने के

बाद यह आम रूटीन होता है लेकिन तैराकी, स्क्वॉश, गोल्फ और टेनिस जैसे खेलों का कोर सूची में नाम नहीं है । कोर समूह में 52 पैरा एथलीट और 42 सामान्य एथलीट हैं। पेरिस पैरालम्पिक में भारत ने सात स्वर्ण समेत 29 पदक जीतकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। सूची में शामिल खिलाड़ियों को विदेश में अभ्यास या स्पर्धा के दौरान 25 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन और 50000 रूपये (कोर समूह) और 25000 रूपये (डेवलपमेंटल समूह) महीना दिया जाएगा।

भारतीय खेल प्राधिकरण के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के एक सदस्य ने बताया, कोर समूह अगले ओलंपिक यानी 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का अल्पकालिन लक्ष्य लेकर बनाया गया है जबकि डेवलपमेंटल समूह 2032 ओलंपिक और शायद 2036 को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

सूत्र ने कहा, हम यह भी कोशिश कर रहे हैं कि चोटों में कमी आए। इसके लिए नियमित तौर पर शारीरिक और मनोवैज्ञानिक टेस्ट होंगे। पहले भी टेस्ट होते थे, लेकिन अब हमने अवधि तय कर दी है और ये टेस्ट अनिवार्य होंगे।% कोर सूची में कोई पुरूष मुक्केबाज नहीं है और एथलेटिक्स में भी तीन (पिछली बार से 27 कम) ही जगह बना सके हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे बैडमिंटन खिलाड़ी के श्रीकांत और अश्विनी पोनप्पा के अलावा भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी सुमित नागल भी इससे बाहर हो गए हैं।

रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी और भारोत्तोलक मीराबाई चानू इसमें जगह बनाने में कामयाब रही हैं जो हैरानी की बात है।

16 साल में पहली बार ग्रुप चरण से बाहर हुई मेजबान टीम

नई दिल्ली। गत चैंपियन और मेजबान पाकिस्तान का सफर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ग्रुप चरण में ही थम गया है। न्यूजीलैंड की बांग्लादेश पर पांच विकेट से जीत के साथ ही पाकिस्तान की सभी उम्मीदें खत्म हो गई और ग्रुप ए से भारत तथा न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तान टीम शुरुआत के दोनों ही मुकाबले में चुनौती पेश नहीं कर सकी और उसने कई गलतियां की जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। दिलचस्प बात यह है कि 19 फरवरी को इस आईसीसी टूर्नामेंट की शुरुआत हुई और छह दिन बाद ही मेजबान टीम का सफर खत्म हो गया। पाकिस्तान को टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उस वक्त झटका लगा था जब उसके स्टार ओपनर सईम अयूब चोट से उबर नहीं सके और चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए।

तन्मय भट्ट का ट्विटर अकाउंट हुआ हैक, यूट्यूबर ने फैंस को किया सचेत

मुंबई। अकसर ही बॉलीवुड सेलिब्रिटी के ट्विटर अकाउंट हैक होने की खबरें आती रहती हैं। अब इस लिस्ट में यूट्यूबर भी शामिल होने लगे हैं। हाल ही में फेमस यूट्यूबर, स्टैंडअप कॉमेडियन तन्मय भट्ट का ट्विटर अकाउंट भी हैक हुआ है।

तन्मय भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम के जरिए जानकारी दी कि उनका ट्विटर अकाउंट हैक हो गया है। ऐसे में उनके ट्विटर अकाउंट पर कोई मैसेज नजर आए, जिस पर उनकी तरफ से कुछ लिखा गया हो? तो उसे सच ना माना जाए। उस बात को अवॉयड किया जाए। आगे इंस्टाग्राम पोस्ट में तन्मय बताते हैं कि उनका ट्विटर अकाउंट हैक हो चुका है। तन्मय भट्ट ने अपने फैंस को यह भी बताया है कि वह कोशिश कर रहे हैं कि ट्विटर अकाउंट का एक्सेस उनके पास जल्द आ जाए। इसके लिए वह कोशिश कर रहे हैं।

श्रद्धा कपूर से लेकर शाहरुख खान तक इन स्टार्स ने मुंबई में ली प्रॉपर्टी

नई दिल्ली। साल 2025 में कई बड़े स्टार्स ने प्रॉपर्टी खरीदी है। कुछ

लोगों ने किराए पर प्रॉपर्टी ली है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

हाल ही में बॉलीवुड की कई हस्तियों ने मुंबई में प्रॉपर्टीज खरीदी हैं। इनमें से कुछ ने तो अपने रहने के लिए फ्लैट खरीदे हैं, तो कुछ ने कारोबार के लिए किराए पर प्रॉपर्टी ली है। जिन लोगों ने प्रॉपर्टी खरीदी हैं उनमें वरुण धवन, श्रद्धा कपूर, आलिया भट्ट, शाहरुख खान और अमृता सिंह शामिल हैं।

वरुध धवन और उनके परिवार ने 86.92 करोड़ रुपये में एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। उन्होंने मुंबई के जुहू में अपनी बीवी नताशा धवन के साथ मिलकर इसे खरीदा है। उनका अपार्टमेंट 7वें माले पर है।

श्रद्धा कपूर ने अपने पिता शक्ति कपूर के साथ मिलकर मुंबई में 6.24 करोड़ रुपये में एक अपार्टमेंट खरीदा है। उन्होंने यह अपार्टमेंट 13 जनवरी 2025 को खरीदा था। यह अपार्टमेंट मुंबई के पिरामल महालक्ष्मी साउथ टावर में है।

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने हाल ही में प्रोडक्शन कंपनी %इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन% के लिए मुंबई में एक अपार्टमेंट किराए पर लिया है। इस अपार्टमेंट का किराया 9 लाख रुपये महीने है। यह अपार्टमेंट मुंबई के बांद्रा इलाके में मौजूद पाली हिल इलाके में वास्तु बिल्डिंग की छठवें महले पर है।

शाहरुख खान ने भी एक अपार्टमेंट लीज पर लिया है। शाहरुख खान ने पाली हिल एरिया में 8.67 करोड़ रुपये में अपार्टमेंट किराए पर लिया है। शाहरुख ने एक डुप्लेक्स एक्टर प्रोड्यूसर जैकी भगनानी और दूसरा डुप्लेक्स फिल्म निर्माता वाशु भगनानी से लिया है।

एक्टर सैफ अली खान की पूर्व पत्नी और अभिनेत्री अमृता सिंह ने मुंबई के जुहू में एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। उन्होंने 22.26 करोड़ रुपयों में मुंबई के अंधेरी वेस्ट में अपार्टमेंट खरीदा है।

पहले तकरार, फिर इंकार और आखिर में प्यार, कुछ ऐसी है हीरो नंबर वन की प्रेम कहानी

नई दिल्ली। पिछले दिनों गोविंदा की पत्नी सुनीता ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में कई इंटरव्यू में बात की। इस दौरान उन्होंने अपनी लव स्टोरी भी साझा की। कब और कैसे हुआ था गोविंदा और सुनीता को प्यार? गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादी को लगभग 37 साल हो चुके हैं। इस बॉलीवुड कपल की लव मैरीज हुई थी। हाल ही में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने अपनी लव स्टोरी के बारे में एक इंटरव्यू में जिक्र किया था। इनकी लव स्टोरी बिल्कुल फिल्मी रही है, जानिए।

गोविंदा के मामा के घर पर मिले

गोविंदा के मामा और सुनीता की बहन की शादी हुई थी। ऐसे में सुनीता अपनी बहन के घर आया करती थी और गोविंदा अपने मामा के साथ ही रहा करते थे। वह तीन साल तक मामा के पास रहे। यही पर इन दोनों की मुलाकात होती थी। लेकिन

सुनीता और गोविंदा को पहली नजर में प्यार नहीं हुआ। इनकी लव स्टोरी में वैसे ही उतार-चढ़ाव रहे, जैसे किसी हिंदी फिल्म में होते हैं।

खूब होता करता था झगड़ा

सुनीता और गोविंदा शुरुआत में एक-दूसरे को पसंद नहीं करते थे। सुनीता ने अपने इंटरव्यू में बताया कि गोविंदा विरार का देसी लड़का था और वह हाई सोसायटी में रहने वाली लड़की। ऐसे में इनके विचार एक-दूसरे नहीं मिलते थे। ये दोनों आपस में खूब लड़ा करते थे। गोविंदा को सुनीता का वेस्टर्न ड्रेस पहनना पसंद नहीं था।

जब प्यार का अहसास हुआ

गोविंदा और सुनीता में बस एक ही बात कॉमन थी कि दोनों को डांस से प्यार था। गोविंदा के मामा दोनों को डांस कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने के लिए मोटिवेट करते थे। कई बार फैमिली फंक्शन में डांस कॉम्पिटिशन होता तो सुनीता इसमें जीत जाती। एक बार तो सुनीता ने कहा था कि गोविंदा को डांस करना उन्होंने ही सिखाया है। आगे चलकर दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया।

परिवार ने पकड़ लिया लव लेटर

प्यार हुआ तो गोविंदा और सुनीता ने एक-दूसरे को खूब लव लेटर लिखे। इन लव लेटर को पहुंचाने का काम सुनीता का भाई किया करता था। एक दिन एक लव लेटर, गोविंदा की मां के हाथ लगा। इस लेटर में सुनीता ने गोविंदा से शादी करने का जिक्र किया। यह बात घरवालों को पता चली, सबकी रजामंदी से दोनों का रिश्ता कबूल हो गया। 11 मार्च 1987 को ये दोनों शादी के बंधन में बंध गए। सुनीता और गोविंदा के दो बच्चे हैं, हर्ष और टीना।

आगे खिसकी द डिप्लोमैट की रिलीज डेट, अब इस दिन दस्तक देगी जॉन अब्राहम की फिल्म

मुंबई। जॉन अब्राहम की आगामी फिल्म द डिप्लोमैट की रिलीज डेट को आगे खिसका दिया गया है। अब यह फिल्म एक हफ्ते की देरी के साथ सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म द डिप्लोमैट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का दमदार ट्रेलर भी जारी किया गया था, जिसके बाद दर्शकों के बीच फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साह बढ़ गया, लेकिन अब उन्हें फिल्म की रिलीज के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि द डिप्लोमैट अब तय समय पर रिलीज नहीं होगी। फिल्म की रिलीज डेट को आगे खिसका दिया गया है। द डिप्लोमैट के निर्माताओं ने जॉन अब्राहम अभिनीत फिल्म की नई रिलीज डेट का खुलासा किया है। अब यह फिल्म 14 मार्च 2025 को रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 7 मार्च 2025 को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव के कारण का खुलासा नहीं हुआ है। अब दर्शकों को इस फिल्म को देखने के लिए एक हफ्ता और इंतजार करना होगा। इससे पहले फिल्म के बारे में बात करते हुए जॉन ने कहा था, कूटनीति एक युद्ध का मैदान है, जहां शब्दों का वजन हथियारों से ज्यादा होता है। जेपी सिंह की भूमिका निभाने से मुझे एक ऐसी दुनिया का पता लगाने का मौका मिला जहां शक्ति को बुद्धि, लचीलापन और शांत वीरता से परिभाषित किया जाता है। उजमा की कहानी भारत की ताकत और साहस का प्रमाण है और मुझे इस प्रेरक यात्रा को स्क्रीन पर जीवंत करने पर गर्व है।

द डिप्लोमैट की कहानी, पटकथा और संवाद रितेश शाह ने लिखे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी डिमो पोपोव और एमएससी ग्यड ने की है, जबकि संपादन कुणाल वाल्वे ने किया है। रवि श्रीवास्तव प्रोडक्शन डिजाइन की देखरेख की है। डैनियल बी जॉर्ज ने फिल्म के लिए मूल संगीत तैयार किया है, जबकि ध्वनि डिजाइन मोहनदास वीपी द्वारा किया गया है। फिल्म का मूल संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है और गीत मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं।

जब शाहरुख खान का इंटरव्यू नहीं ले पाए आयुष्मान खुराना, पत्र में लिखी पहली मुलाकात की कहानी

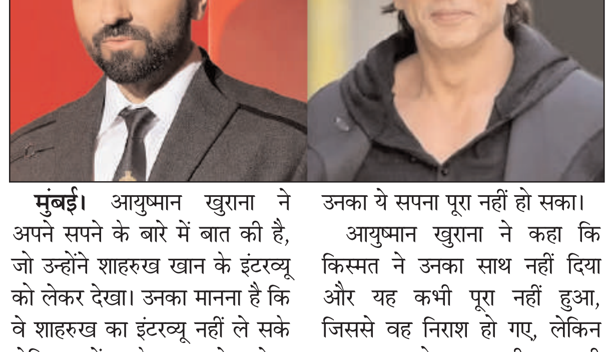

मुंबई। आयुष्मान खुराना ने अपने सपने के बारे में बात की है, जो उन्होंने शाहरुख खान के इंटरव्यू को लेकर देखा। उनका मानना है कि वे शाहरुख का इंटरव्यू नहीं ले सके लेकिन उन्हें उनके साथ स्टेज शेयर करने का मौका मिला था।

शाहरुख खान से मिलना और उनसे बात करना सबका सपना होता है। ऐसा ही एक सपना आयुष्मान खुराना ने भी देखा था। आयुष्मान ने बॉलीवुड बादशाह से बातचीत में बताया कि वे इस अवसर के बेहद नजदीक पहुंच गया था, हालांकि उनका ये सपना पूरा नहीं हो सका।

आयुष्मान खुराना ने कहा कि किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया और यह कभी पूरा नहीं हुआ, जिससे वह निराश हो गए, लेकिन आयुष्मान को शायद ही पता ही जानते होंगे कि आखिरकार स्थिति बदल जाएगी और वह शाहरुख के साथ मंच साझा करेंगे, उनके साथ प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोहों की मेजबानी करेंगे।

हाल ही में, आयुष्मान ने यादों को ताजा किया और महसूस किया कि सुपरस्टार के लिए लगभग चार से पांच घंटे इंतजार करने के बावजूद शाहरुख के साथ उनका लंबे समय तक रुका हुआ इंटरव्यू नहीं हो पाया। गलता प्लस के साथ बातचीत में आयुष्मान ने कहा, उस समय मैं अलग था। मैं शायद कोई भूमिका मांगता, मैं एक संघर्षशील अभिनेता था। उन्होंने बताया, सर, मुझे रोल दे दो; मैं एक्टर बनना चाहता हूं।

आयुष्मान ने कहा, मैंने शाहरुख खान के लिए एक नोट भी लिखा था। मैं पवई गया, जहां वे कमर्शियल कार की शूटिंग कर रहे थे। इस पत्र में मैंने लिखा - डियर सर मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। मैं आपसे हिमाचल प्रदेश के कसोल में मिला था। जहां मैं परिवार के साथ छुट्टियां मनाने गया था। आपने वहां लाल रंग का सूट पहना था और आप माया मेमसाब फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। मैं बच्चा था और मैंने डेनिम शॉर्ट पहना था। अब मैं 22 साल का हो गया हूं और अभिनेता बनना चाहता हूं।

रिलीज हो गया अक्षरा सिंह के गाने जोगीरा सा रा रा रा का टीजर

मुंबई। अक्षरा सिंह का गाना जोगीरा सा रा रा रा का टीजर रिलीज हो गया है। गाने की ये झलक खुद अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह के गाने जोगीरा सा रा रा रा का टीजर आउट हो गया है। टीजर रिलीज की जानकारी खुद अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है, वीडियो में अक्षरा सिंह सफेद लहंगे में नजर आ रही हैं।

गाने का टीजर शेयर करते हुए अक्षरा ने लिखा- टीजर अब रिलीज हो गया है। बहुत सारे प्यार और मेहनत से हमने यह नया ट्रैक बनाया है, आखिरकार इसे आपके सामने पेश किया है और हमें उम्मीद है कि आपको यह उतना ही पसंद आएगा। अब इंतजार नहीं हो रहा कि आप इस संगीत का आनंद लें और इस पर नाचें और रील्स के साथ इसका जश्न मनाएं।

जौनपुर के दर्जनों विकास कार्य योजना के साथ सीएम से मिले कृपाशंकर

○ माँ शीतला देवी मंदिर (चौकियाँ धाम) को कारिडोर बनाकर किया जाय जीर्णोधार

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी एंव महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने लखनऊ में शिष्टाचार भेंट करके जनपद जौनपुर के विभिन्न क्षेत्रों के महत्वपूर्ण विकास संबंधी कई विषयों पर ज्ञापन देकर विस्तार पूर्वक चर्चा किए।मुख्यमंत्री को दिए गए कार्यों की सूची निम्नवत है। जिसमे सबसे पहले माँ शीतला देवी मंदिर (चौकियाँ धाम) का कारिडोर बनाकर जीर्णोधार करने के संदर्भ में पत्र। राजस्व ग्राम भोसिला ग्राम पंचायत मितावा पोस्ट मितावा तहसील बदलापुर जनपद जौनपुर में स्थित 68 एकड़ जल खाते के लिए आरक्षित भूखंड पर पर्यटन स्थल बनाने की दृष्टि से भव्य झील एंव भव्य उद्यान बनाने के संदर्भ में पुनः पत्र दिया। विकास खंड महराजगंज अंतर्गत फत्तूपुर में स्थित परमहंस योगाश्रम सहज धाम के परिसर में बन रहे भव्य भगवान श्री कृष्ण जी के मंदिर (श्री नारायण दिव्य धाम मंदिर) के जीर्णोधार सुंदरीकरण नवीनीकरण और बाउंड्रीकरण के साथ साधु संतों भक्तों के ठहरने भवन निर्माण हेतु एंव परिसर में छात्रों को धर्म के बारे में जानकारी ओर संस्कृति शिक्षा और पठन पाठन हेतु पुस्तकालय बनाने के संदर्भ में पुनः पत्र दिया। विकास खंड बक्शा अंतर्गत देवस्थान (मंदिर) खमपुर - सहोदरपुर परिसर में स्थित तालाब के सुंदरीकरण और मंदिर परिसर के सुंदरीकरण के संदर्भ में पत्र दिया। विकास खंड महराजगंज अंतर्गत ग्रामसभा कल्याणपुर में सई नदी के तट पर बाबा बोझनाथ घाट पर स्थित श्री बाबा बोझनाथ मंदिर परिसर के जीर्णोधार नवीनीकरण और सुंदरीकरण बाउंड्रीकरण करने और परिसर में साधु संतों और भक्तों के रुकने के लिए भवन निर्माण और छात्रों को धर्म एंव संस्कृति की जानकारी और शिक्षा से संबंधित पठन पाठन के लिए पुस्तकालय बनाने और मंदिर के समीप सई नदी पर घाट बनाकर सुंदरीकरण करने के संदर्भ में पत्र दिया। विकास खंड महराजगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत पुरा गंभीर शाह में स्थित नई दिल्ली बाजार के समीप गाटा संख्या 735 में दो एकड़ क्षेत्रफल में फैले तालाब पर पर्यटन की दृष्टि से आस पास के कई गांवों के रहवासियों को घूमने टहलने और व्यायाम करने हेतु सुंदरीकरण करने के संदर्भ में पत्र दिया। जनपद जौनपुर में स्थित उसरा बाजार,कलियरा से तेजी बाजार,बरईपार होते हुए मछली शहर मार्ग तक दो राष्ट्रीय राष्ट्रीय राजमार्गो को आपस में जोड़ने वाली सड़क को मिनी फोरलेन अथवा 7 मीटर चौड़ीकर उच्चीकरण नवीनीकरण के संदर्भ में पुनः पत्र दिया। जनपद जौनपुर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 31 सिकरारा से शेरवा बरईपार होते हुए सुजानगंज राष्ट्रीय राजमार्ग प्रयागराज गोरखपुर संपर्क मार्गो को जोड़ते हुए बेलवार होकर प्रतापगढ़ जोड़ने वाले मार्ग को मिनी फोरलेन अथवा 7 मीटर चौड़ीकरण उच्चीकरण नवीनीकरण के संदर्भ में पत्र दिया। बदलापुर विधानसभा के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग प्रयागराज गोरखपुर से जुड़ने वाले भटपुरा शाहपुर नेवादा कल्याणपुर बोझनाथ घाट से मुगरा बादशाहपुर के अंतर्गत बोझनाथ घाट से सोनहिता भाऊपुर मोड़ तक के संपर्क मार्ग को लगभग 5.30 मीटर तक चौड़ीकरण करने एंव उच्चीकरण नवीनीकरण की स्वीकृति के संदर्भ में पत्र दिया।

कावड़ियों की सुरक्षा के लिए एसपी सिटी-एसडीएम ने किया रूट चेक

टूंडला। महा शिवरात्रि को लेकर कावड़ियो की भीड़ के चलते पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था में लगा हुआ है। वहीं एसडीएम टूंडला ने कावड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर कावड़ियों रूट को चेक किया। इस दौरान एसडीएम टूंडला डा. गजेन्द्र पाल सिंह ने भारी वाहनों के साथ ट्रेक्टर ट्रॉली को भी डाइवर्ट किया। कावड़ियों को ना हो असुविधा, इसके लिए प्रशासन ने इंतज़ाम किए है। रूट डायवर्जन के साथ साथ कावड़ियों को भीड़-भाड़ वाले इलाक़ों से खुद निकलवा रही पुलिस। सुबह से ही एटा-टूण्डला मार्ग से निकल रहे है भोले बाबा के भक्त। बुधवार को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर कावड़ियों में भारी उत्साह रहा। पुलिस ने जगह जगह कावड़ ले जाने वाले श्रद्धालुओं की व्यवस्था की गयी। एसपी सिटी रवि शंकर और एसडीएम टूण्डला गजेन्द्र पाल सिंह और क्षेत्राधिकारी टूण्डला विनीत कुमार ने व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया।

सोशल मीडिया रोजगार दिलाने में है सहायक : डॉ. दिग्विजय

○ केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित हुआ विशेष व्याख्यान

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल में मंगलवार को विद्यार्थियों के लिए रोजगार और सोशल मीडिया पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया के प्रयोग एवं रोजगार के लिए उसके उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। विशेष व्याख्यान में डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि आज कल बहुत से नियोक्ता बेहतर लोगों की तलाश में सोशल मीडिया के मंचों का सहारा ले रहे है। इसलिए सोशल मीडिया पर अपनी मजबूत प्रोफाइल बनाये। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से रोजगार की तलाश करने वालों को संपर्क बनाने में काफी मदद मिलती है। इसके साथ ही बहुत सारी ऐसी प्रोफेशनल बातें सीखने को और जानने को मिलती है जो अन्य मंचों पर उपलब्ध नहीं होती। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में आपको रोजगार की तलाश करना है उससे जुड़े समूहों, कंपनियों से ऑनलाइन जुड़ाव करे। इसके साथ ही ऑनलाइन होने वाली गंभीर चर्चा में भी अपनी बात रखे। उन्होंने कहा कि अत्यधिक सोशल मीडिया के प्रयोग से आजकल गोपनीयता का भी संकट आ गया है। अनावश्यक सामग्रियों को सोशल मीडिया मंचों पर पोस्ट करने से बचना चाहिए। विशेष व्याख्यान में विद्यार्थियों को उन्होंने ऑनलाइन पोस्ट लेखन की तकनीकी से भी परिचित कराया। उन्होंने बताया की आजकल कॉर्पोरेट सेक्टर उमीदवारों की नियुक्ति के पहले उनके सोशल मीडिया की प्रोफाइल की अच्छे से पड़ताल करते है। कई बार पहले से किये गए सोशल मीडिया के पोस्ट से नौकरी नहीं मिल पाती। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वृहद रोजगार मेला का आयोजन

आजमगढ़। वृहद रोजगार मेला का आयोजन क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, आजमगढ़, राजकीय आई. टी. आई. आजमगढ़ एवं कौशल विकास मिशन आजमगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आज आई.टी.आई परिसर हर्रा की चूँगी आजमगढ़ में किया गया। मेले में निजी क्षेत्र की 16 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें कुल 872 बेरोजगारों में से 475 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न कम्पनियों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त निदेशक आजमगढ़ मण्डल, आजमगढ़ श्री राधा कृष्ण एवं सहायक निदेशक श्री राममूर्ति द्वारा चयनित अभ्यर्थियों नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर राजकीय आई.टी.आई. से रवीन्द्र नाथ यादव, कार्यदेशक, अजय कुमार यादव, कार्यदेशक, फ्तेह बहादर वर्मा, प्लेसमेन्ट अधिकारी, अवधेश कुमार वरिष्ठ अनुदेशक, शैलेष कुमार यादव, व.स., सुशील कुमार राय, व.स., राजनरायन सिंह, व.स., सुधान्शू सिंह क.लि. एवं तीनों संस्थानों के सभी कर्मचारियों ने अपना योगदान दिया।

राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में स्नेहिल राय को मिला बेस्ट रिसर्चर अवार्ड

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। नगर के शास्त्रीनगर (कालीकुत्ती) मोहल्ला निवासी पत्रकार विद्याधर राय विद्यार्थी व नीतू राय के पुत्र स्नेहिल राय, छात्र लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी बीए एलएलबी (द्वितीय वर्ष) को राजस्थान के जयपुर मे आयोजित राष्ट्रीय मूटकोर्ट प्रतियोगिता में बेस्ट रिसर्चर अवार्ड मिलने पर परिजनों सहित जनपदवासियों में खुशी की लहर है। आई.सी.एफ.ए.आई यूनिवर्सिटी जयपुर राजस्थान की ओर से श्री एन.जे यशस्वी मेमोरियल (तृतीय) मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें नेशनल ला यूनिवर्सिटी सहित देश की 64 प्रतिष्ठित ला यूनिवर्सिटी के छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फगवाड़ा जालंधर (पंजाब) की ओर से स्नेहिल राय ने सहयोगी छात्रा आकांक्षा सराफ और स्नेहा शुक्ला के साथ प्रतिभाग किया। मूटकोर्ट प्रतियोगिता में स्नेहिल राय की टीम ने अंतिम आठ टीमों में अपनी प्रतिष्ठापरक जगह बनाने में कामयाब रही। स्नेहिल राय को बेस्ट रिसर्चर अवार्ड से सम्मानित किया गया। राय को यह सम्मान राजस्थान के अवकाश प्राप्त हाइकोर्ट के जज केसी शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। स्नेहिल ने अपनी सफलता का श्रेय लबली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फैकेल्टी मेंबर, मेंटोर व मित्रों के साथ ही परिजनों को दिया है। स्नेहिल की उपलब्धि से जहां लबली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी का मान बढ़ा है वहीं, परिजनों, शुभचिंतकों सहित जनपदवासियों में खुशी का माहौल है। श्री राय की इस उपलब्धि पर दादा विजय बहादुर राय, छोटे दादा, अमर बहादुर राय, बड़े भाई शाश्वत राय राज सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर राजा श्रीकृष्ण दत्त पीजी कालेज,डा. मनोज वत्स, मोहम्मद हसन पीजी कालेज के प्राचार्य डा. अब्दुल कादिर खान, अवकाश प्राप्त प्राचार्य गांधी स्मारक पीजी कालेज बरदह आजमगढ़ डा. देवरुप तिवारी, पूर्व प्राचार्य राज डिग्री कालेज डा. अखिलेश्वर शुक्ला, राजीव राय, रीतू राय , शुभ राय सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथियों खुशी जाहिर किया है।

दिव्यांगजनों के लिए 390 आवास स्वीकृत किए गए

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। शासन और प्रशासन का यह उद्देश्य है कि समाज के हर वर्ग के नागरिकों के पास अपना आवास हो इसी क्रम में जिलाधिकारी रमेश रंजन के मार्गदर्शन और मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य के नेतृत्व में परियोजना निदेशक सुभाष चंद्र त्रिपाठी द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि दिव्यांग जनों को मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास मुहैया कराया जाए, इसी क्रम में जनपद फिरोजाबाद के दिव्यांगजनों के लिए 390 आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसमें सामान्य वर्ग के दिव्यांग जनों के लिए 313 आवास जबकि अनुसूचित जाति के दिव्यांग जनों के लिए 77 आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, अगर हम ब्लॉक बार बात करें, तो अरांव ब्लॉक में सामान्य वर्ग के दिव्यांगजनों के लिए 40 और अनुसूचित जाति के दिव्यांगोंजनो के लिए 7, एका ब्लॉक में सामान्य वर्ग के लिए 60 और अनुसूचित जाति के लिए 13, जबकि फिरोजाबाद ब्लॉक में सामान्य वर्ग के दिव्यांगजनों के लिए 83 और अनुसूचित जाति के लिए 15, जसराना में सामान्य वर्ग के दिव्यांगजनों के लिए 17 और अनुसूचित जाति के दिव्यांगजनों के लिए 04, हाथवंत ब्लॉक में सामान्य वर्ग के दिव्यांगजनों के लिए 70 और अनुसूचित जाति के दिव्यांगजनों के लिए 13, मदनपुर ब्लॉक में सामान्य वर्ग के दिव्यांगजनों के लिए 28 और अनुसूचित जाति के दिव्यांगजनों के लिए 08, वही नारखी ब्लॉक में सामान्य वर्ग के दिव्यांगजनों के लिए शून्य और अनुसूचित जाति के लिए 09, जबकि शिकोहाबाद ब्लॉक में सामान्य वर्ग के लिए 15 और अनुसूचित जाति के दिव्यांगजनों के लिए 07, टूंडला ब्लॉक में सामान्य वर्ग के दिव्यांगजनों के लिए शून्य और अनुसूचित जाति के दिव्यांगजनों के लिए 01 आवास प्रस्तावित है।

डीएम ने प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं को फल, बिस्कुट, पानी किया वितरण

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा महा शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर जेसीज चौराहा पर बनाये गये स्वागत शिविर और मछलीशहर बस स्टेशन पर प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं को फल, बिस्कुट, पानी इत्यादि सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए कहा कि महाकुम्भ-2025 के दृष्टिगत श्रद्धालुओं हेतु जो भी व्यवस्था की गयी थी वह आज भी जारी है। महाकुम्भ के अन्तिम स्नान पर भी श्रद्धालुओं हेतु सूक्ष्म जलपान, सुगमता पूवर्क यातायात व्यवस्था, सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करायी जा रही है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, ज्योति श्रीवास्तव, प्रीती श्रीवास्तव, सोनी जायसवाल, अन्जना सिंह, सुधा श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

त्योहारों को लेकर पीस कमेटी की बैठक संपन्न

जौनपुर। जिले के बक्शा थाने में बुधवार को थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में पीस कमेटी की मीटिंग बुलाई गई। जिसमें उपस्थित सभी लोगों से आगामी त्योहार को देखते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि लाउडस्पीकर धीमी गति से बजाएं जिससे परिसर के बाहर आवाज न जाए किसी के क्षेत्र में होली रमजान अन्य किसी त्यौहार में कोई समस्या हो तो पुलिस को अवगत कराएं होलिका दहन स्थल व जलाने में कोई दिक्कत हो तो उसे भी पुलिस को अवगत कराएं अन्य कोई नया परम्परा न शुरू करे। यदि शुरू करते हैं तो अनुमति जरूर ले। इस मौके पर मनोज सिंह बाबा, अभिनव सिंह, भोले नाथ सिंह, ज्योति यादव प्रधान, गजेंद्र यादव, सुभाष गौतम, मनीष यादव, इन्तजार अहमद, मनोज यादव प्रधान, राजेश गौतम, रामकुमार यादव,जगन सिंह मास्टर, पंकज विश्वकर्मा, ओमकार मिश्रा ,वरूण यादव, ईश्वरदेव यादव, मुरारी यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन शुक्रवार को

बांदा। सहायक निदेशक (सेवा0) क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, चित्रकूटधाम मंडल बांदा श्री वकील अहमद अंसारी ने बताया है कि निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, बाँदा द्वारा कार्यालय परिसर, बंगालीपुरा प्रधान डाकघर के सामने जनपद-बाँदा में दिनांक 28.02.2025, दिन शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है।

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने चलाया नशा मुक्ति जन जागरण अभियान

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। जनपद का प्रतिष्ठित विद्यालय वेदांता इंटरनेशनल स्कूल हमेशा सामाजिक जागरूकता अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। इसी क्रम में विद्यालय द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने शहर के विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर समाज को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया।

छात्रों ने अपने प्रभावशाली अभिनय और संवादों के माध्यम से यह संदेश दिया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि उसके परिवार और समाज को भी गहरे संकट में डालता है। इस नाटक के जरिए उन्होंने यह दर्शाया कि किस प्रकार एक व्यक्ति नशे की गिरफ्त में आकर अपने जीवन को बर्बाद कर सकता है और साथ ही अपने प्रियजनों को भी कष्ट पहुंचाता है। छात्रों ने ष्नशा छोड़ो, जीवन से नाता जोड़ोष् जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि नशे की लत से शारीरिक, मानसिक और आर्थिक हानि होती है, और यह समाज में अपराध तथा अन्य बुरी प्रवृत्तियों को जन्म देता है।

इस प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक में प्रतीक, श्रेया, सक्षम, रघुराज, वैष्णवी, गौरव, प्रांजल, रुद्र प्रताप, अनन्या, सृष्टि, समृद्ध वर्मा, पुष्कल शर्मा, आयुष सिंह, स्मृति सिंह, कृष्ण तिवारी और अमृत मिश्रा ने भाग लिया। इन सभी छात्रों को फ्हीम अहमद ने अपने प्रशिक्षण द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉली शर्मा ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ष्शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करना भी है। हमारे विद्यार्थी समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और इस तरह के कार्यक्रमों से वे अपने दायित्व को निभा रहे हैं। विद्यालय के प्रबंध निदेशक शिव गोविंद सिंह ने भी छात्रों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ष्नशा समाज के लिए एक गंभीर समस्या है, और इसे रोकने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

19वीं किस्त हेतु 2 लाख 48 हजार 89 किसानों की भेजी सूची

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। पी0एम0 किसान योजना की 19वीं किस्त प्रधानमंत्री द्वारा बिहार के भागलपुर से किसानों को जारी की गयी। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, फिरोजाबाद में किसान सम्मान समाहरोह का आयोजन किया गया जिसमें बढी संख्या में किसानों ने प्रधानमंत्री के भाषण को सुना। इस अवसर पर उप कृषि निदेषक, सत्येन्द्र प्रताप सिंह द्वारा बताया गया कि जिले के 248089 किसानों की सूची 19वीं किस्त के लिये भेजी गयी है इससे पहले 231936 किसानों को 18वीं किस्त प्राप्त हुयी थी। जिला कृषि अधिकारी, सुमित कुमार चौहान ने किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रभारी डा0 ओमकार सिंह यादव, डा0 सुभाष चन्द्र शर्मा ने विभिन्न कृषि तकनीकों एवं जायद की खेती विषेष रूप से उर्द, मूँग एवं मक्का के बारे में जानकारी प्रदान की। इस मौके पर कृषि प्रदर्शनी एसं ड्रोन प्रदर्शन का आयोजन भी किया गया। सभी विकास खण्डों में भी किसान सम्मान समाहरोह का आयोजन विकासखण्ड सभागार में खण्ड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में किया गया इसी प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायतों के ग्राम सचिवायल में भी कराया गया जिसमें बढी संख्या में किसानों ने प्रधानमंत्री के सजीव संबोधन को सुना। कृषक राम सनेही निसावी गढी बस्ती विकास खण्ड टूण्डला, रामेश्वर दयाल ग्राम दौकेंली विकास खण्ड फिरोजाबाद ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाली धनराशि को कृषि कार्यो में उपयोग की बात कही।

यूपी बोर्ड की परीक्षा में पकड़ा गया मुन्नाभाई

फिरोजाबाद। यू0पी0 बोर्ड हाईस्कूल की परीक्षा में अन्य छात्र के स्थान पर परीक्षा देने वाला मुन्नाभाई को गिरफ्तार किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी जसराना के नेतृत्व में इण्टर/हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षा 2025 को शुचितापूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराये जाने एवं बोर्ड परीक्षा के दौरान अवैध रूप से नकल कराने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने के दृष्टिगत 24.02.2025 को वादी प्रमोद कुमार केन्द्र व्यवस्थापक राजवीर सिंह आदर्श इण्टर कालेज नगला धारू जिला फिरोजाबाद द्वारा तहरीर दी गई कि छात्र अवकेश कुमार पुत्र रामप्रकाश निवासी नगला तोताराम जसरथपुर पोस्ट जखई फिरोजाबाद के स्थान पर अभियुक्त अंकित कुमार पुत्र विजय सिंह निवासी उरावर थाना नगला खंगर जिला फिरोजाबाद परीक्षा देने आया है। जिसको परीक्षा केन्द्र से पकड़ कर पुलिस के सुपुर्द किया गया। गिरफ्तार शुदा अभियुक्त के विरूद्ध थाना एका पर मु0अ0सं0 31/25 धारा 319(2)/318(4) बीएनएस व 7/13(3) उ0प्र0 नवीन संशोधित सार्वजनिक परीक्षा अधि0 - 2024 पंजीकृत करते हुए विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष की कथा सुन श्रोता हुए भावविभोर

अवधनामा संवाददाता

तिंदवारी बांदा। ग्राम मूंगुस में स्थित श्री शीतला धाम के सप्तम वार्षिकोत्सव पर आयोजित संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन ख्याति प्राप्त कथा व्यास आचार्य अभिषेक शुक्ला ने सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। सुदामा जी जितेंद्रिय एवं भगवान कृष्ण के परम मित्र थे। भिक्षा मांगकर अपने परिवार का पालन पोषण करते। गरीबी के बावजूद भी हमेशा भगवान के ध्यान में मग्न रहते। पत्नी सुशीला सुदामा जी से बार बार आग्रह करती कि आपके मित्र तो द्वारकाधीश है। उनसे जाकर मिलो शायद वह हमारी मदद कर दें। सुदामा पत्नी के कहने पर द्वारका पहुंचते हैं और जब द्वारपाल भगवान कृष्ण को बताते हैं कि सुदामा नाम का ब्राम्हण आया है। कृष्ण यह सुनकर नंगे पैर दौडकर आते हैं और अपने मित्र को गले से लगा लेते । उनकी दीन दशा देखकर कृष्ण के आंखों से अश्रुओं की धारा प्रवाहित होने लगती है। सुदामा जी को सिंघासन पर बैठाकर कृष्ण जी सुदामा के चरण धोते हैं। सभी पटरानियां सुदामा जी से आशीर्वाद लेती हैं। सुदामा जी विदा लेकर अपने स्थान लौटते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा से अपने यहां महल बना पाते हैं लेकिन सुदामा जी अपनी फूंस की बनी कुटिया में रहकर भगवान का सुमिरन करते हैं। इस लिए कहा गया है कि जब जब भक्तों पर विपदा आई है प्रभु उनका तारण करने जरुर आए हैं। कथा के अंतिम दिन सुदामा चरित्र के माध्यम से भक्तों के सामने दोस्ती की मिसाल पेश की और समाज में समानता का संदेश दिया। साथ ही भक्तों को बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीव का उद्धार हो जाता है तो वहीं इसे कराने वाले भी पुण्य के भागी होते हैं। सच्चा मित्र वही है जो अपने मित्र को विपत्ति में साथ दें। उसे अपने से नीचा रखने के बजाय समकक्ष बनाने का प्रयास करें। कहा कि मित्रता का अर्थ स्वार्थ नहीं बल्कि सहयोग और समर्पण होना चाहिए।अगले प्रसंग में शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को सात दिन तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाई, जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल गया। तक्षक नाग आता है और राजा परीक्षित को डस लेता है। राजा परीक्षित कथा श्रवण करने के कारण भगवान के परमधाम को पहुंचते है। कथा परीक्षित प्रकाशचंद्र अवस्थी तथा कलावती, जगदीश त्रिवेदी, कमलस्वरूप अवस्थी, भाजपा नेता आनंद स्वरूप द्विवेदी, प्रेमस्वरूप अवस्थी, निर्मल तिवारी, प्रमोद त्रिपाठी तथा श्री शीतला धाम समिति के प्रमुख कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पंचायत भरतकुंण्ड भदरसा जनपद-अयोध्या

पत्रांक :- 482/न0पं0भ0/स्वकर/2024-25 दिनांक :- 25/02/2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उ0प्र0 शासन, नगर विकास अनुभाग-9 द्वारा जारी अधिसूचना संख्या-912/नौ -9-2024-85ज/05टी0सी0-01 लखनऊ दिनांक - 28 जून, 2024 को अधिसूचना उत्तर प्रदेश नगर पालिका (भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर) नियमावली - 2024 के प्रस्तर - 5 में प्रत्यायोजित शक्ति का प्रयोग करते हुए अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भरतकुण्ड भदरसा जनपद अयोध्या ने कुल 18 वार्डो में उक्त अधिसूचना में प्राविधित उपबन्धों के अधीन वर्गवार/श्रेणीवार भवन/भूमि समूह के लिए प्रति इकाई क्षेत्रफल (वर्गफुट) न्यूनतम मासिक किराया दर निर्धारित करते हुये, जनसामान्य से 15 कार्य दिवस के भीतर आपत्तियाँ/सुझाव प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय के पत्र संख्या - 378/ न0पं0भ0/2024-25 दिनांकः 19.12.2024 द्वारा सार्वजनिक सूचना का प्रकाशन किया गया था। निर्धारित अवधि में प्राप्त आपत्तिकर्ताओं को सुना गया तथा प्राप्त आपत्तियों के सम्यक अनुशीलन के उपरांत पूर्व निर्धारित न्यूनतम मासिक किराया दर में 10 प्रतिशत न्यून किये जाने का निर्णय लिया गया है। इस प्रकार आपत्तियों का निस्तारण करते हुए न्यूनतम मासिक किराया दर 10 प्रतिशत कम किये जाने के उपरांत निम्नानुसार दर का निर्धारण किया जाता है।

24 मी0 से अधिक चौड़ी सड़क				12 मी0 से 24 मी0 तक चौड़ी सड़क				09 मी0 से 12 मी0 तक चौड़ी सड़क				09 मी0 से कम चौड़ी सड़क			
पक्का भवन आर.सी.सी. छत	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	खुली भूमि/ भूखण्ड	पक्का भवन आर.सी.सी. छत	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	खुली भूमि/ भूखण्ड	पक्का भवन आर.सी.सी. छत	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	खुली भूमि/ भूखण्ड	पक्का भवन आर.सी.सी. छत	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	खुली भूमि/ भूखण्ड
0.50	0.45	0.32	0.23	0.45	0.41	0.27	0.18	0.41	0.36	0.23	0.14	0.36	0.32	0.18	0.9

1. अधिसूचना के प्रस्तर- 5 (2) के अधीन उल्लिखित सूची के अनुसार व्यवसायिक भवन, सरकारी भवन, होटल, मैरिज हॉल, पेट्रोल पम्प इत्यादि भूमि की दर सामान्य दर का दो गुना से तीन गुना तक होगा।
2. अधिसूचना के प्रस्तर-7 के अधीन भवन/भूमि के वार्षिक मूल्य की गणना की जायेगी, वार्षिक मूल्य का 10 प्रतिशत सामान्य गृहकर 7.5 प्रतिशत जलकर व वार्षिक मूल्य का 2.5 प्रतिशत जल निकासी लागू होगा। शेष नियम व शर्ते उत्तर प्रदेश शासन नगर विकास अनुभाग-9 द्वारा जारी अधिसूचना संख्या - 912/नौ-9-2024-85ज/05टी0सी0-01 लखनऊ दिनांक-28 जून, 2024 में निहित बिन्दुओं के अधीन प्रभावी रहेंगे

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत भरतकण्ड भदरसा
अयोध्या

पीयूष गोयल ने एकीकृत इलेक्ट्रिकल उद्योग प्रदर्शनी का आह्वान किया

नई दिल्ली। इलेक्रामा 2025 के तीसरे दिन मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, भारत सरकार पीयूष गोयल ने मुख्य भाषण दिया और भारत के ऊर्जा रूपांतरण, नीतिगत दिशानिर्देश और तकनीकी प्रगति से जुड़ी महत्वपूर्ण चर्चाओं के लिए मंच तैयार किया। आईईईएमए के प्रेसिडेंट सुनील सिंघवी, इलेक्रामा के प्रेसेडिंट एवं चेयरमैन विक्रम गंडोत्रा और आईईईएमए के वाइस प्रेसिडेंट एवं इलेक्रामा 2025 के वाइस चेयरमैन सिद्धार्थ भूटोरिया जैसे दिग्गजों के साथ, पीयूष गोयल ने डॉमेस्टिक मैन्युफैक्चरिंग को मजबूती देने, क्लीन एनर्जी अपनाने को प्रोत्साहन, नवाचार और सहयोग के जरिये भविष्य के लिए तैयार बिजली क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्युशंस में ग्लोबल लीडर बनने के भारत के विज़न पर जोर दिया और नीतिगत समर्थन, रणनीतिक उद्योग साझेदारी और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में निवेश के महत्व के बारे में बताया। मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, भारत सरकार पीयूष गोयल ने भारत के इलेक्ट्रिकल उद्योग से एक एकीकृत विश्वस्तरीय प्रदर्शनी मंच तैयार करने, भारत को इलेक्ट्रिकल और ऊर्जा समाधानों के लिए वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने का आग्रह किया। इलेक्रामा में बोलते हुए, उन्होंने इलेक्रामा और अन्य उद्योग केंद्रित प्रदर्शनियों सहित प्रमुख प्रदर्शनियों को एक शोकेस में विलय करने की जरूरत पर जोर दिया, जिससे भारत वैश्विक कंपनियों के लिए वन-स्टॉप शॉप बन सके।

पीयूष गोयल ने कहा भारत वैश्विक ऊर्जा रूपांतरण में सबसे आगे है और हमारा इलेक्ट्रिकल उद्योग इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कई अलग-अलग प्रदर्शनियों की मेजबानी करने के बजाय, हमें एक साथ मिलकर एक संयुक्त और बड़े स्तर का आयोजन करना चाहिए जो दुनिया के सामने हमारी पूरी क्षमताओं को प्रदर्शित करे। 1,500 से अधिक प्रदर्शकों, 100,000 से ज्यादा विजिटर्स और सबसे बड़े वैश्विक निवेशकों की भागीदारी वाली एक प्रदर्शनी की कल्पना कीजिए - यह भारत को वैश्विक इलेक्ट्रिकल उद्योग के केंद्र के रूप में मजबूती से स्थापित करेगा।

उन्होंने इस विज़न को साकार करने में उद्योग संगठनों की अगुवाई की जरूरत पर जोर दिया, ताकि भारत के डॉमेस्टिक सेक्टर की मजबूती और निर्यात और वैश्विक साझेदारी का भी विस्तार सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा, आइए हम दुनिया को भारत में लाएं। अगर हम बेहद व्यापक और प्रभावित करने वाला एक एकीकृत मंच बनाते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को पता चलेगा कि भारत इलेक्ट्रिकल से जुड़े हर सामान के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन है।

चाहे वह विद्युत अवसंरचना हो, स्वचालन हो या स्मार्ट ग्रिड समाधान हो भारत के पास विशेषज्ञता, तकनीक और दूरदृष्टि हर चीज मौजूद है।

एचडीएफसी लाइफ ने हर किसी के सपनों और लक्ष्यों को साकार करने के लिए लॉन्च किया क्लिक 2 अचीव पार एडवांटेज

झाँसी। भारत की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एचडीएफसी लाइफ ने अपना नया उत्पाद %एचडीएफसी लाइफ क्लिक 2 अचीव पार एडवांटेज लॉन्च किया है। यह एक पार्टिसिपेटिंग प्लान है, जिसे लोगों के जीवन के अलग-अलग चरणों में आने वाले महत्वपूर्ण लक्ष्यों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आमतौर पर जब लोग अपने बढ़ते सपनों और जरूरतों के लिए बचत करते हैं, तो वे जल्दी पैसे निकालने की सुविधा, लचीलापन और भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। यह प्लान इन्हीं जरूरतों को पूरा करने के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है। इस उत्पाद के लॉन्च के अवसर पर

एचडीएफसी लाइफ के हेड-प्रोडक्ट्स एंड सेगमेंट्स, अनीश खन्ना ने कहा, ÷हम मानते हैं कि जीवन बीमा उत्पाद हर व्यक्ति की उम्र, जीवन के पड़ाव, आय और भविष्य की योजनाओं के अनुसार तैयार किए जाने चाहिए। हर कोई अपने परिवार के लिए सुरक्षित भविष्य का सपना देखता है और घर खरीदना या बच्चों को अच्छे संस्थानों में उच्च शिक्षा दिलाना जैसे लक्ष्य हासिल करना चाहता है। इन सपनों को साकार करने के लिए लंबी अवधि की वित्तीय योजना की जरूरत होती है, जिसमें लचीलापन और सुरक्षा दोनों हो। एचडीएफसी लाइफ क्लिक 2 अचीव पार एडवांटेज उन लोगों के लिए बनाया गया है जो अपने भविष्य को बेहतर बनाना चाहते हैं और अपने सपनों को अनिश्चितताओं से बचाने के लिए एक मजबूत आर्थिक सुरक्षा चाहते हैं।

सेंटरफ्रूट ने कुंभ मेले के जीभ लपलपाने वाले स्ट्रीट फ़ूड का किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। महाकुंभ मेला एक अनोखा अनुभव है जहां रंग, ध्वनियां और स्वाद मिलकर यादगार पल बनाते हैं। मेले की एक खास बात है यहां मिलने वाला विविध और स्वादिष्ट भोजन है। चटपटी चाट से लेकर गरमा-गरम जलेबियों तक, कुंभ का स्ट्रीट फूड सिर्फ पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि एक साझा आनंद भी है, यात्रा की थकान मिटाने का अवसर और महोत्सव के बीच स्वाद का एक खास पड़ाव है। इस अनोखी पहल पर अपनी बात रखते हुए, परफेटी वैन मेल इंडिया के मार्केटिंग डायरेक्टर, गुंजन खेतान ने कहा खाना कुंभ मेले के अनुभव का एक अहम हिस्सा है, जो लोगों को जोड़ता है और यादगार बना देता है। श्कैसी जीभ लपलपाईश् के जरिए, मेहमानों को सबसे बेहतरीन फूड स्टॉल तक पहुँचाने के साथ-साथ हर बाइट के बाद सेंटरफ्रूट के फ्रूटी स्वाद का मज़ा देने के लिए हम इस अनुभव को और भी खास बना रहे हैं। इस साल, सेंटरफ्रूट ने महाकुंभ

मेले के स्वाद के अनुभव को और भी मजेदार बना दिया है। मेले में आने वाले लोगों को सबसे बेहतरीन स्ट्रीट फूड स्टॉल तक पहुँचाने के लिए 200 से अधिक फूड स्टॉल्स पर आकर्षक बैनर लगाए गए, जिससे वे आसानी से टेस्टी फूड्स का आनंद ले सकें और हर फूड स्टॉप एक 'जीभ लपलपाई' पल बन जाए। इस खोज को और आसान बनाने के लिए, सेंटरफ्रूट के 'कैसी जीभ लपलपाई' बिलबोर्ड्स पूरे शहर और स्थानीय टैक्सियों में भी लगाए गए है, जो मेले के सबसे लोकप्रिय फूड हॉटस्पॉट तक सीधा मार्ग दिखा रहे थे। चाहे कोई चटपटा स्ट्रीट स्नैक हो या कोई प्रसिद्ध स्थानीय फूड्स, सेंटरफ्रूट ने फूडीज़ को महाकुंभ मेले में सबसे बेहतरीन टेस्ट तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई ! 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक चलने वाले इस महाकुंभ मेले में लाखों श्रद्धालु जुट रहे हैं, सेंटरफ्रूट इस भव्य मेले में टेस्ट का अनोखा तड़का लगाकर हर फूड स्टॉप को खुशियों से भर रहा है। तो अगली बार कुंभ में भूख लगे, तो बस दिए गए साइंस को फॉलो करें, क्योंकि अगले फूड स्टॉल पर 'जीभ लपलपाए' का खास लम्हें आपका इंतजार कर रहा है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने हेक्टर के ग्राहकों के लिए पेश किया पावर पैक ऑफर

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज हेक्टर खरीदने वाले संभावित ग्राहकों के लिए पावर पैक स्कीम की घोषणा की है। पावर पैक एक बेहद किफायती पेशकश है जिसके तहत ग्राहकों को पांच आकर्षक लाभ पेश किए गए हैं। इन लाभों में पहला है फाइनेंसिंग पर आकर्षक 4.99प्रतिशत की ब्याज दर। इसके अलावा अतिरिक्त सुरक्षा के लिए एक्सटेंडेड वारंटी, वाहन को अपने मन मुताबिक स्वरूप देने के लिए कॉम्पलीमेंट्री एक्ससरीज़, झंझट रहित सफर के लिए रोड साइड असिस्टेंस के साथ ही रोड टैक्स में 50प्रतिशत की कमी शामिल है।

इन सभी लाभों के साथ ग्राहक को हेक्टर खरीदने पर 2.40 लाख रुपये तक की बचत हो सकती है। इन लाभों के साथ एसयूवी के शौकीनों के लिए हेक्टर और भी अधिक किफायती और आकर्षक विकल्प बन जाती है। ये सीमित समय के ऑफर 31 मार्च, 2025 तक वैध हैं। इन ऑफर के साथ हेक्टर एसयूवी सेगमेंट में अपनी स्थिति और भी मजबूत बना रही है। यह ऑफर उन ग्राहकों के लिए बेहद खास है, जो सेडान या छोटे आकार की एसयूवी

को छोड़कर भारत की पहली इंटरनेट कार और लोकप्रिय मिड-साइज़ एसयूवी एमजी हेक्टर में अपग्रेड करना चाहते हैं।

एमजी का यह ऑफर एसयूवी सेगमेंट में सही कीमत के साथ रिसेल मार्केट में हेक्टर की स्थिति को और मजबूती प्रदान करता है। ड्रूम द्वारा हाल ही में किए गए विश्लेषण के साथ ही कई स्वतंत्र अध्ययनों ने हेक्टर एसयूवी का बेमिसाल रिसेल वैल्यू वाली कार माना है। स्टडी में हेक्टर ने टाटा हैरियर और महिंद्रा एक्सयूवी700 जैसे प्रतिस्पर्धियों से बेहतर प्रदर्शन किया है। स्टडी से पता चलता है कि हेक्टर अपने मूल्य का 70-75प्रतिशत बरकरार रखती है, जो इसकी मजबूत इंजीनियरिंग, स्थायित्व और बाजार में इसकी निरंतर मांग का प्रमाण है। रिसेल बाजार में हेक्टर की यह मजबूत स्थिति, इसकी कम रखरखाव लागत और मेंटेनेंस पर औसतन लगभग 500 रुपये प्रति माह के खर्च के चलते हासिल हुई है। भारत की पहली इंटरनेट एसयूवी हेक्टर को 2019 में पेश किया गया था। इसके बाद से इसने एसयूवी के लिए एक नया मानक स्थापित किया है। बेजोड़ कीमत, बेहतरीन पर्फोर्मेंस के साथ यह एसयूवी एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस है। ड्रूम के मुताबिक हाइवे पर यह एसयूवी करीब 21 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज देती है, इसकी यह खूबी ग्राहकों के बीच इसके आकर्षण को और बढ़ा देती है। इस एसयूवी में अपनी श्रेणी का सबसे बेहतरीन 14-इंच एचडी इंफोटेनमेंट डिस्प्ले, 75 से अधिक कनेक्टेड कार फंक्शनेलिटी, डुअल-पैन पैनोरमिक सनरूफ, एडीएएस लेवल 2 सहित कई एडवांस सेफ्टी फीचर दिए गए हैं। ऐसे ही कई आकर्षक फीचर्स एसयूवी के शौकीनों को एक बेमिसाल अनुभव प्रदान करते हैं। फीचर से भरपूर यह एसयूवी उन ग्राहकों के लिए बेहद खास है जो एसयूवी के साथ एक बोल्ड डिज़ाइन, स्मूथ, आरामदायक राइड और तकनीकी रूप से एडवांस ड्राइविंग अनुभव चाहते हैं।

पंचाल डेयरीः बकरी और भेड़ के दूध पर फोकस के साथ डेयरी उद्योग में बदलाव

मुंबई। आवश्यकता ही बदलाव की जननी है, और पंचाल डेयरी इसका जीता-जागता उदाहरण है। गुजरात के पंचाल रबारी पशुपालक समुदाय के नाम पर बना यह ब्रांड देश में बकरी और भेड़ के दूध को नई पहचान दिलाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अर्पण कलोत्रा और भीमसिंह घांघल ने इसे एक छोटे से गाँव से शुरू किया, और अपनी अनूठी सोच व मेहनत से डेयरी उद्योग में खास मुकाम हासिल किया। साधारण शुरुआत से लेकर प्रतिष्ठित वर्ल्ड चीज़ कॉन्क्लेव में सराहे जाने तक, यह सफर गुणवत्ता, नवाचार और दृढ़ संकल्प की मिसाल पेश करता है। देखते रहिए 'शार्क टैंक इंडिया 4', हर सोमवार से शुक्रवार, रात 8 बजे, सिर्फ सोनी लिव पर! अब तक 1,120 किलो चीज़ बेचने और वर्ल्ड चीज़ अवार्ड्स में अपनी पहचान बनाने के बाद, पंचाल डेयरी ने इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बना

ली है। अब इसके संस्थापक अपने सपने को शार्क टैंक इंडिया में लेकर आ रहे हैं। वे 10% इक्विटी के बदले 20 लाख रुपये के निवेश की मांग कर रहे हैं। इस फंडिंग के जरिए उनका लक्ष्य अपने काम का विस्तार करना, डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत बनाना और भारतीय चीज़ बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत करना है। संस्थापक अर्पण कलोत्रा और भीमसिंह घांघल कहते हैं, हमने अपनी यात्रा गुजरात के एक छोटे से गाँव से शुरू की थी, और आज हमें गर्व है कि हम अपने समुदाय के लिए सम्मान का स्रोत बन गए हैं। हमारे उत्पाद, जैसे बकरी के दूध से बना चीज़ (गोट चीज़) और पेकोरिनो, न सिर्फ अनूठे हैं, बल्कि बेहतरीन गुणवत्ता वाले भी हैं। हम गाँवों में लोगों को रोज़गार देकर उन्हें सशक्त बना रहे हैं और यह साबित कर रहे हैं कि छोटे स्तर पर शुरू किया गया व्यवसाय भी बड़ा बदलाव ला सकता है।

शार्क टैंक इंडिया 4 में आना हमारे लिए एक शानदार मौका है, जहाँ हम अपने सफर और विज़न को शार्क्स के सामने रख सकते हैं। हमें विश्वास है कि हमारे उत्पाद डेयरी इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव लाने की ताकत रखते हैं, और हम ऐसे साझेदार की तलाश में हैं, जो हमारे इस जुनून को समझे और हमारे साथ जुड़े। क्या उनकी अनोखी सोच और समुदाय को आगे बढ़ाने का यह नज़रिया शार्क्स को पसंद आएगा? क्या उन्हें वह डील मिलेगी, जिसकी उन्हें उम्मीद है? यह तो समय ही बताएगा।

रुपये में गिरावट के बीच सोना 250 रुपये उछलकर 89350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार रुपये में गिरावट के बीच सोने की कीमत में लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही और मंगलवार को सोने का भाव 250 रुपये मजबूत होकर 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इस दौरान चांदी की कीमत 500 रुपये की गिरावट के साथ एक लाख रुपये के स्तर से नीचे 99,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। आइए जानें सर्राफा बाजार का विस्तृत हाल। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार रुपये में गिरावट के बीच सोने की कीमत में लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही और मंगलवार को सोने का भाव 250 रुपये मजबूत होकर 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 250 रुपए बढ़कर 88,950 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन इसका भाव 88,700 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

उत्साह के साथ वाहन धारकों ने फ्यूल एफ़िशियेंट ड्राइविंग कंटेस्ट में किया प्रतिभाग

लखनऊ। गेल इंडिया लिमिटेड, इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम एवं भारत पेट्रोलियम जैसी पेट्रोलियम कंपनीयों के सह सहयोग से मारुति डिजायर पेट्रोल कार धारकों एवं टाटा एस एलसीवी वाहन धारकों की फ्यूल एफिशिएंट ड्राइविंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसका उद्देश्य फ्यूल एफिशिएंसी के प्रति लोगों को जागरूक करना था। इस प्रतियोगिता में जनता ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। संरक्षण क्षमता महोत्सव (सक्षम) के राज्य स्तरीय समन्वयक एवं राज्य प्रमुख इंडियन ऑयल राजेश सिंह, गेल (इंडिया) लिमिटेड के आंचलिक महाप्रबंधक अनुपम गंगोपाध्याय, शैलेश सिंह (उपमहाप्रबंधक गेल (इंडिया) लिमिटेड), अनिरुद्ध जमजूट (महाप्रबंधक, इंडियन ऑयल) एवं अन्य अधिकारी गणों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। राज्य प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक राजेश सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए ईंधन संरक्षण के आवश्यक बिंदुओं की ओर आगंतुकों का ध्यान खींचा, साथ ही ईंधन संरक्षण की शपथ भी दिलायी। तत्पश्चात प्रतिभागी वाहनों को झंडी दिखाकर 1090 चौराहे पर स्थित इंडियन आयल के पेट्रोल पम्प से प्रतियोगिता की शुरुवात की गई। वाहनो के लिए शहर के विभिन्न चौराहों पर चेक पॉइंट बनाए गए थे। इन चेक प्वाइंटों से लौटकर प्रतिभागियों ने अपने वाहनों का ईंधन औसत (माइलेज) दर्ज कराया, जिसके आधार पर विजेताओं की घोषणा की गई।

शक्ति ग्रुप ने रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में 1700 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की

भोपाल। मध्य प्रदेश -सोलर पम्पस और मोटर्स के अग्रणी निर्माता और आपूर्तिकर्ता शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने आज मध्य प्रदेश में 1700 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण निवेश की घोषणा की। पीथमपुर में लगभग 64 हेक्टयर इंडस्ट्रियल लैंड पर होने जा रहे इस विस्तार में रिन्यूएबल एनर्जी सोलर वेफ़र से सोलर सेल, सोलर पंपिंग सिस्टम और इलेक्ट्रिक व्हीकल कम्पोनेंट्स के लिए अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स स्थापित होंगी, जिससे प्रदेश में रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे। इन प्रोजेक्ट्स में प्रोडक्शन शुरू होने पर शक्ति पम्पस देश की पहली कंपनी होगी जिसके पास सोलर पम्पिंग इंडस्ट्री की सारी जरूरतें जैसे पम्पस, मोटर्स, सोलर पैनल, स्ट्रक्चर, वीएफ़डी, इन्वर्टर आदि बनाने की क्षमता होगी।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के अध्यक्ष श्री दिनेश पाटीदार ने कहा, यह महत्वपूर्ण निवेश मध्य प्रदेश और इसके विकास पथ के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हमें राज्य की अपार संभावनाओं और इसके अनुकूल कारोबारी माहौल पर विश्वास है। यह विस्तार रिन्यूएबल एनर्जी और इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्रों में हमारी स्थिति को मजबूत करने के साथ साथ, पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करके क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

1982 में स्थापित शक्ति पंप्स की भारतीय बाजार में 40 से अधिक वर्षों की समृद्ध विरासत है। कंपनी घरेलू, कृषि, औद्योगिक, सौर और सीवेज पंप सहित पंपों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करती है, जो अलग - अलग जरूरतों को पूरा करती है। भारतीय सोलर पंप मार्केट में एक मान्यता प्राप्त लीडर, शक्ति पंप्स एनर्जी एफिशिएंसी और स्थिरता पर जोर देते हुए दुनिया भर के 100 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात करता है। कंपनी ने लगातार मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और लाभप्रदता का प्रदर्शन किया है। शक्ति पंप्स, सोलर पम्पस के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की पीएम कुसुम योजना का एक चैनल पार्टनर भी है, जो रिन्यूएबल एनर्जी सोलुशंस के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

यह रणनीतिक निवेश शक्ति समूह के अंतर्गत तीन अलग-अलग कंपनियों के माध्यम से किया जाएगा, जो सभी मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित हैं-

शक्ति एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड- यह कंपनी 1200 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश के साथ वेफ़र से सोलर सेल के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसकी क्षमता 2 गीगा वॉट होगी. उद्यम से लगभग 4000 व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड~ ग्रुप इस इकाई में 250 करोड़ रुपयों का अतिरिक्त निवेश कर सोलर पंप, मोटर, वीएफडी (वैरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव), इनवर्टर, संरचनाओं और अन्य संबंधित घटकों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिस से अनुमानित 2500 लोगों को रोजगार मिलेगा.

शक्ति ईवी मोबिलिटी लिमिटेड~ यह नया उद्यम इलेक्ट्रिक व्हीकल मोटर, कंट्रोलर और चार्जर के निर्माण में विशेषज्ञता हासिल करेगा, जिसमें करीब 2 लाख यूनिट्स प्रतिवर्ष बनाई जा सकेंगी। लगभग 250 करोड़ रुपये के निश्चित पूंजी निवेश की योजना बनाई गई है, जिससे लगभग 1000 नौकरियां पैदा होंगी।

शक्ति पंप्स की मध्य प्रदेश में मजबूत उपस्थिति है, जिसमें 2500 से अधिक लोग कार्यरत हैं और 04 प्लांट्स संचालित कर रहे हैं। शक्ति समूह ने पहले ही 500 करोड़ रुपये से अधिक का निश्चित पूंजी निवेश किया है। समूह ने 1200 से अधिक प्रकार के पंप, मोटर और कंट्रोलर का स्वदेशी रूप से विकास किया है, जो इनोवेशन और स्थानीय विशेषज्ञता पर इसके फोकस को दर्शाता है। भारत के अलावा, शक्ति समूह की यूएई और युएसए जैसे देशों में अपनी कंपनीज़ हैं और 100 से अधिक देशों के निर्यात से इसे अंतरराष्ट्रीय कम्पनी का दर्जा हासिल है।

तैयार हो जाइए मनसिमरन संधू के नए मज़ेदार गाने 'डब्ल्यूवाईडी' के साथ मदमस्त होने के लिए

नई दिल्ली। अपने लेटेस्ट सिंगल 'मिल्डे मिल्डे' के बाद, उभरते हुए पंजाबी सिंगर मनसिमरन संधू एक और धमाकेदार गाने 'डब्ल्यूवाईडी' के साथ लौट आए हैं। यह गाना स्टाइल और मस्ती से भरपूर है, जो युवाओं के पहले आकर्षण के एहसास को बयां करता है। 'डब्ल्यूवाईडी' में जाने-माने प्रोड्यूसर हितेन का ज़बरदस्त म्यूज़िक है, जो पंजाबी वाइब्स और अर्बन पॉप का शानदार मेल है। यही वजह है कि यह गाना नया भी लगता है और सदाबहार भी।

यह गाना खुद मनसिमरन ने लिखा और गाया है, जिसमें दो लोगों के बीच के आकर्षण की रोमांचक कहानी बयां की गई है, जो जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। यह एक मज़ेदार लेकिन जोशीली बातचीत है, जहाँ एक लड़का और लड़की एक-दूसरे को स्टाइल और कॉन्फिडेंस के खेल में टक्कर देते हैं। गाने के दमदार बोल और मनसिमरन की स्मूथ आवाज़ इस रोमांच को और भी खास बना देती है, जिससे 'डब्ल्यूवाईडी' हर उस इंसान के लिए परफेक्ट साउंडट्रैक बन जाता है, जो फ्लर्टिंग के इस मज़ेदार एहसास का हिस्सा है।

गाने के बारे में बात करते हुए, मनसिमरन संधू ने बताया कि, डब्ल्यूवाईडी मस्ती और जोश का परफेक्ट मेल है। यह उस खास इंसान के बारे में है जो आपको हर पल उसके इर्द गिर्द घुमाता है, और आप उसकी ओर खींचे चले जाते हैं। इस गाने को लिखना मेरे लिए बहुत आसान था क्योंकि यह एक असली एहसास है। ये ऐसी वाइब है, जो सिर्फ तब आती है जब केमिस्ट्री एकदम सही हो। हितेन के म्यूज़िक ने इस गाने में जबरदस्त एनर्जी डाल दी है। मैं उम्मीद करता हूं कि लोग इस गाने के खास आकर्षण को महसूस कर हर बीट का मज़ा लेंगे।

देखिये महाशिवरात्रि का एक ऐसा अनोखा कार्यक्रम जैसा पहले कभी नहीं हुआ : पूरे भारत से ज्योतिर्लिंगों की लाइव आरती

नई दिल्ली। जियोहॉटस्टार महाशिवरात्रि द डिवाइन नाइट के साथ एक अनोखे और मनमोहक महाशिवरात्रि कार्यक्रम के प्रसारण के लिए पूरी तरह तैयार है, जो 26 फरवरी को शाम 6 बजे से शुरू होने वाला 12 घंटे का विशेष लाइव प्रसारण होगा और पूरे देश में इस पवित्र उत्सव की भव्यता को प्रदर्शित करेगा। अपनी तरह का एक पहला, मल्टी-फॉर्मेट, मल्टी-लोकेशन, मल्टी-स्ट्रीम लाइव इवेंट, महाशिवरात्रि द डिवाइन नाइट, देश भर के ज्योतिर्लिंगों की 20 से ज़्यादा आरतियों तक रीयल-टाइम पहुँच के साथ साथ भारत को एक दिव्य उत्सव में एकजुट करने का विश्वास दिलाता है, जिससे दर्शक अपने घरों में बैठे ही इस उत्सव में भाग ले सकेंगे।

इस लाइव इवेंट के सीधे प्रसारण में दर्शक सभी ज्योतिर्लिंगों की 20 से ज़्यादा आरतियों को रीयल-टाइम में देख सकते हैं,क्योंकि देश भर से प्रसारित ये उत्सव उनके डिवाइस पर होंगे। इसके ज़रिये वे आरतियों के महत्व को समझ सकते हैं और साथ ही अनुष्ठानों के अर्थ को भी गहराई

से समझ सकते हैं। जियोहॉटस्टार ने उनके भव्य अनुष्ठानों के लाइव प्रसारण के लिये ईशा फ़ाउंडेशन के साथ भागीदारी की है, जिसमें विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले संगीत-कार्यक्रम भी शामिल हैं, जिससे रात भर चलने वाले इन उत्सवों को देश भर में देखा जा सकेगा। इसमें सद्गुरु के ध्यान और उपदेश भी शामिल होंगे। इस लाइव इवेंट में भगवान शिव से प्रेरित और उन्हें समर्पित प्रस्तुतियां भी शामिल होंगी। विभिन्न विधाओं में संगीतमय प्रस्तुतियों की इस रात को लोकप्रिय गायिका, गीतकार और संगीतकार सोना मोहपात्रा प्रस्तुत करेंगी। इस प्लेटफार्म से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के नेतृत्व में आर्ट ऑफ लिविंग के लाइव ध्यान भी शामिल होंगे।

आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव के साथ साथ दर्शक महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव और देवी पार्वती के मिलन को दर्शाने वाले तीन घंटे के विशेष एपिसोड के साथ देवों के देव महादेव के जादू को फिर से जी सकते हैं। जियोहॉटस्टार देश भर की महाशिवरात्रि से सम्बंधित परंपराओं को दर्शकों के लिए सहज और आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने जा रहा है, जिससे समुदाय के बीच गहरे संबंध बनेंगे। कस्टमाइज्ड इंटीग्रेशन, इमर्सिव स्टोरीटेलिंग और रियल-टाइम इंटरैक्शन के एक साथ आने से सामूहिक भागीदारी के साझा पलों का महत्व बढ़ेगा।

अपोलो हॉस्पिटल्स, लखनऊ ने सेवा, समर्पण और सहयोग के 6 साल पूरे किए

लखनऊ। चिकित्सा सुविधाएँ हर व्यक्ति के लिए आसानी से और उनके घर के पास उपलब्ध होनी चाहिए। यह किसी भी समाज की बुनियादी जरूरतों में से एक है। अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं न सिर्फ बीमारियों का इलाज करती हैं, बल्कि लोगों के जीवन की गुणवत्ता भी बढ़ाती हैं। अपोलोमेडिक्स अस्पताल ने उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि बिहार, झारखंड और नेपाल के एक बड़े हिस्से के मरीजों को बेहतरीन चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराते हुए अपने 6 साल पूरे कर लिए हैं। इस दौरान 4 लाख से ज्यादा ज़िंदगियों को छुआ और उनकी सेहत संवारने में अपनी भूमिका निभाई। अपोलो हॉस्पिटल्स, लखनऊ इस क्षेत्र (एनसीआर को छोड़कर) का पहला प्राइवेट अस्पताल है जिसने कई जटिल और एडवांस मेडिकल प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा के नए मानक स्थापित किए। इस खास अवसर पर अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप के प्रेसिडेंट और सीईओ डॉ. मधु शशीधर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. मधु शशीधर ने कहा, हर व्यक्ति के लिए बेहतरीन सेवाएँ उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। हम तकनीक और विशेषज्ञता के माध्यम से हेल्थकेयर को और उन्नत बना रहे हैं, ताकि कोई भी मरीज इलाज से वंचित न रहे। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के एमडी और सीईओ डॉ. मयंक सोमानी ने कहा, हम अपने 6 साल पूरे होने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। यह सिर्फ एक माइलस्टोन नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है।

महाकुंभ 2025 में अल्ट्राटेक ने प्लास्टिक वेस्ट के सस्टेनेबल मैनेजमेंट की पहल की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ 2025 में भारत की सबसे बड़ी सीमेंट और रेडी-मिक्स कॉन्क्रीट (आरएमसी) कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने प्रयागराज नगर निगम के साथ पार्टनरशिप में वेस्ट मैनेजमेंट की पहल शुरू की है। महाकुंभ का महासंकल्प नामक इस पहल का उद्देश्य दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम माने जाने वाले महाकुंभ में प्लास्टिक वेस्ट की चुनौती का समाधान करना है।महाकुंभ का महासंकल्प पहल 22 जनवरी को शुरू हुई और 28 फरवरी, 2025 तक चलेगी। इस पहल का उद्देश्य प्लास्टिक वेस्ट को इकट्ठा करना और इसे उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में अल्ट्राटेक की इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट डाला सीमेंट वर्क्स में सीमेंट मैन्युफैक्चर के लिए अल्टरनेटिव फ्यूल के रूप में

पुनः उपयोग करना है।

अल्ट्राटेक ने प्रयागराज में त्रिवेणी संगम और महाकुंभ के निर्धारित क्षेत्रों जैसे ज्यादा आवागमन वाले स्थानों पर सफाई कर्मचारियों और वेस्ट प्लास्टिक को इकठ्ठा करने के लिए डस्टबिन रखे है। इन डस्टबिन के अलावा, सफाई कर्मचारी प्लास्टिक वेस्ट भी इकट्ठा कर रहे हैं, जबकि एक सफाई वैन इस कचरे को अलग अलग करने के लिए छटाई केंद्र तक ले जाती है। इस पहल में लोगों की भागीदारी और जागरूकता बढ़ाने पर भी ध्यान दिया गया है। प्रयागराज में एक एलईडी वैन घूम रही है, जो लोगों को प्लास्टिक कचरे को अलग करने की जानकारी दे रही है और उन्हें इस अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रही है।

अलग अलग तरह के वेस्ट को इकठ्ठा करने कि स्ट्रेटेजी के साथ, यह पहल प्लास्टिक वेस्ट को इकठ्ठा करके इसके विभाजन और पुनः उपयोग पर फोकस करती है, जिससे वेस्ट का सुरक्षित जगह पर पूरी तरह से निपटान होता है। यह तरीका सीमेंट बनाने में फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता को कम करता है। साथ ही, प्लास्टिक वेस्ट से लैंडफिल पर दबाव घटाता है और मिट्टी व पानी में रिसाव से होने वाले पर्यावरणीय जोखिम को भी कम करता है।

अवैध बालू खनन में लगी दो नाव को खनन अधिकारी ने तोड़वाया

अवधनामा ब्यूरो

सिधावट घाट पर नाव तोड़वाते खनन अधिकारी

रामकोला क्षेत्र के छोटी गंडक नदी के सिधावट घाट पर हुई कार्रवाई

कुशीनगर। छोटी गंडक नदी के सिधावट घाट पर अवैध बालू खनन में लगी नाव को खनन अधिकारी ने मंगलवार की सुबह तोड़वा दिया। इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। अन्य घाटों पर खनन में लगे माफिया भाग निकले।

रामकोला थाना क्षेत्र से गुजरने वाली छोटी गंडक नदी के सिधावट घाट पर अवैध बालू खनन की सूचना पर स्थानीय प्रशासन के साथ पहुंचे खनन अधिकारी ने मौके से अवैध बालू खनन में लगी दो नाव को तत्काल जेसीबी से तुड़वाकर नदी में डूबो दिया। इस कार्रवाई से अवैध बालू खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। सिधावट घाट पर कार्रवाई की भनक लगते ही अन्य घाटों पर लगे माफिया फरार हो गए। इस संबंध में खनन अधिकारी अभिषेक सिंह ने बताया कि किसी भी कीमत में अवैध खनन नहीं होने दिया जाए। इसके लिए लगातार अभियान जारी रहेगा।

छोटी गंडक नदी के ये घाट है चर्चित- अवैध बालू खनन के लिए छोटी गंडक नदी के विभिन्न घाट ऐसे है जो हमेशा चर्चा में रहता है। इन घाटों पर आए दिन रात हो या दिन खनन माफिया हमेशा खनन में लगे रहते है। जो घाट चर्चित है उसमें कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सुअरहां, फरदहां, बभनौली, मलुकही, मुड़ीला हरपुर, पुरैनी व रामकोला थाना क्षेत्र के पगार मिश्रौली, मुरली छपरा, हरदी छपरा, खोटही के धोविया टोला, सिधावट तथा हाटा कोतवाली क्षेत्र के दुबौली, सिकटिया के गड़ेरीपट्टी, बनटोलवा, कसया थाना क्षेत्र के डुमरी सवांगीपट्टी आदि घाट पर अवैध बालू खनन की सूचना हमेशा मिलती रहती है जिससे ये सब घाट प्रचलित हो गए है।

बाइक सवार बुजुर्ग महिला को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

महराजगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के महराजगंज शिवगढ़ रोड पर ओथी गांव के पास रोड हादसे में बाइक पर सवार 71 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला ट्रैक्टर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से 108 एंबुलेंस पर लादकर उसे सीएचसी महराजगंज लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए, जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। आपको बता दें कि, घटना आज मंगलवार सुबह लगभग 9:30 बजे की है। मिल एरिया थाना क्षेत्र के शक्ति नगर कॉलोनी की रहने वाली शिवधनी पत्नी हरिशंकर बाजपेई अपने बेटे के साथ बाइक पर सवार होकर रिश्तेदारी जा रही थी, तभी ओथी गांव के पास सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े।

न्यायाधीशगणों ने किया राजकीय बाल गृह का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में अध्यक्ष, (अनुश्रवण समिति) आश्रय गृह (बालक) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती छाया नैन, सदस्य, (अनुश्रवण समिति) आश्रय गृह (बालक)/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवरिया श्री मनोज कुमार तिवारी एवं सदस्य, (अनुश्रवण समिति) आश्रय गृह (बालक)/मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती मंजू कुमारी द्वारा राजकीय बाल गृह का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष, (अनुश्रवण समिति) आश्रय गृह/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती छाया नैन द्वारा बच्चों को पौष्टिक भोजन व समय-समय पर उचित खान-पान की व्यवस्था के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। उनके द्वारा आश्रय गृह के प्रपत्रों व्यवस्थित करने हेतु दिशा निर्देश दिया। सदस्य, (अनुश्रवण समिति) आश्रय गृह/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवरिया श्री मनोज कुमार तिवारी द्वारा बाल गृह संरक्षक को निर्देशित किया गया कि वह बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, खेल प्रतियोगिता कराये, बच्चों के लिए लाईब्रेरी, कम्प्यूटर ज्ञान, तथा उनके कौशल विकास के लिए आवश्यक कार्यवाही करें। राजकीय बाल गृह के प्रभारी अध्यक्ष को निर्देशित करते हुये कहा कि बच्चों के अन्दर नैतिक मुल्यों का विकास कर, बच्चों के अन्दर नई उर्जा एवं संचार हेतु कार्यक्रम का आयोजन तथा निबन्ध, योग, संगीत, चित्रकला इत्यादि प्रतियोगिता का आयोजन कर बच्चों को प्रोत्साहित करें। सदस्य (अनुश्रवण समिति) आश्रय गृह/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया श्री मनोज कुमार तिवारी, ने कहा कि परिसर को निरंतर स्वच्छ रखा जाये तथा बच्चों के खेलने की समुचित व्यवस्था की जायें जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। इसके साथ ही बच्चों के दिनचर्या में व्यायाम को भी रखा जाये जिससे बच्चे शारीरिक रूप से मजबूत रहें।

आदर्श मिश्र को दिल्ली विवि. से मिली पीएचडी की उपाधि

अवधनामा ब्यूरो

आदर्श की फाइल फोटो

कुशीनगर। नेबुआ रायगंज निवासी मृत्युंजय मिश्र के पुत्र आदर्श मिश्र को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग से पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई है। इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। दिल्ली विश्वविद्यालय के 101 वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि भारत सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो योगेश सिंह की मौजूदगी में डॉ आदर्श मिश्र को विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की गई। गौरतलब हो कि डॉ आदर्श ने बारहवीं तक की शिक्षा सिसवा बाज़ार चोखराज विद्यालय से प्राप्त की है और उसके पश्चात देश के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज से उन्होंने स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। यहां 2016 में यह कॉलेज टापर थे। एम.ए. की पढ़ाई इन्होंने देश और दुनिया के नामचीन संस्थानों में से एक जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से पूरी की। एम.ए. में भी ये जेएनयू टॉपर थे। एम.ए. के दौरान ही इन्होंने यूजीसी जेआरएफ की परीक्षा भी पास की और 2018 में पुनः दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में प्रवेश लिया। उनके शोध का विषय 'केदारनाथ सिंह के कविताओं में लोक चेतना की अभिव्यक्ति' है। अब तक डॉ मिश्रा के एक दर्जन से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। साथ ही साथ देश के कई विश्वविद्यालयों में उनको कविता पाठ के लिए भी आमंत्रित किया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की उपाधि प्राप्त होने के बाद पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई और उनके निजी आवास पर देर रात तक उनके परिजनों को बधाई देने के लिए लोगों का ताता लगा रहा।

सामुदायिक शौचालय बदहाल, फाइलों में बह रही स्वच्छता की बयार

अवधनामा संवाददाता

ग्रामीण की शिकायत पर एडीओ छतोह को जांच कर कार्यवाही करने का आदेश

नसीराबाद, रायबरेली। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता की बयार बहाने व गांवों को खुले में शौच मुक्त बनाने के लिए सरकार की ओर से व्यक्तिगत शौचालयों के साथ हर ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालयों का निर्माण करवाया गया है। सामुदायिक शौचालयों के संचालन के लिए महिला कर्मियों की तैनाती कर उन्हें प्रति माह 6,000 रुपये मानदेय और साफ-सफाई के लिए 3,000 रुपये भी दिए जाते हैं। बावजूद इसके जिम्मेदारों की उदासीनता और कर्मियों की लापरवाही के चलते ग्रामीण स्वच्छता की योजना को पंख नहीं लग पा रहे हैं। देखरेख के अभाव में जहां कई शौचालय बंद हैं तो कई स्थानों पर मूलभूत संसाधन तक गायब हैं। प्रस्तुत है पड़ताल करती हुई एक रिपोर्ट.छतोह विकास खंड के ग्राम पंचायत महमदपुर नमकसार में स्थित सामुदायिक शौचालय जो बनने के बाद से ही सिर्फ शोपीस मात्र बन कर रह गया है।वहीं यह सामुदायिक शौचालय देख रेख के आभाव में जर्जर स्थित हो गया।जिसके चलते लाखों रूपए खर्च कर बनवाया गया यह सामुदायिक शौचालय हमेशा बंद होने के चलते ग्रामीणों को इस का लाभ नही मिल पा रहा है।आसपास काफी गंदगी फैली हुई थी। ग्रामीण अनिकेश कुमार ने बताया कि निर्माण के बाद से ही शौचालय में ताला जड़ा हुआ है। संचालन के लिए किसी की तैनाती है भी कि नहीं, इसकी कोई जानकारी नहीं।इस अनियमितता को लेकर 1076 मुख्यंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाकर ग्रामीणों की सुविधा के लिए बनवाऐ सामुदायिक शौचालय का संचालन कराए जाने की मांग की गई है। शौम्यशील सिंह डीपीआरओ ने कहा कि मामले की जांच सहायक विकास अधिकारी छतोह को सौंपी गई है। स्थिति की जानकारी नहीं है। टीम भेजकर बंद और बदहाल पड़े सामुदायिक शौचालयों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

रायबरेली में वन स्टाप सेन्टर का किया गया निरीक्षण

रायबरेली अवधनामा संवाददाता। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनुपम शौर्य द्वारा वन स्टाप सेन्टर का निरीक्षण किया गया। दौरान निरीक्षण बाल संरक्षण अधिकारी वीरेन्द्र पाल भी उपस्थित रहे। अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा वन स्टाप सेन्टर, रायबरेली के सम्बन्ध में उपस्थित सेन्टर मैनेजर आस्था ज्योति से विस्तृत रुप से जानकारी ली गयी। सेन्टर मैनेजर आस्था ज्योति द्वारा वन स्टाप सेन्टर में महिलाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं से अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत कराया गया। सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि यदि किसी प्रकार की समस्या के सम्बन्ध में कोई प्रार्थनापत्र प्राप्त हो तो अविलम्ब उसे कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रेषित करें। इसके अतिरिक्त नवांगतुक पीड़िताओं/महिलाओं को विधिक, चिकित्सकीय, मानसिक, दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं को नियमानुसार उपलब्ध कराये जाने की सलाह दी गयी। दौरान निरीक्षण काउंसलर श्रद्धा सिंह, केसवर्कर अर्चना सिन्हा, कम्प्यूटर ऑपरेटर साधना श्रीवास्तव व पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

परियोजना निदेशक ने की वर्चुअल मीटिंग

अमेठी। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना और जीरो पावर्टी सर्वे की प्रगति की समीक्षा को परियोजना निदेशक ऐश्वर्य यादव ने मंगलवार को खंड विकास अधिकारियों और पंचायत सचिवों के साथ वर्चुअल मीटिंग की। समीक्षा बैठक में उन्होंने कम प्रगति वाली ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अवशेष लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन बढ़ाने के साथ जीरो पावर्टी सर्वे में सामने आए लाभार्थियों की पात्रता का स्थलीय सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिले में मंगलवार तक प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अन्तर्गत 27000 रजिस्ट्रेशन हुए हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के सर्वे के लिए 31 मार्च अंतिम तारीख निर्धारित की गई है। सर्वेक्षण का काम जारी है। जीरो पावर्टी सर्वे का काम पिछले महीने ही पूरा हो चुका है। पी डी ने लाभार्थियों की पात्रता की जांच के निर्देश दिए हैं। अमेठी विकास खंड में खंड विकास अधिकारी बृजेश कुमार के साथ सभी पंचायत सचिव वर्चुअल मीटिंग में शामिल हुए।

राज्य सड़क निधि से 525 मार्गों की मरम्मत के लिए शासन ने स्वीकृत की 1.74 अरब की धनराशि

अमेठी अवधनामा संवाददाता। राज्य सड़क निधि से प्रदेश के विभिन्न जिलों में 525मार्गों की विशेष मरम्मत के लिए शासन ने 1744817000रू की धनराशि स्वीकृत की है। वित्तीय वर्ष 2024-25में अनुदान संख्या -58के लेखा शीर्षक-3054 के अन्तर्गत राज्य सड़क निधि से एक अरब,चार करोड़ अरसठ लाख सत्तासी हजार की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की गई है। विशेष मरम्मत के लिए हाल में ही जिन जिलों को पैसा मिला है उनमें मुजफ्फरनगर, सहारनपुर , गोरखपुर, अमेठी और सुल्तानपुर की 63सडकें है। अमेठी जनपद में लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड की तीन दर्जन से अधिक सड़कें इस वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति में शामिल हैं। जनपद को तेरह करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि प्राप्त हुई है। विशेष मरम्मत के लिए हाल में ही जिन जिलों को पैसा मिला है उनमें मुजफ्फरनगर, सहारनपुर , गोरखपुर, अमेठी और सुल्तानपुर की 63सडकें है। अमेठी जनपद में लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड की तीन दर्जन से अधिक सड़कें इस वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति में शामिल हैं। जनपद को तेरह करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि प्राप्त हुई है। अधिशासी अभियंता इंजीनियर शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि विशेष मरम्मत की सभी सड़कें पिछले प्रस्ताव में शामिल की गई थीं। सड़कों की निर्माण लागत 1308.17लाख है। इनमें से 784.90 लाख रूपए की धनराशि अवमुक्त की गई है। विशेष मरम्मत के कार्यों के लिए निविदा प्रक्रिया गतिमान है। निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराए जायेंगे।

महाशिवरात्रि : दो सुपर जोनल, छह जोनल, 38 सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। महा शिवरात्रि त्यौहार पर आज सभी शिव मंदिरों में जलाभिषेक के दौरान अत्यधिक भीड़ होने की संभावना रहेगी। इसमें अलावा मेला व जुलूस का भी आयोजन किया जाता है। इसे शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने किए जिला मजिस्ट्रेट विशाल भारद्वाज ने महाशिवरात्रि के दिन ड्यूटी पर सुपर जोनल मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट, नगर निकाय क्षेत्रवार/तहसील/ पुलिस चौकीवार नियुक्त किए हैं।

जिला मजिस्ट्रेट ने सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र कसया, सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र हाटा, संपूर्ण तहसील क्षेत्र तमकुहीराज, हेतु सुपर जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में अपर जिला मजिस्ट्रेट वैभव मिश्रा को नामित किया है, तथा सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र पडरौना, खड्डा, व कप्तानगंज हेतु सुपर जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में अपर जिला मजिस्ट्रेट न्यायिक प्रेम कुमार राय को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में नामित किया है। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र कसया हेतु उप जिलाधिकारी कसया को जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में नामित किया है, इसी प्रकार संपूर्ण तहसील क्षेत्र हाटा के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट हाटा को, सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र तमकुहीराज के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट तमकुहीराज को, संपूर्ण तहसील क्षेत्र पडरौना के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट पडरौना को, संपूर्ण तहसील क्षेत्र खड्डा के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट खड्डा को, संपूर्ण तहसील क्षेत्र कप्तानगंज के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट कप्तानगंज को जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में नामित किया है।

सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में 38 अधिकारियों को नामित किया गया है जिसके अंतर्गत तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी तथा अन्य जनपद, ब्लॉक, तहसील स्तरीय अधिकारियों को पुलिस चौकी वार, कस्बा चौकी वार, प्रमुख चौक वाइज नामित नामित किए हैं। इसके अलावा रिजर्व में 05 जोनल व 05 सेक्टर मजिस्ट्रेट भी नामित किए है। उन्होंने बताया कि समस्त मजिस्ट्रेट अपने-अपने तैनाती क्षेत्र में भ्रमण कर यह सुनिश्चित कर लेगे कि किसी भी शिव मंदिरों स्थल पर कानून व्यवस्था के दृष्टिगत वहां कोई विवाद न हो तथा सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे। वर्तमान समय में धारा 163 लागू है।

सार्वजनिक स्थल पर कानून व्यवस्था के दृष्टिगत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शान्ति व्यवस्था बनाए रखेंगे। उन्होंने बताया कि कलेक्ट्रेट कुशीनगर में इसके लिए एक कन्ट्रोल रूम बनाया गया है, जिसका सम्पर्क नम्बर-05564-240590 है।

अनियमितता की पुष्टि होने पर राशन की दुकान निलंबित

अवधनामा संवाददाता

कप्तानगंज, कुशीनगर। विकास खण्ड के गांव पड़ौली सोना पाकड़ में राशन की दुकान में अनियमितता की पुष्टि होने पर एसडीएम ने तत्काल प्रभाव से कोटे की दुकान निलंबित कर दिया। इसके साथ ही सभी कागजात व ई पास महीन जमा करने का निर्देश दिया। बता दें कि उक्त ग्राम सभा निवासी विजय कुमार पांडेय द्वारा सोना पाकड़ में उचित सरकारी सस्ते राशन की दुकानदार रघुनाथ के खिलाफ मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी कि सभी कार्ड धारकों के साथ घटतौली और अभद्र व्यवहार किया जाता है। जिसका मौके पर जाकर पूर्ति निरीक्षक कप्तानगंज द्वारा सभी कार्ड धारकों से शिकायत की जहां जांच में घटतौली और दुकान का साइन बोर्ड आदि न लगना पाया गया जिसको संज्ञान में लेते हुए उप जिलाधिकारी कप्तानगंज द्वारा उक्त दुकान को निलंबित करते हुए दूसरे ग्राम सभा में कोटे की दुकान को सम्बद्ध करने का आदेश दिया गया है।

बोर्ड परीक्षा दे रहे दसवीं के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

अवधनामा संवाददाता

खड्डा थाना क्षेत्र के हथिया गांव का मामला

खड्डा, कुशीनगर। थाना क्षेत्र के ग्राम सभा हथिया निवासी एक 15 वर्षीय दसवीं के छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दिया। सुबह परिजन घर में गए तो उसका शव फंदे से लटकता देख चीखने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक का शव कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। बताया जा रहा है कि खड्डा थाना क्षेत्र के हथिया गांव निवासी अमरनाथ गोसाई पुत्र महातम गोसाई उम्र करीब 15 वर्ष कक्षा दसवीं का छात्र है। वह सोमवार से शुरू हुई बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हुआ था। अभी एक ही पेपर दे पाया था कि उसी रात घर में फांसी लगाकर जान दे दिया। मंगलवार की सुबह परिजन घर में गए तो देखा अमरनाथ का लाश लटक रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना स्थल पर युवक का किताब मिला। युवक के मौत पर घर में कोहराम मच गया परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में थानाध्यक्ष खड्डा द्वारा बताया गया कि शव को पोस्टमार्टम में भेज सभी तथ्यों को गहनता से जांच की जा रही है।

कुंभ गए युवक का मोबाइल चोरी कर निकाल लिए 2.86 लाख

बोदरवार, कुशीनगर अवधनामा संवाददाता। थानाक्षेत्र कप्तानगंज के सोमली गांव निवासी एक व्यक्ति बीते 20 फरवरी को अपने साथी ग्रामीणों के साथ गोरखपुर से कुम्भ स्नान के लिए प्रयागराज जा रहा था, जिसका मोबाईल चोरों ने मेला में ही चोरी कर लिया तथा मोबाईल का यूपीआई प्रयोग कर खाते से 2 लाख 86 हजार रुपए निकाल लिए। कप्तानगंज थाना में पीड़ित ने तहरीर देकर जिक्र किया है कि हम अपने परिजनों तथा गांव निवासी कुछ मित्रों के साथ बीते 20 फरवरी को प्रयागराज कुम्भ स्नान के लिए निकले थे। अगले दिन सुबह जब प्रयागराज पहुंचें तो भीड़भाड़ का लाभ उठाकर चोरों ने मेरा मोबाइल चोरी कर लिया। चोरों ने मोबाईल का यूपीआई नम्बर प्रयोग कर पंजाब नेशनल बैंक की शाखा बोदरवार में संचालित खाते से 2,86,000 रुपए निकाल लिया। प्रभारी निरीक्षक धनवीर सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है, मामला साइबर अपराध से जुड़ा है। मोबाईल नम्बर सर्विलांस पर लगाया जा रहा है।

एड्यूलीडर्स सम्मान समारोह में सम्मानित किए गए 80 अध्यापक, खंड शिक्षा अधिकारियों का भी हुआ सम्मान

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। जिला स्तरीय एड्यूलीडर्स सम्मान समारोह कार्यक्रम में जिले भर के 80 अध्यापक सम्मानित किए गए । जिले के प्रत्येक ब्लॉक से दो अध्यापकों का जनपद स्तरीय निर्णायक मंडल द्वारा व राज्य स्तरीय निर्णायक समिति के अनुसमर्थन से चयन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश द्विवेदी व उप शिक्षा निदेशक हरकेश यादव जी के निर्देशन में कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम में डायट सुलतानपुर से डाइट के वरिष्ठ प्रवक्ता हरिओम त्रिपाठी, राजीव सिंह, नरेंद्र प्रताप सिंह व दिलीप शर्मा उपस्थित रहे। साथ ही कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी गौरीगंज अर्जुन सिंह खंड शिक्षा अधिकारी सिंहपुर हरिओम तिवारी, खंड शिक्षा अधिकारी भादर शिवकुमार यादव, खंड शिक्षा अधिकारी भेटुआ संतोष कुमार यादव व जिले की टीम एसआरजी से राकेश कुमार मिश्र, अनिल कुमार मिश्र व अमिता मिश्रा के साथ ही जिला समन्वयक विज्ञान गरिमा यादव उपस्थित रही। जिला संयोजक रोहित प्रताप सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में इस वर्ष रिटायर हो रहे 27 अध्यापकों में से उत्कृष्ट कार्य करने वाले 9 अध्यापकों को भी लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया इनमें भेटुआ ब्लॉक से हृदय प्रकाश सिंह ,शुकुल बाजार से श्यामलाल, जगदीशपुर से रामधन वर्मा व शिवसागर त्रिपाठी, तिलोई से अब्दुल कयूम, सिंहपुर से विजय नारायण शुक्ल, बहादुरपुर से मंजूलता श्रीवास्तव, संग्रामपुर से गायत्री देवी को अपने उत्कृष्ट कार्यो के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम में रवि शंकर द्विवेदी, सर्वेश कुमार, रामाशंकर यादव, प्रमोद तिवारी, रोहित प्रताप सिंह,सालेहा खातिर जमा, रजिया बानो, आनंद कुमार, आलोक द्विवेदी, नूतन मिश्रा, रश्मि सिंह, राजीव रंजन भारती ,आशीष श्रीवास्तव, श्रद्धा श्रीवास्तव, अजय कुमार मौर्य, किरन सिंह बैस, पूनम सिंह आदि उपस्थित रहे।

विद्युत विभाग के अधिकारियों की मनमानी कार्यशैली से उपभोक्ता त्रस्त

लालगंज, रायबरेली। बिजली विभाग के अधिकारियो की मनमानी कार्यशैली से उपभोक्ता हलेकान है। बिल सही कराने से लेकर नया कनेक्सन कराने, अन्य समस्याओं की बार-बार शिकायतों के बाद भी अधिकारी लापरवाह बने हुए है। अधिकारियो की लचर कार्यशैली से उपभोक्ताओं में आक्रोश पनप रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशो के बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियां कर्मचारियों की मनमानी कार्यशैली में कोई सुधार नही हो रहा है। साशन के सख्त निर्देशो के बाद भी अधिकारी सुबह अपने कार्यालयों में नही बैठ रहे है। जिसके चलते उपभोक्ता उनकी खाली कुर्सियों को देखकर निराश हो जाते है और उन्हे अपना कार्य कराये बिना ही बैंरग वापस लौटना पड़ रहा है। सबसे बदतर स्थिति बेंहटा कलां उपकेंद्र की बताई गई है। जहां न तो जेई समय से मिलते है औ न ही अन्य सरकारी कर्मचारी। पूरा उपकेंद्र संविदा कर्मियों के सहारे चलाया जा रहा है।

पेड़ तोड़ने से मना करने पर ईंट पत्थरो से हमला

लालगंज, रायबरेली अवधनामा संवाददाता। घर के सामने लगे नीम के पेड़ को तोडने से मना करने पर आधा दर्जन लोगो ने ईंट पत्थरो से हमला कर दिया। जिसमें युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। पीड़ित ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से की है। कोतवाली क्षेत्र के पूरे टेढ़े मजरे अम्बारा पश्चिम गांव निवासी अशोक कुमार पुत्र रामपाल ने पुलिस को दिये गये शिकायती पत्र में बताया कि उसके घर के सामने नीम का पेड़ लगा हुआ है जिसे पड़ोसी जबरन तोड़ रहे थे। मना करने पर आरोपियों ने ईंट पत्थरो से हमला कर दिया गया। जिसमें उसके सिर समेंत अन्य अंगो में गंभीर चोटें आई है। पीडित की तहरीर पर पुलिस ने घायल को इलाज के लिये सीएचसी भेजा जहां हालत गंभीर होने के चलते चिकित्सको ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय भेज दिया हे। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि अशोक की तहरीर पर आरोपी रामविलास, शिवविलास, आशू, काजल व शीला देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

शिवरात्रि को लेकर क्षेत्र के शिवमंदिरो में तैयारियों को लेकर प्रशासन चौकस

लालगंज, रायबरेली अवधनामा संवाददाता। शिवरात्रि पर्व को लेकर क्षेत्र के शिवालयों में तैयारियां जोरो से चल रही है। क्षेत्र प्रसिद्ध शक्तिपीठ ऐहार स्थित बाबा बाल्हेश्वर मंदिर व गहिरी स्थित गहिरेश्वर मंदिर में शिवरात्रि को लेकर विशेश इंतजाम किये जा रहे है। मेले को लेकर जहां कमेटी के लोग व्यवस्था में जुटे है वही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रसाशन भी बैरीकेंटिग आदि की व्यवस्था कर रहा है जिससे श्रंद्वालुओं को भीड़ में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। बाबा बाल्हेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी पं. झिलमिल महराज ने बताया कि मंदिर परिसर में लग रहे टीन शेड का कार्य शिवरात्रि से पूर्व पूर्ण कर लिया जायेगा। इस वर्श बाबा का श्रंगार श्रंद्वालुओं के विशेष आकर्शण का केंद्र होगा। मेले में लाखों लोगो के आने का अनुमान लगाया जा रहा है। जिसके लिये सभी प्रकार की तैयारियां युद्वस्तर पर जारी है। इसके अतिरिक्त सरेनी स्थित लोधेश्वर, मां संकटा स्थित त्रम्बकेश्वर मंदिर, सतनेश्वर मंदिर में भी शिवरात्रि को लेकर तैयारियां की जा रही है। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि शिवरात्रि में भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था के कडे बंदोबस्त किये जा रहे है।

राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, मेहरौना, देवरिया में प्रवेश के लिए आवेदन 28 फरवरी से

देवरिया अवधनामा संवाददाता। जिला समाज कल्याण अधिकारी जैसवार लाल बहादुर ने बताया है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, मेहरौना, विकास खंड-रामपुर कारखाना, देवरिया एक निःशुल्क आवासीय विद्यालय है, जहाँ कक्षा 6 से 12 तक की शिक्षा यूपी बोर्ड के पाठ्यक्रम के अनुसार प्रदान की जाती है। विद्यालय में विभिन्न कक्षाओं के लिए 85 प्रतिशत सीटें ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों तथा 15 प्रतिशत सीटें शहरी क्षेत्र के छात्रों के लिए आरक्षित हैं। इसके अतिरिक्त, 60 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति/जनजाति, 25 प्रतिशत सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 15 प्रतिशत सीटें सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए निर्धारित हैं। विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 6, 7, 8, 9 एवं 11 में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया 28 फरवरी 2025 से प्रारंभ होगी और 15 मार्च 2025 तक आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। पात्र आवेदकों की सूची 20 मार्च 2025 को प्रकाशित की जाएगी। 27 मार्च 2025 को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, जिसके आधार पर सफल छात्रों की सूची 31 मार्च 2025 को प्रकाशित की जाएगी और उसी दिन से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

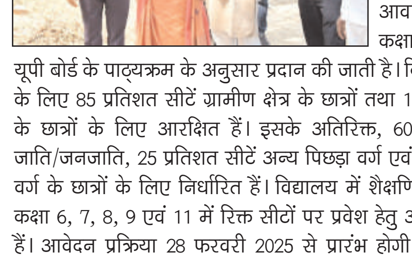

कार्यालय नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद-सिद्धार्थनगर

पत्रांक 1063(1) /न.पं.कपि.सि. नगर/2024-25 दिनांक 24.02.2025

भवन के निर्माण, पुनः निर्माण, संशोधन, परिवर्तन पर नियंत्रण उपविधि/उपनियमावली-2025

विज्ञप्ति / सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 के अध्याय-9, नियम, विनियम और उपविधि के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद-सिद्धार्थनगर सीमान्तर्गत भवन के निर्माण को नियन्त्रण करने के लिये पुनः निर्माण, संशोधन, परिवर्तन के सम्बन्ध में (शुल्क/फीस) निर्धारण एवं वसूली हेतु नियमावली वर्ष 2025 बनाये जाने हेतु उपविधि/उपनियम तैयार कर प्रकाशन दैनिक समाचार पत्र राष्ट्रीय सहारा, ग्राम्यवार्ता एवं अवधनामा में प्रकाशन कराकर 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राप्त कर लिया गया। जिसके उपरान्त नव निर्माण भवनों के नक्सा स्वीकृत हेतु प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण करते हुए अन्तिम प्रकाशन किया जाता है-

उपविधि

1-संक्षिप्त नाम व विस्तार- यह उपविधि नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर की भवन निर्माण उपविधि सन् 2025 के नाम से पुकारी जायेगी। इसका प्रभाव नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद-सिद्धार्थनगर की सीमा में निर्माण होने वाले भवनों पर होगा।

2- प्रभाव-यह उपविधि नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर के नाम से शासकीय गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से प्रभावी होगी।

3-'नगर पंचायत' का तात्पर्य नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद-सिद्धार्थनगर से है।

4- 'अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष' का तात्पर्य नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर के अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष से है।

5-'नगरपालिका अधिनियम' का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 से है।

6-'भवन' का तात्पर्य नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर की सीमा में निर्माण होने वाले भवनों से है, जिनका निर्माण/पुनर्निर्माण/संशोधन/ परिवर्द्धन/परिवर्तन समय - समय पर किया जायेगा।

7- यह उपविधि के लागू होते ही नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर में प्रचलित वर्तमान नियमों उपबन्ध उस सीमा तक जहां तक इन उपनियमों से असंगत हो, प्रभाव शून्य समझे जायेंगे।

8-(अ) भवन निर्माण संशोधन, पुनर्निर्माण के पूर्व स्वामी/अध्यासी को नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 178 के अन्तर्गत आवेदन के साथ प्रस्तावित भवन निर्माण ड्राइंग की दो प्रति प्रार्थना-पत्र के साथ संलग्न करना होगा, जिससे सेक्शन प्लान फ्रन्ट एलीवेशन कम से कम दो सेलक्शन/जल निकास व्यवस्था प्लान सैप्टिक है कि ड्राइंग साइट प्लान जिसमें चारों ओर से भवन व भूमि की स्थिति स्पष्ट देना होगा तथा प्रस्तावित भवन का आगणन, लेबरसेस एवं अनुसूची प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

(ब) ड्राइंग 1:100 के पैमाने ब्लू प्रिन्ट पेपर पर बनाकर प्रस्तुत करना होगा।

(स) भवन निर्माण में कमरे आदि नियत क्षेत्रफल के अनुसार स्पष्ट होगा।

9-(1) कक्ष की खिड़की आदि संवातन हेतु दीवार के क्षेत्रफल का कम से कम 10 प्रतिशत होगी।

(2) दरवाजे की ऊंचाई कम से कम 1.80 मीटर कुर्सी तल पर से होगी।

(3) मुख्य बाहरी दीवाल की मोटाई कम से कम 23 से.मी. होगी, बाउन्ड्री दीवाल की मोटाई 18 सेमी. मोटी रखी जा सकती है।

(4) दो से अधिक मंजिल की ऊंचाई के निर्माण हेतु प्रस्तावित ड्राइंग के साथ नींव को अभिकल्प भी संकल्प करना आवश्यक होगा।

10- छत की ऊंचाई कम से कम 11 फुट से अधिक होनी चाहिए।

11- प्रत्येक मंजिल हेतु ड्राइंग से अलग-अलग प्लान स्पष्ट करना होगा।

12-भवन निर्माण में निम्न विवरण के अनुसार खाली क्षेत्र छोड़ना अनिवार्य होगा-

(क) 100 वर्ग मी. तक के भू-खण्ड कुल क्षेत्रफल 10 प्रतिशत

(ख) 100-200 वर्ग मी. तक के भू-खण्ड कुल क्षेत्रफल 10 प्रतिशत

(ग) 200-500 वर्ग मी. तक के भू-खण्ड कुल क्षेत्रफल 15 प्रतिशत

(घ) 500-1000 वर्ग मी. तक के भू-खण्ड कुल क्षेत्रफल 20 प्रतिशत

(ङ) 1000 से अधिक वर्ग मी. तक के भू-खण्ड कुल क्षेत्रफल 25 प्रतिशत

13- ड्राइंग बनाने हेतु नगर पंचायत द्वारा तकनीकी अर्हता, न्यूनतम सिविल आर्किटेक्ट डिप्लोमा प्राप्त व्यक्तियों का पंजीकरण किया जायेगा, जिसके लिये अधिशासी अधिकारी द्वारा आवश्यक शर्तों के साथ विज्ञप्ति निकाली जायेगी। रजिस्टर्ड ड्राफ्टमैन को प्रतिवर्ष 5,000.00 रुपया शुल्क जमा करना होगा। इसके अतिरिक्त प्रति ड्राइंग रु. 100.00 की धनराशि ड्राफ्टमैन को कार्यालय में जमा करना होगा, उपरोक्त धनराशि न जमा करने पर उनका पंजीकरण रद्द माना जायेगा।

14- नगर पंचायत के द्वारा स्वीकृत मानचित्र के आधार पर ही निर्माण कार्य किया जायेगा, जो ड्राइंग बनाने वाले पंजीकृत ड्राइंग के अनुसार कराने का प्रमाण-पत्र भी उक्त व्यक्ति को देना होगा।

15- नगर पंचायत के द्वारा स्वीकृत मानचित्र के विरुद्ध कार्य कराने पर मानचित्र स्वतः निरस्त माना जायेगा और अर्थ दण्ड रु. 4,000.00 वसूल किया जायेगा।

16-भवन निर्माण सम्बन्धी स्वीकृति प्राप्त करने हेतु प्रत्येक व्यक्ति को प्रस्तावित भूखण्ड का तैयार किया गया संलग्न मानचित्र सहित आवेदन-पत्र निम्नवत् निर्धारित शुल्क दर के अनुसार धनराशि जमा करने के उपरान्त नगर पंचायत कार्यालय में दाखिला मान्य होगा।

17- भवन निर्माण का उद्देश्य बताना होगा (1) निजी आवास के लिये (2) व्यवसाय व्यापार के लिये (3) रहने व दुकान के लिये किराये पर देने के लिये (4) जन हितार्थ है तो विवरण (5) अन्य कार्य के लिये। प्रत्येक मानचित्र आवेदन करते समय रू. 150.00 प्रति मानचित्र आवेदन शुल्क जमा करना अनिवार्य है।

18 - फीस की दरें-

आवासीय भवन हेतु

(1) प्रथम 100 वर्ग मीटर तक फर्श के कुल ढ़के भाग पर रुपया 2.00 प्रति वर्गफुट तथा अतिरिक्त प्रति 10 वर्ग मीटर पर रुपये 150.00 देय होगा।

व्यापारिक संस्था हेतु दरें-

(2) प्रथम 50 वर्ग मीटर तक फर्श के कुल ढके भाग पर रुपया 4.00 प्रति वर्गफुट तथा अतिरिक्त प्रति 10 मीटर पर रुपये 200.00 देय होगा।

(3) यदि भवन आवासीय एवं व्यापारिक दोनो हो तो मानचित्र में उपलब्ध विवरण के अनुसार उसी अनुपात में देय होगा।

19- प्रोजेक्शन भू-खण्ड के क्षेत्र के बाहर सीढ़ी, छज्जा आदि की अनुमति नहीं होगी।

20-मकान बनाते समय वातानुकूल हेतु पर्याप्त खिड़कियों, शौचालय एवं मकान में चातुरादिक स्थान की प्राथमिकता पर होना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा।

21- (1) निर्धारित आवेदन प्रारूप पर प्राप्त भवन निर्माण हेतु प्रार्थना-पत्र के साथ भू-स्वामित्व का प्रमाण-पत्र (आधार कार्ड, रजिस्ट्री/बैनामा पेपर, खसरा खतौनी, जमीन/मकान का रंगीन फोटोग्राफ, नक्से की ब्लू-पिन्ट कापी, भवन स्टीमेट, लेखपाल द्वारा नजरी नक्शा इत्यादि) तथा प्रस्तावित भवन निर्माण ड्राइंग की दो प्रति संलग्न कर कार्यालय नगर पंचायत में जमा करना होगा।

(2) प्रार्थना-पत्र के उपरान्त प्रस्तावित भवन के चारों ओर के भू-स्वामियों को नोटिस देकर सूचित किया जायेगा कि वे एक सप्ताह के अन्दर यदि आपत्ति हो तो अपना पक्ष प्रस्तुत करें, यदि एक सप्ताह के अन्दर कोई आपत्ति नहीं प्राप्त होती है तो यह समझा जायेगा कि उक्त निर्माण से किसी को कोई आपत्ति नहीं है और स्वीकृत की अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

(3) प्रस्तावित ड्राइंग की आवश्यकतानुसार आख्या प्राप्त करने के उपरान्त ही स्वीकृति पर विचार किया जायेगा।

(4) प्रस्तावित निर्माण को सन्निकट सड़क, नाली, गली से तीन फुट अपनी जमीन छोड़कर निर्माण कार्य प्रारम्भ करना होगा।

(5) उपरोक्तानुसार भवन निर्माण की स्वीकृति प्रशासक/अधिशासी अधिकारी द्वारा दी जायेगी, जो स्वीकृति के दिनांक से एक वर्ष के लिए मान्य होगी।

(6) यदि निर्माण कार्य एक वर्ष में पूरा नहीं किया जा सकता है तो पुनः नवीनीकरण हेतु आवेदन-पत्र आवेदक को निर्धारित शुल्क के साथ जमा करना होगा। नवीनीकरण अगले वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकेगा। साथ ही वाहन पार्किंग, हरियाली हेतु कुल कारपेट क्षेत्र का 10 प्रतिशत स्थान छोड़ना होगा।

(7) एक बार स्वीकृत की अवधि बढ़ जाने पर पुनः अवधि बढ़ाने की स्वीकृति नहीं दी जायेगी। आवेदक को नये सिरे से अवशेष निर्माण हेतु स्वीकृति प्राप्त करनी होगी।

(8) भवन निर्माण हेतु आवश्यक अन्य संस्थाओं अग्निशमन, लेबर विभाग, इत्यादि से जरूरी अनुमति लेना आवेदक की स्वयं की जिम्मेदारी होगी।

21- निरीक्षण(1) नगर पंचायत द्वारा स्वीकृत भवन निर्माण ड्राइंग के अनुसार किये जा रहे निर्माण कार्य को प्रशासक/अधिशासी अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया जा सकता है।

(2) यदि निर्माण कार्य नियम के विपरीत अथवा स्वीकृत मानचित्र के विरुद्ध किया जा रहा है तो अधिशासी अधिकारी को यह अधिकार होगा कि निर्माण कार्य को तुरन्त रोकवा देंगे और नियम के विरुद्ध कार्य कराने पर नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 186 के अन्तर्गत ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जा सकती है।

(3) इस उपविधि के अनुसार दी गयी स्वीकृति के उपरान्त यदि यह तथ्य संज्ञान में आता है कि आवेदक द्वारा गलत साक्ष्य प्रस्तुत करके नक्शा स्वीकृत करा लिया गया है, तो स्वीकृत मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा और स्वीकृत मानचित्र को निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) किसी भी अतिक्रमण को जो किसी भी सड़क, गली अथवा सार्वजनिक भूमि पर किया जा रहा है तो नगर पंचायत को अधिकार होगा कि यह उसे हटवा दे।

22-नगर पंचायत को अवैध निर्माण को रोकवाने तथा अनधिकृत निर्माण के भवन को गिराने का अधिकार धारा 186 के तहत अधिशासी अधिकारी किसी भी समय नोटिस देकर भूमि के स्वामी अथवा अध्यासी को किसी भवन के अथवा भवन के किसी भाग के निर्माण अथवा कोई निर्माण पुनर्निर्माण, परिवर्तन करने से रोक सकता है। उन दशाओं में जबकि वह ऐसा निर्माण पुनः परिवर्तन निर्माण अथवा परिवर्तन धारा 186 के अधीन अपराध समझे तो किसी भी रीति के भवन को गिराने का आदेश दे सकता है, जैसा वह आवश्यक समझे।

23-रेन वाटर हारवेस्टिंग की प्रक्रिया लागू करना होगा।

24-कतिपय मामलों में नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 180-क में आमोद स्थल की निर्माण की स्वीकृति के समय राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन के बाद दी जायेगी।

दण्ड

नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर संयुक्त प्रान्त नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 239 के अन्तर्गत यह आदेश देती है कि इस उपविधि के किसी भी भाग का उल्लंघन करने, भंग किया जाना जुर्माने से दण्डनीय होगा, जो रु. 1,000.00 (एक हजार रुपये) तक हो सकेगा और ऐसा भंग निरन्तर किया जाये तो अग्रेतर जुर्माना किया जायेगा जो प्रथम दोष सिद्धि के दिनांक के पश्चात् ऐसे प्रत्येक दिन के लिए जिसमें अपराधी का अपराध करते रहना सिद्ध हो रु. 2,500.00 (दो हजार पाँच सौ) तक हो सकेगा।

नोट- अधिरोपित किये गये शुल्क में प्राप्त धनराशि का 20 प्रतिशत तक का व्यय वर्षा, जल संरक्षण, ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, स्वच्छ भारत मिशन नगरीय एवं वृक्षारोपण के अन्तर्गत अनिवार्य या आवश्यक सुविधाओं के विकास, विस्तार एवं संचालन पर व्यय किया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कपिलवस्तु,
जनपद-सिद्धार्थनगर

आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कालेज रेणुकूट में अनुजों ने दी अग्रजों को विदाई

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/रेणुकूट। हिण्डाल्को द्वारा संचालित आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट में कक्षा 11 के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ विद्यालय के प्रधानाचार्य दयानन्द शुक्ला ने वरिष्ठ शिक्षक अरुण कुमार पाण्डेय व हृदयानन्द ओझा के साथ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया। विद्यार्थियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर प्रधानाचार्य का स्वागत किया। कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने कक्षा 12 के विद्यार्थियों को तिलक लगाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा राम भजन, विभिन्न गीत, समूह नृत्य, सम्भाषण, कविता, विदाई गीत आदि का रंगारंग प्रस्तुतिकरण किया गया। जहाँ अग्रजों ने अपने अनुजों के साथ अपने अनुभवों को साझा किया और सदैव अग्रसर रहने की सलाह दी, वहीं अनुजों ने भी अपने अग्रजों की सलाह के अनुपालन का आश्वासन दिया।

विद्यालय के शिक्षक डॉ. प्रियरंजन सिंह, जलज मालवीय, शिव नारायण सिंह, अमित दुबे व शिक्षिका प्रियांशु सिंह के साथ-साथ कक्षा 12 की छात्रा राशि रावत एवं कक्षा 11 की छात्रा मनीषा गौतम ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य दयानन्द शुक्ल ने बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिषत परीक्षाफल के लिए शुभकामनाएं व अपना आशीर्वाद देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम करने वाले निष्चित रुप से सफल होते हैं अतः परिश्रम करें और आगे बढ़ें साथ ही अपने गुरूजनों के मार्गदर्शन को आत्मसात करते हुए अपने विद्यालय का नाम रोशन करें। छात्रा प्रीति यादव व छात्र आदित्य मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से संचालित इस कार्यक्रम में शिक्षक डॉ. बबलू कुमार भट्ट ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस आयोजन में समन्वयक सुधीर कुमार नायक, ब्रम्हानन्द राम त्रिपाठी, ब्रजेष कुमार शुक्ला, शिक्षक राकेश कुमार सिंह, सत्येन्द्र सिंह, संजय कुमार द्विवेदी, शशिकान्त, राजकुमार यादव, अषोक कुमार द्विवेदी, प्रदीप कुमार ओझा, सत्येन्द्र जैन, विकास कुमार चक्रवर्ती, शषांक वर्मा, वशिष्ठ राकेश कुमार, संगीत शिक्षिका ज्योति मिश्रा व पुष्पिता पाठक आदि के साथ विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का सहयोग सराहनीय रहा।

ओवरब्रिज के नीचे स्वच्छता एवं सौंदर्गीकरण को दिया पत्र

- चार बिंदुओं पर भाजपा नगर अध्यक्ष ने डीएम को सौंप पत्र

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। भाजपा नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव ने बताया कि शहर में चंडी तिराहे से कीर्ति पाली अस्पताल तक बने ओवरब्रिज के नीचे स्वच्छता एवं सौंदर्गीकरण करने को लेकर जिलाधिकारी को पत्र दिया। भाजपा नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव ने बताया कि सोनभद्र शहर में चंडी तिराहे से कीर्ति पाली अस्पताल तक लगभग 03 किलोमीटर लंबे ओवरब्रिज के नीचे भारी मात्रा में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। इस गंदगी के कारण सड़क के दोनों ओर रहने वाले नागरिकों एवं राहगीरों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गंदगी से उठती दुर्गंध से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जैसा कि सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत संपूर्ण स्वच्छता का संकल्प लिया गया है, उसी के अनुरूप यदि इस ओवरब्रिज के नीचे खनिज विकास निधि से सौंदर्गीकरण कराया जाए, तो यह क्षेत्र स्वच्छ और सुंदर बन सकता है। वही सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि गंदगी जमा न हो, ओवरब्रिज के नीचे पेवर ब्लॉक बिछाकर सौंदर्गीकरण किया जाए ताकि इसे एक आकर्षक रूप दिया जा सके। चौराहों पर सुभाष चंद्र बोस अटल बिहारी बाजपेई जी पंडित दीनदयाल डॉ राजेंद्र प्रसाद भगत सिंह चंद्रशेखर आजाद जैसे महापुरुषों की प्रतिमाएँ स्थापित की जाएं,जिससे आमजन को प्रेरणा मिले और यह स्थान ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण बन सके, वृक्षारोपण एवं हरित क्षेत्र का विकास किया जाए, जिससे वातावरण स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बना रहे।

व्यापार मण्डल करेगा शिवबारात की अगुवाई, सौंपी गई जिम्मेदारी

सुमेरपुर हमीरपुर। इस वर्ष कस्बे में शिव बारात का आयोजन अमरनाथ सेवा संस्थान नहीं बल्कि व्यापार मंडल करेगा। दोनों संगठनों के मध्य सहमति बनने के उपरांत व्यापार मंडल ने बैठक का आयोजन करके कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की है। कस्बे में शिव बारात की परंपरा दशको पूर्व अमरनाथ सेवा संस्थान ने डाली थी। अमरनाथ सेवा संस्थान के अध्यक्ष सीताराम गुप्ता हीरो के नेतृत्व में पिछली करीब 30 वर्षों में शिव बारात निकल रही थी। इस वर्ष अमरनाथ सेवा संस्थान ने शिव बारात निकालने में असमर्थता जाहिर करते हुए इसकी जिम्मेदारी हमेशा के लिए नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू को सौंपी है। मंगलवार को व्यापार मंडल अध्यक्ष ने कस्बे के पैलानी बस स्टाप में व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष आशीष गुप्ता के प्रतिष्ठान में बैठक करके शिव बारात निकालने की रणनीति तैयार की। बैठक के बाद व्यापार मंडल अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व की भांति बुधवार को देर शाम शिव बारात धूमधाम के साथ का गाजे बाजे संग निकल जाएगी।

अधिवक्ताओं ने विधेयक संशोधन को निकाला जुलूस किया प्रदर्शन

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार मगलवार को अधिवक्ता संशोधन विधेयक - 2025 के विरोध में अधिवक्ता सुरक्षा कानून लागु करने की मांग को लेकर सोनभद्र बार एसोसिएशन अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र एड0 की अध्यक्षता व महामंत्री अखिलेश कुमार पाण्डेय एड0 के संचालन में आक्रोशित अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता संशोधन विधेयक-2025 वापस लेने की मांग के साथ न्यायालय परिसर में चक्रमण करते हुये ट्रेजरी व रजिस्ट्री कार्यालय का घेराव करते हुये सम्पूर्ण दिवस कार्यालय के बाहर अधिवक्ता जमे रहे तथा अधिवक्ता संशोधन विधेयक - 2025 वापस लेने की मांग को लेकर सम्पूर्ण दिवस अधिवक्ताओ ने स्वयं को न्यायिक कार्य से अलग रखा। जिसमें उमेश कुमार मिश्र, ओम प्रकाश राय, शारदा प्रसाद पैं एड0, अशोक प्रसाद श्रीवास्तव, अरुण कुमार सिंघल, शुधेन्दु भुषण शुक्ल, संजय श्रीवास्तव, मुनिराज शाह, राजीव सिंह गौतम, विनोद कुमार शुक्ल, रमेश प्रसाद चौबे, प्रदीप प्रदीप कनौजिया, प्रदीप देव पाण्डेय, परवेज अख्तर खान, योगश द्विवेदी, अतुल प्रताप सिंह, संजय कुमार पाण्डेय, आशुतोष द्विवेदी, आशिष शुक्ला, प्रभात मिश्रा, अजित दुबे, अनिल पाण्डेय, आशिष पाल, सुरज वर्मा, अनुज अवस्थी, आशुतोष पाठक, अखिलेश मिश्र, सुनिल मिश्र, अविनाश तिवारी, श्याम किशोर मिश्र, धीरज पाण्डेय, पुष्पा तिग्गा, अशोक श्रीवास्तव आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

जिले में फैला कबाड़ियों का मायाजाल एक गिरफ्तार

- बिजली विभाग सहित अन्य विभागों के सामानों कर रहे खरीद
- पुलिस ने एक पिकअप के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। थाना राबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा 8 प्लास्टिक की बड़ी बोरियों में विद्युत सामग्री (प्लास्टिक कोटेड तार /बिना कोटेड तार व कलेम्प नट बोल्ट आदि) व एक पिकप वाहन के साथ 01 नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार।थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र राय ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर डॉ चारू द्विवेदी के पर्यवेक्षण में चोरी की घटनाओ पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस के प्रयास से 24.02 को चोरी करने के उपकरण के साथ गिरफ्तार किया गया विभिन्न धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तगणो को न्यायालय भेजा गया। सामान के साथ गिरफ्तार अभियुक्त. रिजवान हासमी उर्फ भोला पुत्र स्व0 अजीम हासमी नि0 बभनौली पर हुई करवाई वही गिरफ्तार एवं बरामदगी करने वाली टीम में उ0नि0 कुँवर सिंह चौकी प्रभारी कस्बा, शिवाजी , राजेश कुमार मौजूद रहे।

एसकेएच मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी ने 31 छात्रों का किया चयन

टूंडला। राम सिंह कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में एसकेएच मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राम सिंह कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी, नगला सिकंदर, फिरोजाबाद में 25 फ़रवरी, 2025 को एसकेएच मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड. गुड़गाँव द्वारा एक प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे कॉलेज के 31 विद्यार्थियों का चयन किया गया। कॉलेज के निदेशक इंजी. अनूप कुमार द्वारा एसकेएच मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। कॉलेज प्रबंधन समिति के सचिव डॉ. धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस तरह के प्लेसमेंट कार्यक्रम छात्रों के लिए अत्यधिक लाभकारी होते हैं, जो उन्हें अपने करियर में एक मजबूत शुरुआत देने में मदद करते हैं तथा चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।

चोपन नगर में विकास कार्यों को मिली गति नगर पंचायत अध्यक्ष ने किया शिलान्यास

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/चोपन। मंगलवार को नगर पंचायत अध्यक्ष उस्मान अली ने नगर के विभिन्न वार्डों में सीसी सड़क और आरसीसी नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर नगरवासियों के विकास और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत की गई। वार्ड नंबर 1 में सड़क और नाली निर्माण, वार्ड नंबर 6 में पेयजल आपूर्ति हेतु पाइपलाइन बिछाने तथा वार्ड नंबर 7 में सीसी सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। इन विकास कार्यों के शिलान्यास के दौरान नगर के गणमान्य नागरिकों के साथ ही संबंधित वार्डों के सभासद भी उपस्थित रहे। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि चोपन नगर को सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विकास कार्यों की यह श्रृंखला आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि इन योजनाओं के पूरा होने से नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस मौके पर भाजपा जिला प्रतिनिधि सुनील सिंह,सुनील तिवारी,उमेश सिंह, अमित सिंह, सभासद डिम्पल जायसवाल, रजनीकांत सिंह, जितेंद्र यादव, अरुण कुमार, बृजेश सिंह, रामनरेश चौधरी, राशिद आलम, सियाराम तिवारी, अनिल जायसवाल, अभिषेक दुबे, लिपिक अंकित पांडेय, मंसूर आलम, जितेंद्र पासवान,अनुज कुमार इत्यादि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

राजकुमार गौतम बाबा साहेब अंबेडकर वाहिनी सपा के राष्ट्रीय सचिव मनोनीत

इटावा। राजकुमार गौतम को बाबा साहेब अंबेडकर वाहिनी समाजवादी पार्टी में राष्ट्रीय सचिव मनोनीत होने पर राष्ट्रीय प्रदेश नेतृत्व का हार्दिक आभार सांसद जितेंद्र दोहरे ने राजकुमार गौतम को बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सपा जिला उपाध्यक्ष लालू पाल, सांसद मीडिया प्रभारी विक्की गुप्ता, अनुराग दोहरे, दीपेंद्र दोहरे, अखिलेश प्रधान, शिक्षक सभा जिलाअध्यक्ष उपेंद्र यादव, दोहरे, कुलदीप जाटव, अन्नू पाल, मिथुन पाण्डे, रोहित जाटव, रामजी तिवारी, जसवंत सिंह, कन्हैया आदि ने भी बधाई दी।

पैसेंजर ट्रेन का संचालन ठप्प होने से दूसरी ट्रेनों में बढ़ रही भीड़

सुमेरपुर हमीरपुर। कानपुर से मानिकपुर के मध्य सुबह शाम चलने वाली मेमू पैसेंजर के बंद होने से लोग परेशान हैं। मंगलवार को सुबह सैकड़ो यात्रियों को रेलवे स्टेशन से बैरंग लौटना पड़ा। यात्रियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रेलवे का यह कदम अच्छा नहीं है। बता दें किं कानपुर सेंट्रल से मानिकपुर तक मेमू पैसेंजर ट्रेन वर्षो से संचालित है। प्रयागराज महाकुंभ में इसको मानिकपुर से आगे नैनी तक बढ़ाया गया था। पिछले सप्ताह रेलवे ने इसको 5 दिन तक रद्द रखा था। शनिवार रविवार को चलाने के बाद सोमवार को इसको फिर रद्द कर दिया गया। मंगलवार को यह ट्रेन सुबह रूट पर नहीं चली। इस वजह से सुबह सैकड़ो यात्रियों को रेलवे स्टेशन से लौटना पड़ा। दैनिक यात्री राजकुमार, महेश, अनुज कुमार, आशीष, विजय कुमार, शिवनारायण, गुड्डू गुप्ता, राम सिंह, गोपाल आदि ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रेलवे प्रशासन का यह कदम ठीक नहीं है। मेमू पैसेंजर ठप होने से रागौल, अकौना, इचौली, खैरार, बांदा, डिंगवाही, खुरहंड, अतर्रा, बदौसा, भरतकूप, शिवरामपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, खोही, मानिकपुर आदि जगहों को जाने तथा आने वाले यात्री परेशान हो रहे हैं। रेलवे को नैनी के बजाय मेमू पैसेंजर को पूर्व की भांति कानपुर से मानिकपुर के मध्य सुबह शाम चलाना चाहिए। बता दें कि प्रयागराज में बढ़ती भीड़ को दृष्टिगत रखकर रेलवे प्रशासन ने पिछले सप्ताह की तरह इस सप्ताह भी मेमू का संचालन अस्थाई तौर पर रोका है।

श्रीकृष्ण के जन्म की कथा सुन भावविभोर हो श्रोता

सुमेरपुर हमीरपुर। कस्बे के पैलानी मार्ग में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन सूर्यवंश में जन्मे श्रीराम एवं चंद्रवंश में जन्मे श्रीकृष्ण की कथा को कथा व्यास ने सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। पूरा पंडाल श्रीराम एवं श्रीकृष्ण के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। कस्बे के निवासी कमला गुप्ता ने पैलानी मार्ग में कथा का आयोजन कराया है। कथा के पांचवें दिन कथा व्यास दुर्गा प्रसाद द्विवेदी ने श्रीराम एवं श्रीकृष्ण के जन्म की रोचक कथा सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कथा व्यास ने कहा कि दोनों ने धरती पर अवतरित होकर जन कल्याण किया और समाज को न्याय अन्याय के प्रति जागरूक किया। कथा सुनने के लिए इटरा आश्रम के महंत स्वामी वेदानंद महाराज उर्फ बलराम बाबा,विरक्त आश्रम तपोभूमि के महंत स्वामी जगन्नाथ महाराज, श्रीकृष्ण गुप्ता, रेनू गुप्ता, पूर्व सभासद उमाकांत गुप्ता, महेश भदौरिया,प्रांशु गुप्ता, दुर्गेश शिवहरे, रमाकांत गुप्ता, विष्णु गुप्ता, रामखेलावन गुप्ता, रामकृष्ण गुप्ता, रामकरण गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने किया विरोध

अवधनामा संवाददाता

मौदहा हमीरपुर। अधिवक्ता अधिनियम 1961 में शंसोधन के लिए केन्द्र सरकार द्वारा संशोधन बिल का मसौदा पेश किया गया था जिस का अधिवक्ताओं नें विरोध किया हालांकि कि संशोधन बिल वापस लेलिया गया है लेकिन आज 25 फरवरी को देशव्यापी कलम बन्द हड़ताल की गयी उसी सिलसिले में मौदहा बार असोसिएशन द्वारा तहसील मौदहा में हड़ताल कर खूब नारेबाजी की गयी। अधिवक्ताओं ने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए सब रजिस्ट्रार कार्यालय का घेराव किया। कस्बे की तहसील में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर बार एसोसिएशन मौदहा के अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता संशोधन बिल का लागू होने से पहले ही जमकर विरोध किया और सरकार विरोधी नारेबाजी कर सब रजिस्ट्रार कार्यालय का घेराव किया इस दौरान रजिस्ट्रार कार्यालय के कर्मचारियों ने गेट बंद कर लिया।अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ब्रज किशोर त्रिवेदी ने कहा कि यदि सरकार इस बिल को वापस नहीं लेती है तो अधिवक्ता उग्र प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर संगठन के महामंत्री एडवोकेट वीरेंद्र प्रजापति, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव गुप्ता, एडवोकेट विनय तिवारी,प्रभात यादव, रमेश यादव,फीरोज अहमद, अनिल पाल सहित लगभग एक सैकड़ा वकील मौजूद रहे।

दो दिन मनासर बाबा में उमड़ेगी भक्तों की भीड़

सुमेरपुर हमीरपुर। देवगांव सौंखर सिमनौडी कारीमाटी के मध्य बीहड़ों में विराजमान मनासर बाबा में आज से दो दिन श्रद्धा का सैलाब उमडेगा। मंगलवार को खंड विकास अधिकारी ने घंटों मौजूद रहकर साफ-सफाई का जायजा लिया और मातहतों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि पानी बिजली साफ सफाई के पुख्ता इंतजाम बनाए रखें। बीहड़ों में विराजमान मनासर बाबा शिव मंदिर की ख्याति दूर दूर तक है। यहां आने से लोगों की मुरादें पूर्ण होती है। इसीलिए इन्हें मनासर बाबा के रूप में जाना जाता है। यहां पर प्रतिवर्ष शिवरात्रि में दो दिवसीय मेले एवं भंडारे का आयोजन होता है। मनासर बाबा सेवा समिति शिवरात्रि को खीर वितरण कराकर अगले दिन विशाल भंडारा करती है। इस अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा भी होती है। जिसका समापन शिवरात्रि को होता है। मंगलवार को खंड विकास अधिकारी विपिन कुमार ने कई घंटे का समय मंदिर में दिया और साफ सफाई का निरीक्षण किया।

उघोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला कमेटी का विस्तार

अवधनामा ब्यूरो

- आलोक गुप्ता एंव हिमांशु सैनी को मिला जिला उपाध्यक्ष का दायित्व

इटावा। पुरबिया टोला के के इंटर कालेज के पास स्थित शूटिंग क्लब में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में क्लब के संचालक आलोक गुप्ता एंव हिमांशु सैनी को उघोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की जिला कमेटी में जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित एंव महामंत्री रिषी पोरवाल नें जिलाउपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा। जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित नें बताया कि दोनों पदाधिकारियों नें भारतीय उघोग व्यापार मंडल श्री रविकांत गर्ग गुट से त्याग पत्र देकर संगठन की सदस्यता ग्रहण की है, उनकी व्यापारी हित में सक्रियता देखते हुए जिलाउपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। नवनियुक्त उपाध्यक्षयों नें बताया कि पूर्व का उनका संगठन कहीं धरातल पर सक्रिय नहीं था इसलिए इस्तीफा देकर जिले के सबसे सक्रिय व्यापार मंडल मे जुड़े हैं और संगठन को मजबूत कर व्यापारियों के हित मे काम करेंगे। इस अवसर पर मौजूद शहर अध्यक्ष संजय वर्मा, जिला अध्यक्ष उघोग मंच भारतेन्द्र भारद्वाज, महिला जिलाध्यक्ष अर्चना कुशवाहा, रेडिमेड ऐसोसिएशन के अध्यक्ष देव गुप्ता, शहर उपाध्यक्ष धर्मेंद्र यादव, लाइन पार महिला अध्यक्ष ममता दुबे, महिला जिला संगठन मंत्री बंदना वर्मा, शहर उपाध्यक्ष ज्योति पालीवाल, जिला सचिव गौरव सिंह यादव, प्रिन्सी यादव, शनि यादव आदि पदाधिकारियों नें नवनियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

भोला तेरी बम के जयकारों से गूँजा प्रांगण

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। महाशिवरात्रि पर भक्त रातभर जागकर भगवान शिव की पूजा करते हैं। वे शिवजी पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हैं ताकि उनसे जुड़ सकें और शांति महसूस कर सकें। ऐसा माना जाता है कि यह रात ध्यान और प्रार्थना के लिए विशेष होती है। जागकर भक्त यह सीखने की कोशिश करते हैं कि कैसे अज्ञानता, अंधकार और जीवन की परेशानियों को दूर किया जाए। इससे उन्हें ज्ञान मिलता है और विचारों में स्पष्टता आती है। मंगलवार को ज्ञानस्थली आवासीय विद्यालय कर्वाखेड़ा में प्रातःवंदना के पश्चात विद्यालय समिति के अध्यक्ष (चेयरमैन) शिवप्रसाद यादव की धर्मपत्नी संतोष कुमारी व विद्यालय की प्रधानाचार्या चंदा श्रीवास्तव ने सम्मिलित रूप से बाल स्वरूप भगवान शिव का जलाभिषेक किया। तथा नन्हें- नन्हें बालक बालिकाओं ने शिव पार्वती का स्वरूप धारण कर नृत्य के साथ प्रस्तुत दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रधानाचार्या जी ने शिवरात्रि के महत्व से परिचय कराया। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि पर लोग खुशी, अच्छी सेहत और जीवन में सफलता के लिए प्रार्थना करते हैं। लेकिन मुख्यतःहम शांति और ज्ञान के लिए प्रार्थना करते हैं, ताकि हम सही फैसले ले सकें और अच्छा जीवन जी सकें। यह दिन सृजन, रक्षा और परिवर्तन के मेल का प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि चुनौतियों को पार कर हमें अपने अंदर और पूरे संसार में शांति बनाई रखनी चाहिए। विद्यालय प्रांगण में शिवाजी की बारात निकाली गई जिसमें बालक-बालिकाओं ने भूत प्रेत का स्वरूप धारण कर नृत्य करते हुए बारात की अगुवानी की। सम्पूर्ण कार्यक्रम की तैयारी किण्डर-गार्डन प्रमुख मौनी मैम के द्वारा की गई। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन के मुख्य सदस्य श्री शिवमंगल सर उप प्रधानाचार्य अंशुल तिवारी सर, खेल विभाग प्रमुख वासिफ खान सर तथा वित्त विभाग प्रमुख नीरज त्रिपाठी सर व विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक गण मौजूद थे।

घरेलू विवाद के चलते महिला ने लगाई फांसी, मौत

अवधनामा संवाददाता

- अज्ञात कारणों के चलते युवक झूला

मौदहा हमीरपुर। क्षेत्र में एक महिला सहित एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया जिसमें महिला की मौत हो गई जबकि युवक का कानपुर में इलाज चल रहा है जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है, युवक शराब पीने का आदी बताया जा रहा है। मंगलवार की सुबह कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छिरका निवासी अभिलाषा (23) पत्नी अजय कुमार ने सुबह करीब सात बजे अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर में सास,ससुर और देवर मौजूद थे जबकि पति एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाहर गया हुआ था। फिलहाल महिला द्वारा आत्महत्या करने के कारणों की जानकारी नहीं हो सकी है। मृतका का विवाह लगभग ढाई वर्ष पहले हुआ था जिसके एक डेढ़ साल की बेटी वैष्णवी है।सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतका के परिजनों को सूचना दे दी गई है। वहीं कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रीवन निवासी स्वयं प्रकाश उर्फ सूरज (25) पुत्र दुर्गादीन कुशवाहा ने सोमवार देररात फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की जिसे परिजनों द्वारा इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां से युवक को सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया था फिलहाल युवक का कानपुर में इलाज चल रहा है और युवक की हालत स्थिर बताई जा रही है जबकि युवक शराब का आदी बताया जा रहा है। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है हालांकि अभी तक कोई शिकायती पत्र नहीं आया है तहरीर आने के बाद कार्यवाही की जाएगी और रीवन वाली घटना में युवक का इलाज चल रहा है।

पूर्ति निरीक्षक ने सप्लायर फर्म के मालिक पर दर्ज कराया मुकदमा

सुमेरपुर हमीरपुर। राशन विक्रेताओं को राशन सामग्री कम देने पर पूर्ति निरीक्षक ने डोर टु डोर सामग्री पहुंचाने वाली फर्म के मालिक, ट्रक चालक व मुनीम पर राशन की कालाबाजारी करने का मुकदमा दर्ज कराया है। पूर्ति निरीक्षक गिरजाशंकर की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे में आरोप है कि ट्रक संख्या यूपी 25 एटी 5306 सिंगल स्टेज परिवहन व्यवस्था में लगा है। इनकी फर्म आध्या प्रसाद जायसवाल गोरखपुर है। गत 24 फरवरी को कस्बे के एक राशन विक्रेताओं को राशन देने के लिए ट्रक में गेहू लोड करके भेजा गया था। ट्रक निर्धारित रूट के बजाय दूसरे रूट से राशन विक्रेता के यहां पहुंचा और राशन विक्रेता आशा देवी को 44 कुंतल के बजाय सिर्फ 11 कुंतल गेहू उतार रहा था। इसकी शिकायत राशन विक्रेता ने पूर्ति निरीक्षक से की। शिकायत के बाद मौके पर पहुंचे पूर्ति निरीक्षक को ट्रक से करीब 32 कुंतल गेहूं गायब मिला। गेहूं गायब होने का चालक समुचित जवाब नहीं दे सका।

महिला की तहरीर पर धोखाधड़ी मामले में दो लोगों पर पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

अवधनामा संवाददाता

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के पहाड़ीगढ़ी गांव निवासी एक महिला से रिश्तेदारों द्वारा 22 तोला सोना व 7 लाख की नगदी की धोखाधड़ी की शिकायत महिला द्वारा दो दिवस पूर्व कोतवाली राठ पुलिस से की थी। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के ग्राम पहाडीगढ़ी के रिश्तेदार महिला लांडकुँअर पत्नी जनमेज निवासी उमरिया थाना जरिया ने रविवार दोपहर करीब 1:30 राठ कोतवाली में घटना की लिखित तहरीर देकर आरोप लगा बताया था कि राठ कोतवाली क्षेत्र के पहाड़ी गढ़ी गांव में रहने वाले अशोक कुमार पुत्र रतन सिंह व उनकी पत्नी जयंती ने धोखाधड़ी कर उसकी सास अनुसुईया पत्नी स्वर्गीय अजीत सिंह से 22 तोला सोना और साढ़े 7 लाख रुपए बीमारी का बहाना बना उधार लिए थे। तथा आवश्यकता पड़ने पर लिए हुए पूरे रुपए और पूरा सोना लौटने की बात भी कही थी। बताया कि वह बीते कई माह से उक्त लोगों से साढ़े 7 लाख रुपए और 22 तोला सोना लौटाने की गुहार लगा रही है। लेकिन उक्त लोग आजकल कहकर लगातार उसे टाल रहे थे। पीड़ित महिला लॉड कुँवर ने बताया था कि वह रविवार सुबह करीब 11:00 बजे जब वह अपने परिजनों और रिश्तेदारों के साथ राठ कोतवाली क्षेत्र के पहाड़ी गाड़ी गांव में पहुंची और गांव के संभ्रांत व्यक्तियों को बुलाकर उक्त लोगों ने दिया हुआ 22 तोला सोना और साढ़े 7 लाख रूपये की मांग की तो उक्त सभी दबंग अभद्रता व गाली गलौज करते हुए मारपीट व लड़ाई झगड़ा करने पर आमादा हो गए थे। तथा जान से मारने की धमकी दे डाली थी। जिससे आहत हो पीड़ित महिला लॉड कुँवर ने राठ कोतवाली में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई थी। मामले में राठ कोतवाली पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महाशिवरात्रि पर 350 से अधिक ट्रेनों का होगा संचालन

स्टेशनों पर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश

प्रयागराज/लखनऊ। महाकुम्भ 2025 का अंतिम अमृत स्नान 26 फरवरी को होना है। गंगा यमुना और सरस्वती के मिलन स्थल संगम पर स्नान करने के लिए उत्तर प्रदेश,बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड और बंगाल सहित देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज आए हुए हैं। रविवार और सोमवार को भी बिहार के पटना, दानापुर, मुजफ्फरपुर, गया, सासाराम, कटिहार, खगड़िया, सहरसा, जयनगर, दरभंगा आदि स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या अधिक रही। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर लखनऊ अयोध्या वाराणसी कानपुर गोंडा दीनदयाल उपाध्याय झांसी आदि जिलों के रेलवे स्टेशनों पर प्रयागराज जाने वाले यात्रियों की संख्या औसत से काफी ज्यादा रही। मध्य प्रदेश के चित्रकूट, जबलपुर,सतना, खजुराहो जैसे स्टेशनों पर भी भीड़ रही जबकि झारखंड के धनबाद बोकारो,रांची, गढ़वा और मेदनी नगर स्टेशन से बड़ी संख्या में लोग प्रयागराज के लिए रवाना हुए। अमृत स्नान के बाद अपने-अपने शहर वापस जाने वाले लोगों और श्रद्धालुओं का भारी हुजूम रेलवे स्टेशनों पर उमड़ना संभावित है। इसे ध्यान में रखते हुए उत्तर मध्य रेल, पूर्वोत्तर रेल और उत्तर रेलवे ने व्यापक तैयारी की है और सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने कार्य स्थल पर मुस्तैदी के साथ टिके रहने का निर्देश दिया है। रेलवे ने मौनी अमावस्या के दिन 360 से अधिक गाड़ियों का परिचालन करके 20 लाख से अधिक लोगों को उनके गंतव्य स्थान पर भेजने में सफलता पाई थी। महाशिवरात्रि स्नान के बाद भी श्रद्धालुओं की सेवा के लिए अधिक संख्या में ट्रेनों को चलाने की योजना बनाई गई है और प्रयागराज के समीप वाले स्टेशनों पर अतिरिक्त रेक रखे गए हैं जिनका उपयोग आवश्यकतानुसार किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार रेलवे ने प्रारंभ में महाकुम्भ के दौरान लगभग 13500 गाड़ियों के चलने की योजना बनाई थी। महाकुम्भ के 42वें दिन तक 15000 से अधिक ट्रेनें चलाई जा चुकी हैं जिनमें बड़ी संख्या में स्पेशल ट्रेनें भी शामिल हैं। रेलवे की पूरी व्यवस्था की निगरानी का नेतृत्व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वयं किया है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार भी लगातार रेलवे बोर्ड से ट्रेनों की मॉनिटरिंग में लग रहे हैं। तीन जोनल रेलवे के महाप्रबंधक भी अपनी टीम के साथ रेलवे व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने में लगे हुए हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सभी जोन के महाप्रबंधकों को निर्देश दिया है कि महाकुम्भ के यात्रियों की सुविधा का पूरा ख्याल रखा जाए। जरूरत पड़ने पर अधिक संख्या में स्पेशल ट्रेनें चलाई जाए। महाशिवरात्रि की भीड़ के मद्देनजर रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए, सुरक्षा, आश्रय, आसान टिकट वितरण एवं बड़ी संख्या में गाड़ियों की व्यवस्था की गयी है। प्रयागराज के सभी स्टेशनों पर रेलवे वाणिज्य विभाग के 1500 से अधिक तथा रेल सुरक्षा बल के 3000 से जवानों की तैनाती की गई है। रेलवे सुरक्षा विशेष बल की 29 टुकड़ियाँ, महिला रेलवे सुरक्षा विशेष बल की 02 टुकड़ियाँ, 22 डॉग स्क्वाड एवं और 02 बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड को भी प्रयागराज में ड्यूटी पर लगाया गया है। स्काउट्स एवं गाइड्स, सिविल डिफेंस सहित सभी विभागों की टीमें महाकुम्भ में आए श्रद्धालुओं को बेहतर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रयत्नशील हैं। श्रद्धालुओं को सुलभता के साथ उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए प्रयागराज क्षेत्र के सभी स्टेशनों पर आंतरिक मूवमेंट प्लान के अनुरूप कार्य किया गया और श्रद्धालुओं को विशेष गाड़ियों के माध्यम से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इसी क्रम में प्रयागराज जंक्शन पर भी श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य के अनुरूप यात्री आश्रयों में भेजा गया। निर्धारित यात्री आश्रय से उन्हें विशेष गाड़ी में बैठा कर उनके गंतव्य तक भेजा गया। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर रेलवे ने अपने आपातकालीन प्लान को तुरन्त लागू करते हुए खुसरो बाग में लोगों को होल्ड करके उन्हें सुरक्षित और नियन्त्रित तरीके से यात्री आश्रय शेड के माध्यम से स्टेशन में प्रवेश कराकर ट्रेन में बोर्ड कराया। इस दौरान सभी गतिविधियों की मॉनिटरिंग प्रयागराज जंक्शन पर स्थित कंट्रोल टावर में प्रयागराज मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण द्वारा की जा रही थी एवं स्थिति आकलन कर तत्काल आवश्यक निर्णय लिये जा रहे थे जिससे ट्रेनों से संचालन में किसी प्रकार की बाधा न हो और श्रद्धालुओं को विशेष गाड़ियों के माध्यम से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया जा सके। इस दौरान विभिन्न स्टेशनो पर बनाए गए आबाजर्वेशन रूम में भी गंभीर स्थित में लाये गए श्रद्धालुओं का इलाज किया गया।महाकुम्भ -2025 में आए श्रद्धालुओं ने रेलवे की डिजिटल सेवाओं को भी हाथों हाथ लिया। लाखों यात्रियों ने वेबपेज और कुम्भ app को हिट किया। रेलवे की टीम ने महाकुम्भ के अंतिम सप्ताहांत में भी रेगुलर और विशेष गाड़ियों का प्रबंधन जारी रखा। रविवार को रेलवे ने 335 गाड़ियां चलाकर 16 लाख से अधिक लोगों को उनके गंतव्य स्थान पर भेजने में सफलता पाई।

हिमाचल के मुख्यमंत्री से लेकर उद्योगपतियों और श्रद्धालुओं ने किया पवित्र स्नान

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ 2025 का पावन पर्व आस्था, भक्ति और सनातन संस्कृति की अद्भुत झलक प्रस्तुत कर रहा है। संगम तट पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है, जहां आमजन से लेकर राजनेता, उद्योगपति और फिल्मी सितारे तक पुण्य अर्जित करने पहुंच रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, रिलायंस इंडस्ट्रीज की ईशा अंबानी, अभिनेत्री रवीना टंडन और कई अन्य गणमान्य लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई।महाशिवरात्रि से पहले संगम तट पर उमड़ी भीड़, भक्तों के अटूट विश्वास और दिव्यता की झलक बयां कर रही है।

- हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सपरिवार लगाई पावन डुबकी
- ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने भी किया पुण्य स्नान
- रिलायंस इंडस्ट्रीज की ईशा अंबानी, अभिनेत्री रवीना टंडन और अन्य गणमान्य लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

ईशा अंबानी और आनंद पीरामल ने भी लगाई आस्था का डुबकी

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की बोर्ड सदस्य ईशा अंबानी पीरामल और उनके पति आनंद पीरामल ने भी त्रिवेणी संगम में स्नान किया। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती जी के साथ उन्होंने पवन स्नान किया। इस दौरान अभिनेत्री रवीना टंडन ने भी आस्था की डुबकी लगाई और महाकुम्भ में अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किया संगम स्नान

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने परिवार संग त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा, मैंने देश और प्रदेश की शांति के लिए प्रार्थना की है। उनकी पत्नी कमलेश ठाकुर ने कहा, यह हमारे हिंदू धर्म का संगम है, यहां आकर बहुत अच्छा लगा।

ओडिशा के राज्यपाल ने भी लिया पवित्र स्नान

ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने भी त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने कहा, यह एक अद्भुत अनुभव है और यूपी सरकार ने बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की हैं।

JMM नेता महुआ माजी ने की व्यवस्थाओं की सराहना

झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) की नेता महुआ माझी ने भी त्रिवेणी संगम में स्नान किया और कहा, यह आस्था का पर्व है... हम आज आए हैं क्योंकि कल महाशिवरात्रि है और भीड़ बहुत बढ़ जाएगी। व्यवस्थाएं अच्छी हैं और इतने बड़े जनसमूह को संभालना एक बड़ी जिम्मेदारी है।

दिव्य ज्योति वेद मंदिर ने रचा इतिहास, विश्व का सबसे विशाल रुद्राष्टाध्यायी रिले-पाठ संपन्न

महाकुम्भ नगर। दिव्य ज्योति वेद मंदिर ने प्रयागराज महाकुम्भ 2025 में दिव्य गुरु आशुतोष महाराज के मार्गदर्शन में 33 दिवसीय अखंड रुद्रीपाठ महा दिव्य अनुष्ठानम् संपन्न कर एक विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। इस अभूतपूर्व आयोजन में 566 ब्रह्मज्ञानी वेद पाठकों ने भाग लिया, जिनकी वैदिक मंत्रों की एकलय गूंज ने 794 घंटे के रुद्राष्टाध्यायी पाठ को ऐतिहासिक बना दिया।

14 जनवरी से 16 फरवरी 2025 तक चले इस महायज्ञ में 5 देशों और 191 शहरों से आए वेद पाठकों ने 11,151 संहिता पाठ किए, जो 2,64,249 मंत्रों के उच्चारण तक पहुँचे। इसके साथ ही, 33 दिवा-रात्रि तक अखंड ब्रह्मज्ञान आधारित साधना भी चली, जिससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई। निर्णायक प्रमिल द्विवेदी ने दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के पदाधिकारियों ड्ड स्वामी नरेंद्रानंद, स्वामी आदित्यानंद, साध्वी दीपा भारती, साध्वी भक्तिप्रिया भारती और प्रशासनिक प्रमुख सी.ए. गीतांजलि ड्ड को सम्मानित किया।

इस दिव्य आयोजन में कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें आध्यात्मिक गुरु रविशंकर, सांसद अनुराग ठाकुर, विश्व हिंदू परिषद के दिनेश शर्मा, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बी.एल. संतोष, ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त, स्वामीनारायण मंदिर भुज के शास्त्री अक्षर प्रकाश दास, प्रसिद्ध अभिनेता सौरभ राज जैन और प्रधानमंत्री कार्यालय के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल शामिल थे। इन गणमान्य व्यक्तियों ने इस अनुष्ठान की भव्यता को प्रत्यक्ष रूप से देखा और इसकी आध्यात्मिक शक्ति को अनुभव किया।

रुद्री पाठ के समापन पर शंख और घंटियों की दिव्य ध्वनि से वातावरण गूंज उठा। इसके पश्चात गुरु आशुतोष महाराज को समर्पित वैदिक आरती हुई, जिसने भक्तों को भक्ति-भाव से अभिभूत कर दिया। समापन समारोह के अंत में महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने विश्व शांति एवं सद्भाव के लिए आहुति दी।

यह दिव्य आयोजन प्रमुख समाचार चैनलों, डिजिटल प्लेटफॉर्मों, यूट्यूबर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स द्वारा व्यापक रूप से साझा किया गया, जिससे यह विश्वभर के श्रद्धालुओं तक पहुँचा। यह अनुष्ठान न केवल एक आध्यात्मिक उपलब्धि थी, बल्कि भारत सरकार के आयुष मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (ह्स्ष्ठत्नह्य) से भी सम्बद्ध रहा। इस आयोजन ने न केवल इतिहास रचा, बल्कि अध्यात्म, विज्ञान और सामाजिक समरसता को भी एक नई दिशा दी।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से की मुलाकात

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। रेलवे सेवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश का एक बड़ा हिस्सा हर दिन रेल का इस्तेमाल करता है। रेलवे सेवा अधिकारियों के रूप में, उन्हें हमारी गतिशीलता को बढ़ाने और इस तरह हमारी अर्थव्यवस्था के विकास में एक प्रमुख भूमिका निभानी है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि रेलवे सेवाएं बड़ी संख्या में लोगों के दैनिक जीवन की गुणवत्ता निर्धारित करती हैं। उन्होंने अधिकारियों को यह ध्यान में रखने की सलाह दी कि वे राष्ट्र के लिए एक बदलाव के वाहक और सेवा प्रदाता के रूप में रेलवे की समग्र प्रभावशीलता के लिए काम कर रहे हैं। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सतीश कुमार ने भारत के माननीय राष्ट्रपति को पिछले एक दशक में रेल बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं में हुए विकास और रेलवे की अन्य चल रही परियोजनाओं से अवगत कराया, जो आत्मनिर्भर राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं।चार परिवीक्षाधीन अधिकारियों सुस्वर्णिम भारद्वाज, सुतस्कीन खान, आकाश डागर और सुकृतिका मिश्रा ने प्रशिक्षण का संक्षिप्त विवरण दिया तथा यह प्रण लिया कि वे स्वतंत्रता की शताब्दी पर विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनी सेवा देने हेतु सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर भारतीय परिवहन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ के अपर महानिदेशक संजय त्रिपाठी, आईआरआईएफएम, सिकंदराबाद की महानिदेशक सुअपर्णा गर्ग, लखनऊ के जगजीवन राम आरपीएफ अकादमी के आईजी सह निदेशक बी वेंकटेश्वर राव और शिमला के राष्ट्रीय लेखा परीक्षा एवं लेखा अकादमी के महानिदेशक मनीष कुमार भी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय को अपने पूर्व छात्रों पर गर्व है: कुलपति

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। एरा यूनिवर्सिटी ने अपने तीसरे एलुमनाई मीट द रिमिनिसेंस-2025 की मेजबानी की, जिसमें विश्वविद्यालय की समृद्ध विरासत और शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रतिबद्धता का जश्न मनाने के लिए विभिन्न विभागों के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र एक साथ आए। विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में 250 से अधिक पूर्व छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस मीट में कई गतिविधियों का कार्यक्रम था, जिसका उद्देश्य सार्थक बातचीत, नेटवर्किंग के अवसर और समृद्ध गतिविधियों की एक श्रृंखला थी, जिससे पूर्व छात्रों को अपने अल्मा मेटर से फिर से जुड़ने का मौका मिला। कार्यक्रम की शुरुआत एरा यूनिवर्सिटी के छात्रों द्वारा प्रस्तुत एकल गीत और सांस्कृतिक नृत्य से हुई, जिसके बाद एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. (डॉ.) अब्बास अली महदी ने स्वागत भाषण दिया, उन्होंने आगे बताया कि विश्वविद्यालय को अपने पूर्व छात्रों पर गर्व है और वे विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर जो प्रभाव डाल रहे हैं, वो प्रशंसनीय है। एरा यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र कल्याण संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रिंस कपूर ने दर्शकों को संबोधित किया और बताया कि इस वर्ष इतनी सफल तीसरी पूर्व छात्र बैठक की मेजबानी करके हमें अविश्वसनीय रूप से गर्व है।

अंतर्राष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का शुभारम्भ आज

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान, अयोध्या एवं रामायण मेला आयोजन समिति, श्रृंगवेरपुरधाम, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 26 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव की श्रृंखला का प्रथम आयोजन हो रहा है। पर्यटन सुविधा केन्द्र स्थल, श्रृंगवेरपुरधाम, प्रयागराज में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रयागराज से विधायक गुरु प्रसाद मौर्य करेंगे, जबकि फूलपुर, प्रयागराज से सांसद प्रवीण पटेल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। कॉन्क्लेव का आयोजन श्रीलंका, नेपाल एवं देश के 06 राज्यों व राम वन-गमन पथ समेत 10 स्थानों पर किया जा रहा है। इसमें देश एवं प्रदेश के युवाओं सहित समस्त नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

कॉन्क्लेव में होने वाले संत-विद्वत समागम में हनुमान गढ़ी रामचौरा घाट, श्रृंगवेरपुरधाम के महंत स्वामी कमल दास जी महाराज, गऊघाट, श्रृंगवेरपुरधाम के स्वामी जयराम दास जी महाराज, राष्ट्रीय रामायण मेला, श्रृंगवेरपुरधाम के अध्यक्ष डॉ. बालकृष्ण पाण्डेय एवं समाजसेवी विवेक तिवारी जी सम्मिलित होंगे। रामायण-वेद गान और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, प्रदर्शनी, काव्यार्चन एवं प्रवचन के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। इस कड़ी में गाजीपुर के मनोहर सिंह एवं उनका दल भक्ति-भजनों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बनाएगा। कुमकुम आदर्श एवं उनका दल शिव-शक्ति नृत्य नाटिका का मंचन करेगा।

यूनिटी पी.जी. कॉलेज का सात दिवसीय विशेष शिविर संपन्न

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। यूनिटी पी.जी. कॉलेज, लखनऊ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें दिन समारोह का समापन किया गया, उसके पूर्व इकाई के शिविरार्थी माध्यमिक विद्यालय, बरावन खुर्द गए, जहां पर पहला सत्र बालिका शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के रूप में मनाया गया। जिसके अन्तर्गत शिविरार्थियों ने विद्यालय की बालिकाओं को शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रोत्साहित किया एवं क्षेत्र में जाकर महिलाओं के अधिकारों एवं उनके लिए किये जाने वाले सरकारी प्रयासों की जानकारी दी। द्वितीय सत्र में शिविर के समापन समारोह में आए मुख्य अतिथि, राष्ट्रीय सेवा योजना, लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अमरेन्द्र कुमार का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की कोआर्डिनेटर सुअसमा जावेद ने उन्हें प्रतीक चिन्ह एवं प्राचार्य डॉ. सुनील धवन ने पौध भेंट किया। इसके उपरान्त राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज्ञानेश कुमार धूरिया ने शिविर के सातों दिवस की रिपोर्ट को पढ़ा। तदुपरान्त शिविरार्थियों ने एक भारत श्रेष्ठ भारत शीर्षक पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की, फिर विशेष शिविर के दौरान हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गये। इसके बाद शिविर के समापन की घोषणा के उपरान्त शिविरार्थियों ने भोजन ग्रहण किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त स्वयंसेवक एवं महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण इस समापन समारोह में उपस्थित रहें।

उत्तर प्रदेश बनेगा स्टार्टअप और इलेक्ट्रॉनिक्स का हब

- रोजगार और विकास को मिलेगी रफ्तार

अवधनामा ब्यूरो

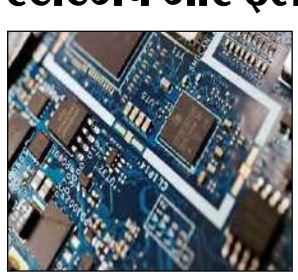

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सरकार तेजी से कदम उठा रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड की समीक्षा बैठक बापू भवन, लखनऊ स्थित द्वितीय तल सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री (आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स) सुनील कुमार शर्मा ने की, जिसमें प्रमुख सचिव (आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स) अनुराग यादव, आईएएस सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (म्डब) के विस्तार, स्टार्टअप्स को सहयोग, प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने और रोजगार सृजन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर का विस्तार कर इसे टायर-2 और टायर-3 शहरों में भी स्थापित किया जाए। उन्होंने गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ और कानपुर जैसे प्रमुख शहरों में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग जोन विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मंत्री ने लखनऊ में अत्याधुनिक स्टार्टअप हब स्थापित करने की योजना को भी प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह हब प्रदेश में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को गति देगा, जिससे स्थानीय स्टार्टअप्स को एक मजबूत प्लेटफॉर्म मिलेगा। मंत्री ने विभाग में रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे प्रशासनिक कार्यों की दक्षता में वृद्धि होगी और विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जा सकेगा। उन्होंने स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने की प्रक्रिया को पारदर्शी और ऑटोमेटेड बनाने पर भी जोर दिया, ताकि वे अनावश्यक प्रशासनिक जटिलताओं से मुक्त होकर प्रदेश में निर्बाध रूप से कार्य कर सकें। उत्तर प्रदेश सरकार की यह पहल प्रधानमंत्री के ट्रिलियन-डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य को साकार करने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को विश्व स्तरीय स्टार्टअप और इलेक्ट्रॉनिक्स हब के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

बैठक में विशेष सचिव (आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स) राहुल सिंह, आईएएस, विशेष सचिव (आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स) नेहा जैन, आईएएस, तथा उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (न्न्च्स्) के प्रबंध निदेशक रवि रंजन, आईएएस सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।